जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 17 मार्च, 2022

मंत्री शांति धारीवाल की सीट पर रोहित बोहरा को बैठा देख भड़के राजेन्द्र राठौड़

उपनेता प्रतिपक्ष ने बोहरा से कहा कि ''आप साधारण विधायक है, फिर आप मंत्री की कुर्सी पर कैसे बैठे हैं, ऐसे तो मैं भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ जाऊंगा, इस सदन की कोई गरिमा है या नहीं?''

जयपुर (विसं)। विधानसभा में संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल की सीट पर विधायक रोहित बोहरा को बैठा देखकर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ उन पर भड़क उठे। राठौड़ ने कहा कि आप एक साधारण विधायक है, फिर आप मंत्री की कुर्सी पर कैसे बैठे हैं, ऐसे तो मैं भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ जाऊंगा, आखिर इस सदन की कोई गरिमा है या नहीं?

यह नाराजगी उस वक्त सामने आई जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार संयम लोढ़ा ने सदन में कैबिनेट के किसी भी मंत्री के बहस के दौरान मौजूद नहीं होने पर सवाल खड़े कर दिये। उनके साथ राठौड़ ने भी खड़े होकर कहा कि इस बात से सरकार की गंभीरता का पता चलता है कि न कोई कैबिनेट मंत्री नोट करने के लिए मौजूद है न ही कोई अधिकारी विधायकों की बात को नोट कर रहा है। जब यह बहस चल रही थी उस समय राजाखेड़ा से विधायक रोहित बोहरा मंत्री शांति धारीवाल की सीट पर बैठे थे, जिन्होंने कागज ऊपर करते हुए कहा कि मैं सारी बातें नोट कर रहा हूं। इस पर राजेंद्र राठौड़ और ज्यादा नाराज हो गए और बोले कि ''आप एक साधारण विधायक हैं, आप मंत्री की कुर्सी पर बैठे कैसे हैं। ऐसे तो मैं भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ जाऊंगा, क्या सदन की भी कोई गरिमा है या नहीं?'' राजेंद्र राठौड़ इस कदर रोहित बोहरा पर नाराज हुए कि उन्होंने सभापति से यहां तक कह दिया कि इन्हें अपनी सीट पर भेजा जाए, नहीं तो मैं इसके खिलाफ सदन में धरना दूंगा। इस पर सभापति ने रोहित बोहरा को अपनी सीट पर जाने को कहा, तो वे तुरन्त चले गए। तब जाकर कहीं मामला शांत हुआ।

- **इससे पहले मुख्यमंत्री के सलाहकार संयम लोढ़ा ने यूडीएच की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान सदन में अनुपस्थित कैबिनेट मंत्रियों पर सवाल उठाये**

'आपने बिल्डरों को फायदा पहुंचाया'

संयम लोढ़ा ने धारीवाल से कहा कि ''आपके तुलगकी आदेशों से व्यवस्था तहस-नहस, सरकार बदनाम होगी''

जयपुर (विसं)। मुख्यमंत्री के सलाहकार संयम लोढ़ा ने बुधवार को यूडीएच की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मंत्री शांति धारीवाल को जमकर घेरा और उन पर बिल्डरों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगा दिया। साथ ही कहा कि जो खुला खेल फर्रुखाबादी चल रहा है, वह राजस्थान में सब लोगों को पता है। धारीवाल को आड़े हाथ लेते हुए संयम लोढ़ा ने आगे कहा कि ''आपके तुगलकी आदेशों से सारी व्यवस्थाएं तहस-नहस हो रही है, इससे पूरी सरकार बदनाम होगी, मैं आपको आगाह कर देता हूं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनआवास योजना लाई गई थी ताकि गरीबों को घर मिले। जिस रूप में बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए आप थ्री सी का प्रावधान लेकर आए हैं, इसके गंभीर परिणाम होंगे। प्रशासन शहरों के संग अभियान की जैसी दुर्गति हमारी आबूरोड़ नगरपालिका में हुई वैसी कहीं भी नहीं हुई। ईओ को हटाया, फिर लगाया और जिसे हटाया, वह कोर्ट से स्टे ले आया। यह नमूना है। ये अगले सीएम के मंत्री होंगे, लेकिन हमारे यहां नगरपालिका में दो महीने से जेईएन का पद खाली चल रहा है। हमारे जैसे छोटे जिले पर भी कृपा रखें।

हंसा मीणा के ट्रांसफर व कार्यमुक्त करने पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम के किशनपोल जोन की उपायुक्त हंसा मीणा के दो तबादला आदेशों सहित गत 11 मार्च के मौजूदा जगह से कार्यमुक्त करने वाले आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है।

अदालत ने निगम आयुक्त अवधेश मीणा, डीएलबी निदेशक व स्वायत्त शासन सचिव से छह सप्ताह में जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश हंसा मीणा की याचिका पर दिए। अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता को पदोन्नति के बाद अधिशासी अधिकारी, द्वितीय बनाया और नवंबर 2021 में उन्हें किशनपोल जोन उपायुक्त के पद पर लगाया गया, लेकिन तभी आयुक्त अवधेश मीणा से टकराव होने के चलते उन्हें 4 फरवरी के आदेश से स्टोर प्रभारी पद पर लगा दिया। इस आदेश को चुनौती देने पर रेट ने नए पदस्थापन आदेश पर रोक लगा दी। जब याचिकाकर्ता ने 2 मार्च को उपायुक्त पद का कार्यभार संभाला तो आयुक्त ने पुन: नए आदेश जारी कर उसका राजस्व अधिकारी के पद पर तबादला कर दिया। जिसे याचिकाकर्ता ने यह करते हुए मानने से इंकार कर दिया कि राजस्व अधिकारी का पद तकनीकी है और तबादला आदेश वास्तव में पदावनति के समान है। इसके बाद राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता को दौसा नगर परिषद में सचिव लगा दिया।

खोया पाया

मेरे मकान नं. 2-ढ-14हाऊसिंग बोर्ड शास्त्री नगर के आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, Declaration मेरे घर शास्त्री नगर से नाहरी का नाका के बीच गिर गये। मिलने पर सूचित करें। मो. 9509908369 पार्वति देवी

बजाज ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के रेपों क्रिट नं. GSPEC511876, GSPEC511877, GSPEC511878, GSPEC511879, GSPEC513023, ये जो कि मानसरोवर क्षेत्र में गिर गई है। मिलने पर सूचित करें। DEV FINANCIAL SERVICES 7230046692 दिपांशु सैनी

मेरे भूखंड संख्या एस-269 योजना शिव विहार अपोजिट रोड नं. 5 सेन कॉलोनी का मूल इकरारनामा गुम हो गया है जो कि विमला देवी और सुशीला जैन के बीच था। मिलने पर संपर्क करें। नाम सुशीला जैन-मो. 9829146900

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री दिनेश खींची के पिताजी श्री रामलाल खींची पुत्र स्व. श्री भूराराम खींची निवासी 508, मण्डी खटीकान, दुर्बलनाथ जी की बगीची के पीछे, जयपुर परिवारजनों के कहने सुनने में नहीं है एवं गैर जिम्मेदार कार्य करते है। अतः कोई भी व्यक्ति, संस्था मेरे अभिभाष्य के पिताजी से किसी प्रकार का कोई भी लेने देन करेगा तो उसके लिये मेरे अभिभाष्य, उनके भाईयों एवं परिवारजनों का किसी प्रकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।

ओम प्रकाश शर्मा, एडवोकेट, मो.9414336177

आम सूचना हथरोई गढी ग्रह निर्माण स.स. लि. की स्किम बाल विहार में प्लाट नं. 8 क्षेत्रफल 302.22 वर्गगज श्रीमती सावली मीना पत्नि स्व. गिरधर पटेल के नाम आवंटीत है। इनकी मृत्यु उपरान्त उक्त प्लाट छोटे पुत्र सुगन लाल मीना पुत्र स्व. गिरधर लाल पटेल के नाम हस्तान्तरण जारी वसीयत आवंटन किया जा रहा है। किसी को आपत्ति हो तो 7 दिन में सूचित करें। ग्राम पोस्ट खेडला तह. टोडाभीम जिला करौली राज. मो. 9549490000

सा.विज्ञप्ति नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

क्र:एफ-13, उप.आयोजना/जननि/2020/1022 दि. 16.03.22

विषय- राजस्थान नगर पालिका (भू-उपयोग परिवर्तन) नियम 2010 के नियम 4(1) के अन्तर्गत आपत्तियां/ सुझाव आमंत्रित करने हेतु विज्ञप्ति। नगर निगम जयपुर में निम्न वर्णित भूखण्ड धारक ने कॉलम 4 में वर्णित मास्टर विकास योजना 2025 (जयपुर रीजन) में निर्धारित भू-उपयोग का कॉलम 5 में वर्णित भू-उपयोग हेतु आवेदन किया है जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है-

क्र.स.	आवेदक का नाम भूखण्ड संख्या योजना का नाम	भूखण्ड का क्षेत्र व उपयोग	मास्टर प्लान (2025)अनुसार भू-उपयोग	आवे. द्वारा चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5
1	अजुर ट्री प्रापर्टी वेन्चर्स प्रा.लि. भू.स. ए-6, खसरा नम्बर 142, ग्राम-बस्सी,सीतारामपुरा,जयपुर	35380 व.ग. (औद्योगिक)	स्पेशल एरिया	आवासीय

यदि किसी व्यक्ति /संस्था को उपरोक्त भू- उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/ सुझाव होतो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन की अवधि तक अपनी आपत्ति /सुझाव कारणों सहित नगर निगम जयपुर के आयोजना शाखा में प्रस्तुत कर सकते है।

यज्ञ मित्र सिंह देव (IAS) आयुक्त नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड -भिवाडी

क्रमांक-2142 दिनांक-16.03.2022

आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 2/10 पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्रीमति रजनी भण्डारी को आवांटन पत्रांक 4316 दिनांक 22.11.1988 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास को बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा अन्तिम क्रेता श्री रामकिशोर सिंघला के पक्ष में नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र संख्या 5315 दिनांक 30.03.2000 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 31.03.2000 को उप पंजीयक टपूकड़ा में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री रामकिशोर सिंघला की मृत्यु दिनांक 07.12.2017 को हो चुकी है। श्री शैलेश भारती सिंघल ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं श्री रामकिशोर [illegible] संख्या 2/10 पुरानी कॉलोनी, भिवाडी के संबंध में पिता, पुत्र, पुत्रियॉं, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विषेश या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री शैलेश भारती सिंघल पुत्र स्व. श्री रामकिशोर सिंघला के पक्ष में उपरोक्त आवास संख्या 2/10 उच्च आय वर्ग भिवाडी जिला अलवर का पंजीकृत हकत्याग के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।

(पी.एल.मीणा) आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड -भिवाडी

क्रमांक-2096 दिनांक-10.03.2022

आवश्यक सूचना हर आम एवं खास को इस पंजीकरण वर्ष 2006 में हित रखने वाले व्यक्ति विशेष को सूचित किया जाता हैकि मूल आवंटी श्री रणजीत सिंह ने राशि 60000/- रुपये जमा करवाकर उच्च आय वर्ग में आवास आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया गया था।जिन्हे आवास संख्या 5/124 अरावली विहार, भिवाडी में आवंटन पत्रांक 1827 दिनांक 10.09.2010 [illegible] पुत्रियां, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विषेश या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती मनोरमा शेखावत पत्नी श्री अनिल शेखावत के पक्ष में नोटेरी से पंजीकृत वसीयत के आधार पर उपरोक्त मकान संख्या 5/124 अरावली विहार, भिवाडी जिला अलवर का मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।

आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी

डॉ. ओमप्रकाश को विदाई दी

जयपुर (कासं)। कृषि आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश का गृह राज्य में पांच साल का डेपुटेशन समाप्त होने पर बुधवार को यहां पंत कृषि भवन में समारोहपूर्वक विदाई दी। मंत्री लालचन्द कटारिया एवं कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने डॉ. ओमप्रकाश को साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि डॉ. ओमप्रकाश ने कृषि आयुक्त के रूप में करीब पौने 3 साल सराहनीय सेवाएं दी। इनकी प्रभावी कार्यप्रणाली की वजह से किसानों को समय पर फसल बीमा योजना का क्लेम देने, टिड्डी का सफलतापूर्वक प्रबंधन, कोविड काल में लाखों घंटे फ्री रेंटल ट्रेक्टर सेवा, खाद-बीज का बेहतर प्रबंधन और राज किसान साथी पोर्टल से विभिन्न अनुदानित योजनाओं का काश्तकारों को त्वरित लाभ पहुंचाने में सफल हो सके। इस अवसर पर उद्यानिकी विभाग के आयुक्त मेघराज सिंह रत्नू, बीज निगम के प्रबंध निदेशक जसवंत सिंह, कृषि विभाग के संयुक्त शासन सचिव डॉ. एसपी सिंह एवं कृषि मंत्री के विशिष्ट सहायक विभू कौशिक सहित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

निलंबित जज गुलिया सहित तीन को मिली जमानत

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 13 साल के किशोर को बहला-फुसलाकर उसके साथ कुकर्म करने के आरोपी निलंबित एडीजे जितेन्द्र गुलिया और दो अन्य आरोपियों राहुल व अंशुल को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश तीनों आरोपियों की ओर से पेश जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। आरोपी जितेंद्र गुलिया की ओर से कहा गया कि स्कूटी के पैसे बंद करने पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। उसे मामले में गिरफ्तार किए करीब पांच महीने हो चुके हैं। इसके अलावा प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। जिसकी ट्रायल पूरी होने में समय लगेगा। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं अन्य आरोपी राहुल व अंशुल ने भी आरोप पत्र पेश होने के आधार पर जमानत मांगी। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने तीनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ा-बहुत उतार चढ़ाव जारी

राज्य में बुधवार को 70 नए संक्रमित मिले, जबकि मंगलवार को 67 रोगी पाए गए थे

जयपुर (कासं)। प्रदेश में करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते बुधवार को राज्य के 18 जिलों में 70 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 15 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। हालाकि इस बीच करोना से एक मरीज की मौत हुई है।

प्रदेश में बुधवार को मामूली वृद्धि के बाद 70 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 67 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों में कुछ कमी आई है। इस दौरान जिले में 20 नए मरीज पाए मिले हैं। इसके अलावा राजसमंद में 9, जोधपुर में 8, हनुमानगढ़ और बांसवाड़ा में 5-5, गंगानगर में 4, अलवर, चूरू, उदयपुर में 3-3, नागौर में 2, बारां, बीकानेर, दौसा, जालौर, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच 15 जिलों अजमेर, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली और प्रतापगढ़ में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 152 और मरीजों के ठीक होने के साथ ही अब तक इस बीमारी से 12 लाख 72 हजार 185 लोग स्वस्थ हो चुके है। राज्य में रिकवरी रेट 99.19 फीसदी पर बनी हुई है। वहीं एक्टिव केस भी घटकर 711 रह गए हैं। इनमें 328 मामले जयपुर जिले में हैं। जबकि बूंदी, डूंगरपुर, जैसलमेर और प्रतापगढ़ में एक भी एक्टिव केस नहीं बचा है। प्रदेश में बुधवार को करोना से जयपुर में एक संक्रमित की मौत हो गई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9551 लोग अपनी जान गंवा चुके है।

- **प्रदेश के 15 जिलों में कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है।**
- **जयपुर में थोड़ी गिरावट के बाद 20 नए मरीज मिले है, हालांकि इस बीच एक संक्रमित की मौत हुई है।**

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 1081/20

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

नाम प्रार्थी 1. महेन्द्र यादव पुत्र स्व. हनुमान प्रसाद यादव, 2. अंजू यादव पत्नि स्व. हेमेन्द्र यादव, 3. सुमित यादव पुत्र स्व. हेमेन्द्र यादव जाति यादव निवास स्थान डी-91, शिवाड एरिया, कृष्णा मार्ग, बापू नगर, जयपुर

मृतक प्रेमलता यादव की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 19.03.22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम प्रेमलता यादव पत्नि हनुमान यादव जाति यादव निवासी डी-91, शिवाड एरिया, कृष्णा मार्ग, बापू नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 19 माह 03 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 5 माह 2 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थीगण ने मृतका प्रेमलता यादव के प्रा.पत्र में वर्णित शेयर्स बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।

मोहर अदालत

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैंशन न्यायालय जयपुर महानगर-प्रथम

916 2/3/22 Form No. 3 [See Regulation-15 (1) (a)] / 16(3)

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur- 302015

Case No.: OA/484/2020

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

PUNJAB NATIONAL BANK (ORIENTAL BANK OF COMMERCE) Exh. No. 4926

VS

M/S HANUMAN AGRO PRODUCTS

To, (1) CGR COLLATERAL MANAGEMENT LIMITED Registered Office At - 4th Floor, K.J. City Tower, Ashok Marg, C-Scheme, Jaipur, Rajasthan-302001

SUMMONS

WHEREAS, **OA/484/2020** was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on **14.02.2022.** WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue Summons/ Notice on the said Application under Section 19(4) of the Act, (O.A.) filed against you for Recovery of Debts of **Rs.8440152/-** (Application along with copies of documents etc. annexed). In accordance with sub-section (4) of Section 19 of the Act, you the Defendants are directed as under:- (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted; (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/ or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on **22.04.2022** at **10:30 A.M.** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date: **02.03.2022.**

Seal

Registrar, Debts Recovery Tribunal, Jaipur

26 हजार बच्चों ने लगवाई वैक्सीन

जयपुर। राज्य में बुधवार को 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू किया गया। राजधानी में आदर्श नगर स्थित हेल्थ सेंटर के अलावा जेके लोन, कावंटिया हॉस्पिटल समेत करीब एक दर्जन सेंटर्स पर इस एजग्रुप के बच्चों को वैक्सीन लगाई गई। सुबह सवेरे ही बच्चे अपने परिजनों के साथ तैयार होकर वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंचे। इस दौरान बच्चों और उनके परिजनों में वैक्सीन लगाने के प्रति क्रेज नजर आया। दिनभर चले वैक्सीनेशन कार्यक्रम के बाद बुधवार शाम तक राज्य में 26 हजार 880 बच्चों को वैक्सीन की पहली डोज लगाई गई। इस दौरान 1193 सत्र आयोजित हुए। सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा ने आदर्श नगर में वैक्सीनेशन अभियान की शुरूआत की। यहां सुबह छोटे बच्चे अपने माता-पिता और परिवार के साथ वैक्सीन लगाने पहुंचे।

नर्सिंग भर्ती के खाली पदों को नहीं भरने पर अदालत ने मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने जीएनएम भर्ती-2013 के खाली पदों को नहीं भरने पर चिकित्सा निदेशक और अतिरिक्त स्वास्थ्य निदेशक सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश पीयूष व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में कहा गया कि वर्ष 2013 की नर्सिंग भर्ती में जीएनएम के 15,773 पद थे। इन पदों में से 11,259 पदों पर ही भर्ती हुई और 4,514 पद खाली रह गए। राज्य सरकार ने इन पदों को एनआरएचएम का बताते हुए नहीं भरा, लेकिन 2018 में नई विज्ञप्ति के जरिए 6035 पदों पर वापस भर्ती निकाल दी और इन पदों पर जनवरी 2020 में भर्तियां कर ली गई। राज्य सरकार की इस कार्रवाई को प्रार्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती देते हुए कहा कि नर्सिंग भर्ती 2013 के खाली पदों को अभी तक नहीं भरा है। राज्य सरकार को सभी 15,773 पदों पर नियुक्ति की जानी चाहिए थी।

'नाम शांति लेकिन सरकार के तीन मंत्रियों को किया अशांत'

- **यूडीएच विभाग की बहस में विधायक रामलाल शर्मा ने कहा ''मंत्रियों का ऐसा इलाज जनता रखेगी याद''**
- **शर्मा ने कैबिनेट बैठक में धारीवाल की तीन मंत्रियों से हुई नोकझोंक की तरफ इशारा करते हुए यह कहा**

जयपुर, (वि.सं.)। यूडीएच की अनुदान मांगों पर बोलते हुए विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि मंत्रीजी आपका नाम शांति है, लेकिन सरकार के तीन मंत्रियों को आपने अशांत करने का काम किया। मैं तो आपका कायल हो गया, क्योंकि आपने इनका ऐसा इलाज किया कि जनता भी याद रखेगी। शर्मा ने कैबिनेट बैठक में धारीवाल की तीन मंत्रियों से हुई नोंकझोंक की तरफ इशारा करते हुए यह बात कही।

शर्मा ने कहा कि ये तीनों मंत्री जयपुर से आते हैं और इनमें से एक तो खुद को दबंग मंत्री बताते हैं। ये शक्तिमान मंत्री हर मुद्दों पर सरकार के पक्ष में मोर्चा भी लेते हैं, लेकिन आपने इनका इलाज कर दिया, जिससे मैं तो आपका कायल हो गया। अनुदान मांगों पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि आपके कार्यकाल में राजनीतिक द्वेष से काम किए जा रहे हैं और अलवर नगर परिषद किसका उदाहरण है। जहां आपकी पार्टी के सभापति को एंटी करप्शन ब्यूरो ने ट्रैप किया तो उसे पद छोड़ना पड़ा। लेकिन उपसभापति भाजपा का था, तो उसे झूठे मामले में फंसाकर सभापति का पद नहीं लेने दिया। स्थिति यह रही कि जब उपसभापति कोर्ट से इस मामले में स्टे ले आया, तब भी आज तक आपने उसे सभापति का चार्ज नहीं दिया। शर्मा ने कहा मंत्रीजी आप शांति और सौहार्द की मिसाल हैं। ऐसा करने वाले अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करें व उपसभापति को सभापति का चार्ज दें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम Bhawana Sharma पुत्री श्री घनश्याम शर्मा से बदलकर Bhawna Sharma रख लिया है भविष्य में मुझे Bhawna Sharma के नाम से जाना पहचाना जावें। पता- 41-बी, चन्द्रशेखर कॉलोनी बदनपुरा जयपुर

मैंने मेरा नाम नीलू सिंह से बदलकर तनवी रख लिया है पुत्री रणवीर सिंह भविष्य में मुझे तनवी के नाम से जाना जावे पता एन-71 हनुमान वाटिका द्वितीय टैगोर नगर जयपुर राजस्थान 302021

I have Changed my Name from Vijay Kumar Shrivastava to Vijoy Kumar Shrivastava, Therefore I will be known or Distinguished in Public by New Name of Vijoy Kumar Shrivastava Add-138-A, Nandpuri Malviya Nagar, Jaipur, Jaipur City

I have changed my name Ravi Verma to Ravi Shekhar Verma for all purposes R/o-A-92 Rajeev nagar Madan Bari Naya Khera Vidhyadhar Nagar(Raj.)

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT MURALIPURA P.S. JOBNER

S.NO. GP MURALIPURA/NIVIDA/LEKHA/2021-22/143

DATE 11.03.2022

INVITATION OF TENDER YEAR 2021-22

On behalf of Governor of Rajasthan invites open tender from eligible contractor for **CONSTRUCTION MATERIAL SUPPLY IN VARIOUS SCHEMENT AT GP MURALIPURA**

Estimated total cost of works Rs. 9.90 Lacs.

Details available on www.sppp.rajasthan.gov.in

UBIN NO. ZJP2122GSOB01841

Village development officer GP MURALIPURA

फागोत्सव कार्यक्रम में झूमे श्रद्धालु

जयपुर (कासं)। श्री दक्षिणेश्वर जय गणेश नवग्रह शिव हनुमान मन्दिर बनीपार्क में फागोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गणेश वन्दम भक्त मण्डल की ओर से सभी सदस्यों ने लोक नृत्य प्रस्तुत किया। मंडल के सदस्यों ने अतिथियों को दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। ज्ञात रहे कि गणेश वन्दम मंडल की ओर से पिछले कुछ वर्षों से लगातार फागोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

श्याम बाबा के साथ खेली फूलों की होली

जयपुर। अंजली एक्यूप्रेशर ट्रीटमेंट आर योगा सेन्टर की ओर से तत्कालेश्वर महादेव मंदिर, गोविन्द नगर पूर्व में फागोत्सव व होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। डॉ. अंजली स्वामी ने बताया कि राधा कृष्ण की रास लीला, कृष्ण सुदामा का मिलाप और खाटू श्यामजी की झांकी को गीतों के साथ दर्शाया गया। इस मौके पर पार्षद कुसुम यादव, मनोज भारद्वाज, स्नेह लता, सुरेन्द्र सिंह रॉबिन भी मौजूद थे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NOTICE

Notice is hereby given to the general public at large that the following payment receipt booklet bearing no. 7500___(having receipt nos_7491_to_7500_) issued by Satin Finserv Ltd. having its registered & Corporate Office: 4th Floor, 'B' Wing, Plot No. 492, Udyog Vihar, Phase-III, Gurugram, Haryana-122016 India__ and one of its branch at_Jaipur_is lost from our custody from our branch. General public is hereby cautioned not to deposit any amount against the above mentioned receipts and if done Satin Finserv Ltd shall not be responsible for the same.

'कोटा के विकास से कुछ लोगों के पेट में दर्द है'

जयपुर (विसं)। कैबिनेट की बैठक में तीन मंत्रियों से टकराव के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रदेश के बाकी शहरों के विकास का पैसा काटकर सब कुछ कोटा ले जाने के आरोपों का बुधवार को सदन में जवाब दिया।

शहरी विकास की अनुदान मांगों के जवाब के दौरान विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी ने चुटकी लेते हुए धारीवाल से कहा कि कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास कोटा के बारे में कुछ कह रहे थे। जिस पर धारीवाल ने जवाब दिया कि ''खाचरियावास कह रहे थे, लेकिन आज वो यहां है नहीं, यहां होते तो मैं उनकी भी गलतफहमी दूर कर देता।'' ज्ञात रहे कि शनिवार को कैबिनेट की बैठक में मंत्री धारीवाल साथी मंत्रियों लालचंद कटारिया, प्रताप सिंह और परसादीलाल मीणा से भिड़ गए थे। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा था मंत्री धारीवाल बाकी शहरों का पैसा काटकर सब कुछ कोटा ले जा रहे है।

धारीवाल ने बिना किसी का नाम लिये पलटवार करते हुए कहा कि ''कुछ लोगों को कोटा का विकास पच नहीं रहा है। कोटा में 3673 करोड़ रुपए के काम हो रहे हैं, 550 करोड़ राज्य सरकार से मिला, बाकी जितना भी पैसा है वह वह यूआईटी का इकट्ठा किया हुआ है। यह भ्रांति चारों तरफ से फैल रही है, क्योंकि जिन लोगों को कोटा का विकास समझ में नहीं आ रहा या कोटा का विकास पच नहीं रहा, उनके पेट में कहीं न कहीं दर्द है। उस दर्द को मिटाने के लिए स्पीकर सदन की एक कमेटी बना दीजिए, यह जांच करवा लें कि कोटा में जो पैसा खर्च हो रहा है वह कहां से आ रहा है? जिस पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि आप चूरू के 40 करोड़ रुपए कोटा कैसे ले गए? इस पर स्पीकर ने कहा- आपने ही दिलवाए हैं, आपके नॉलेज में है। धारीवाल ने जब स्पीकर से कमेटी बनाने का आग्रह किया तो स्पीकर जोशी ने चुटकी लेते हुए कहा कि ''मंत्रीजी! मदन दिलावर को इस कमेटी का अध्यक्ष बना दें क्या? स्पीकर के इस कमेंट पर सदन में सब हंसने लगे। दरअसल, बीजेपी विधायक मदन दिलावर कोटा की राजनीति में धारीवाल के कट्टर विरोधी है।

पत्नी ने ममेरे भाई और उसके दोस्तों से करवाई थी पति की हत्या

जयपुर (कासं)। घाटगेट कब्रिस्तान में 4 मार्च को हुई युवक की हत्या की पुलिस ने गुत्थी सुलझा ली है। युवक की हत्या उसकी पत्नी के आशिक ने ही की थी। हत्या के आरोप में पुलिस ने अमृतपुरी घाटगेट निवासी मृतक की पत्नी गुलनाज (22), गाजियाबाद निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ अज्जू, सहारनपुर निवासी धीरज कुमार उर्फ छुट्टन और लुधियाना निवासी नीतेश कुमार को गिरफ्तार किया है। एसीपी आदर्श नगर हवा सिंह ने बताया कि 4 मार्च की शाम को कब्रिस्तान में एक युवक का खून से लथपथ शव मिला था। उसके सिर पर पत्थर से वार किए गए थे। मृतक की पहचान अमृतपुरी निवासी मोहम्मद शाहरूख के रूप में हुई। मृतक के परिजन से पूछताछ की, लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लगा। उसकी पत्नी गुलनाज अत्यधिक दु:ख जता रही थी। उसके हावभाव पर संदेह हुआ। तभी पता चला कि उसने मोबाइल फोन की एक सिम तोड़कर फेंकी है और अपना वॉटसऐप अकाउंट डिलीट किया है। पुलिस ने मृतक शाहरूख की पत्नी के फोन की कॉल डिटेल खंगाली तो वारदात का खुलासा हो सका।

तनिष्क वर्ल्ड स्कूल के संचालक ने 10वीं की छात्रा से दुष्कर्म किया

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में जगन्नाथपुरा की तनिष्क वर्ल्ड स्कूल के संचालक ने दसवीं की छात्रा के साथ कार्यालय में दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया, जिससे वह गर्भवती हो गई। मामला पुलिस तक पहुंचा तो तुरंत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीपी हरी शंकर ने बताया गिरफ्तार आरोपित पुरुषोत्तम इलाके स्थित जगन्नाथपुरा का रहने वाला है। आरोपित का इलाके में एक स्कूल संचालित है। घटनाक्रम के मुताबिक करीब दो माह पहले 15 वर्षीया दसवीं कक्षा की छात्रा को आरोपी ने अपने कार्यालय में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बारे में किसी को बताने पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता गुमसुम रहने लगी। कुछ दिन पहले उसकी मां को गर्भवती होने का पता चला तो उसने अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

क्र:DHC-II/ 3428 **जाहिर आम सूचना** दि. 16.03.22

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 31/44/03, मानसरोवर, जयपुरक्षेत्रफल 41.060 वर्ग मीटर/व.गज. का आवंटन श्री अमरनाथ बाजपई पुत्र श्री बृजेन्द्र नाथ को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 214 दिनांक 06.11.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 11.01.1988 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1326 दिनांक 12.06.2013 द्वारा श्री प्रदीप शर्मा पुत्र श्री धनीराम शर्मा के नाम नियमिती करण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर में दिनांक 26.07.2013 को करवाया गया। श्री प्रदीप [illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

क्र:DHC-II/ 3445 **जाहिर आम सूचना** दि. 16.03.22

[illegible]

सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका रीगंस जिला-सीकर राज.

Email: ringas.jaipur@gmail.com

क्रमांक- न.पा.रींगस/2021-22/3777 दिनांक-16.3.22

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका कार्यालय में आवासीय एवं व्यवसायिक कृषि भूमि नियमन हेतु निम्न आवेदन प्राप्त हुये है-

क्र.सं.	नाम आवेदन	भूमि खसरा नम्बर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
01	धापा देवी पत्नी केदारमल अग्रवाल निवासी वार्ड नं. 26 रींगस	4485	148 वर्गगज	आवासीय

अतः यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें, निर्धारित समयावधि 07 दिवस पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा कार्यालय द्वारा आवेदकों के आवेदन अनुसार प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही कर प्रकरण का निस्तारण किया जावेगा।

(सीताराम कुमावत) अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका रींगस

SBI भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, तृतीय मंजिल, मैट्रिक्स मॉल सेक्टर-4, जवाहरनगर, जयपुर (राजस्थान)- 302004 ई-मेल: sbi.18184@sbi.co.in, शाखा कोड: 18184 फोन: 0141-2657811, 2657921, 2657926, 2657989

परिशिष्ट-IV-क {नियम 8(6), 9(1) का परन्तुक देखें}

अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6), 9(1) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति- ऋणी/जमानती को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का वास्तविक कब्जा **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, को **''जहां है'', ''जैसी है'', ''जो कुछ भी है'' तथा ''दायित्वरहित''** के आधार पर **दिनांक 05.04.2022** को विक्रय किया जायेगा। प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि **रू. 20,36,061.11 अक्षरे बीस लाख छत्तीस हजार इकसठ रूपये व ग्यारह पैसे मात्र (दिनांक 18.12.2019 को बकाया दिनांक 18.02.2019 तक का ब्याज शामिल करते हुए)** तथा इसके आगे का ब्याज एवं अन्य देय खर्चे अतिरिक्त। जो कि **मैसर्स-संजीव टेक्सटाईल, प्रोपराईटर श्री गुलाब चन्द संचेती-ऋणी एवं श्री अशोक कुमार संचेती पुत्र श्री गुलाब चन्द संचेती** - जमानती से संबंधित है। उक्त खाते में आरक्षित मूल्य व धरोहर राशि निम्नलिखित है। अग्रिम राशि बैंक/एमएसटीसी के वैबसाइट पर दी गई प्रक्रिया अनुसार **दिनांक 04.04.2022** से पूर्व तक कराई जा सकती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण	1. आरक्षित मूल्य 2. धरोहर राशि
श्री अशोक कुमार संचेती पुत्र स्व. श्री गुलाब चंद संचेती के नाम दुकान नं. 307, द्वितीय तल, लाल गेट स्कीम, यूआईटी कॉम्पलेक्स, होप सर्किल के पास, अलवर, जिला-अलवर (राजस्थान) स्थित भूमि व निर्मित भवन, जिसका क्षेत्रफल बैंक रिकॉर्ड के अनुसार 13.45 वर्ग मीटर हैं। **जिसकी सीमाएं निम्न है-** पूर्व में: दुकान नं. 308, पश्चिम में: दुकान नं. 302, उत्तर में: 7-9'' चौडा गलीयारा, दक्षिण में: रोड़ व भूतल	1. रू. 7.02 लाख 2. रू.0.72 लाख

अन्य भार - ज्ञात नहीं।

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा (एसएआरबी), जयपुर (राज.) प्रतिभूत लेनदार की वेबसाईट अर्थात https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news/auction-notices/sarfaesi-and-others, https:// ibapi.in/sale_Info_home.aspx व https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/ index.jsp देखें।

हस्ता. प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक

तारीख: 16.03.2022

स्थान : जयपुर (राज.)

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 222 प्रभात जयपुर, गुरुवार 17 मार्च, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The JLF That Wasn't... Whatever said and done, the vitality, the vigour and winter were missing despite the tents and the desperate attempts. The hard work of the organizers, JLF wasn't really JLF this time!

Rang Rajasthan

INSIGHT: Holiya Me Ude Re Gulal

गहलोत के प्रयास पूर्णतया विफल हुए

जी-23 नेताओं ने गुलाम नबी के निवास पर बैठक कर, कई प्रस्ताव फाइनल किये, सोनिया गांधी के समक्ष बातचीत के लिये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। अशोक गहलोत की मध्यस्थता की कोशिशें तथा गांधी परिवार की आलोचना को रोकने की कोशिशें पूरी तरह विफल हो गईं क्योंकि जी-23, जो वरिष्ठ नेताओं का एक अनौपचारिक ग्रुप हैं, की आज शाम मीटिंग हुई, ताकि गांधी परिवार पर दबाव डाला जा सके कि वह अब जाग जाये तथा उन चुनावी नुकसानों का उपचार करे, जिन्होंने पार्टी को हिला कर रख दिया हैं।

मीटिंग में एक बयान जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि वे लोग हाल ही के चुनावों के परिणामों से चिन्तित हैं तथा चाहते हैं कि निर्णय लेने के मामले में सामूहिक तथा समावेशी संवाद होना चाहिये। बयान में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है और न गांधी-परिवार पर कोई हमला ही किया गया है। लेकिन यह पहला अवसर है, जब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता, जो जी-23 में भी शामिल हैं, ने सार्वजनिक रूप से कहा कि गांधी परिवार इस्तीफा दे और किसी अन्य नेता के लिये रास्ता साफ करे।

- जी-23 नेताओं ने एक प्रस्ताव भी पारित किया तथा एक सामूहिक व इन्क्लूसिव बातचीत का तरीका अपनाने की बात कही, कोई निर्णय लेने से पहले।
- प्रस्ताव में नेतृत्व परिवर्तन का कोई जिक्र नहीं है।
- पर यह भी सच है कि कपिल सिब्बल ने जरूर यह कहा कि, गांधी परिवार को स्वयं ही इस्तीफा दे देना चाहिये, जिससे नया नेतृत्व उभर कर आये।
- जी-23 की बैठक में शशि थरूर, कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, मनीष तिवाड़ी, पृथ्वीराज चौहान, भूपेन्द्र सिंह हूडा, परनीत कौर, मणिशंकर अय्यर, वघेला व संदीप दीक्षित भी उपस्थित थे।
- यह संख्या, लगता है और बढ़ेगी, पर गांधी परिवार के युवा, जी-23 के इन सुझावों को सुनने को तैयार हैं क्या।

कपिल सिब्बल ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व एक काल्पनिक दुनिया में जी रहा है तथा समय आ गया है कि नेतृत्व किसी अन्य व्यक्ति को पार्टी-नेतृत्व सौंप दे।

इस बयान ने पार्टी में मानो खलबली मचा दी है। जबकि गांधी परिवार को ऐसा लग रहा था कि वह इस ताजातरीन संकट पर बिना किसी खास नुकसान के पार पा लेगा।

ऐसी संभावना है कि गुलाम नबी आज़ाद सोनिया गांधी तथा शायद गांधी भाई-बहिन से मिलें तथा उन प्रस्तावों

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राष्ट्रपति के चुनाव पर भी दो-दो हाथ करेंगी ममता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। राज्य विधानसभा चुनावों, जिनमें राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण राजनैतिक हस्ती के रूप में उभरने की ममता बनर्जी की महत्वाकांक्षा मिट्टी में मिल गई है, में मिली घोर पराजय के बाद, अब वे भाजपा को एक नई चुनौती दे रही हैं।

ममता ने कहा है कि अब राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर टक्कर होगी, जो इस वर्ष के अन्त में ही होने चाहिये।

- ममता का सोच है, राष्ट्रपति का चुनाव आसान नहीं होगा भाजपा के लिये, क्योंकि देश में आधे विधायक नहीं हैं भाजपा के साथ।

ममता ने आज मीडिया से बात करते हुये इस संबंध में अपने विचार बताये तथा कहा कि भाजपा युद्ध के इस राउन्ड को जीतने की स्थिति में नहीं है।

भारत के राष्ट्राध्यक्ष (राष्ट्रपति) का चुनाव अप्रत्यक्ष विधि से होता है। इसके अन्तर्गत, संसद सदस्यों, मतदाता मंडल (इलैक्टोरल कॉलेज) इस सर्वोच्च पद के लिये अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट देता है। इसके बाद, अपने पसंदीदा प्रत्याशी को चुनने के

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अवकाश की सूचना

होली पर्व के अवसर पर दैनिक राष्ट्रदूत कार्यालय में दिनांक 17 व 18 मार्च को अवकाश रहेगा। अतः दैनिक राष्ट्रदूत का अगला अंक 20 मार्च को प्रकाशित होगा।

-प्रबंध सम्पादक

राजस्थान में फिर जगी नए जिलों के गठन की आशा

मुख्यमंत्री ने बनाई उच्च स्तरीय कमेटी, छः महीने में देगी रिपोर्ट

जयपुर, 16 मार्च (का.प्र.)। प्रदेश के कई क्षेत्रों से लंबे समय से अलग-अलग जिलों के गठन की मांग उठती रही है। नीम का थाना, कोटपूतली, शाहपुरा, बालोतरा, डीडवाना, फलोदी, ब्यावर सहित करीब एक दर्जन ऐसे क्षेत्र हैं, जिन्हें जिला बनाने की मांग की जाती रही है और उसको लेकर आंदोलन होते रहे हैं।

संभावना जताई जा रही थी कि इस बार के बजट में राजस्थान में नए जिलों के गठन की घोषणा होगी लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक भी नया जिला बनाने की घोषणा नहीं की। ऐसे में विधायकों की नाराजगी भी सामने आई और पचपदरा विधायक मदन प्रजापत ने तो पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार बालोतरा को जिला नहीं बनाए जाने तक जूते नहीं पहनने की कसम खा ली।

अब बजट सत्र चल रहा है तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर राजस्थान में नए जिलों के गठन की आशा जगाई है। नए जिलों के गठन के उद्देश्य के लिए मुख्यमंत्री गहलोत ने उच्च स्तरीय समिति का गठन करने की घोषणा की। यह कमेटी छह माह में अपनी रिपोर्ट तैयार करके मुख्यमंत्री को सौंपेंगी।

गहलोत ने प्रदेश में नए जिलों के गठन और इनकी आवश्यकता का आंकलन करने के संबंध में जिस उच्च स्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दी है, उसके अध्यक्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी रामलुभाया होंगे। प्रमुख शासन सचिव (राजस्व विभाग) समिति के सदस्य सचिव होंगे। प्रमुख शासन सचिव (ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज), प्रमुख शासन सचिव (वित्त) और उनके प्रतिनिधि, जो विशिष्ट शासन सचिव स्तर से नीचे के न हों तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) की ओर से मनोनीत प्रतिनिधि, जो विशिष्ट शासन सचिव स्तर से नीचे न हों, समिति में सदस्य के रूप में सम्मिलित किए गए हैं।

यह समिति विधायकों, जनप्रतिनिधियों सहित आमजन से समय-समय पर प्राप्त होने वाले ज्ञापनों और मांग पत्रों पर विचार कर नए जिलों की आवश्यकता का आंकलन कर 6 माह में रिपोर्ट देगी।

हिजाब

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं की शीघ्र सुनवाई से बुधवार को इंकार कर दिया जिसमें राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं में हिजाब पहनने पर रोक का समर्थन किया गया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने अविलम्ब, तुरन्त सुनवाई की मांग स्वीकार नहीं की।

वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने इस प्रकरण को मुख्य न्यायाधीश एन.वी.

(शेष पृष्ठ 7 पर)

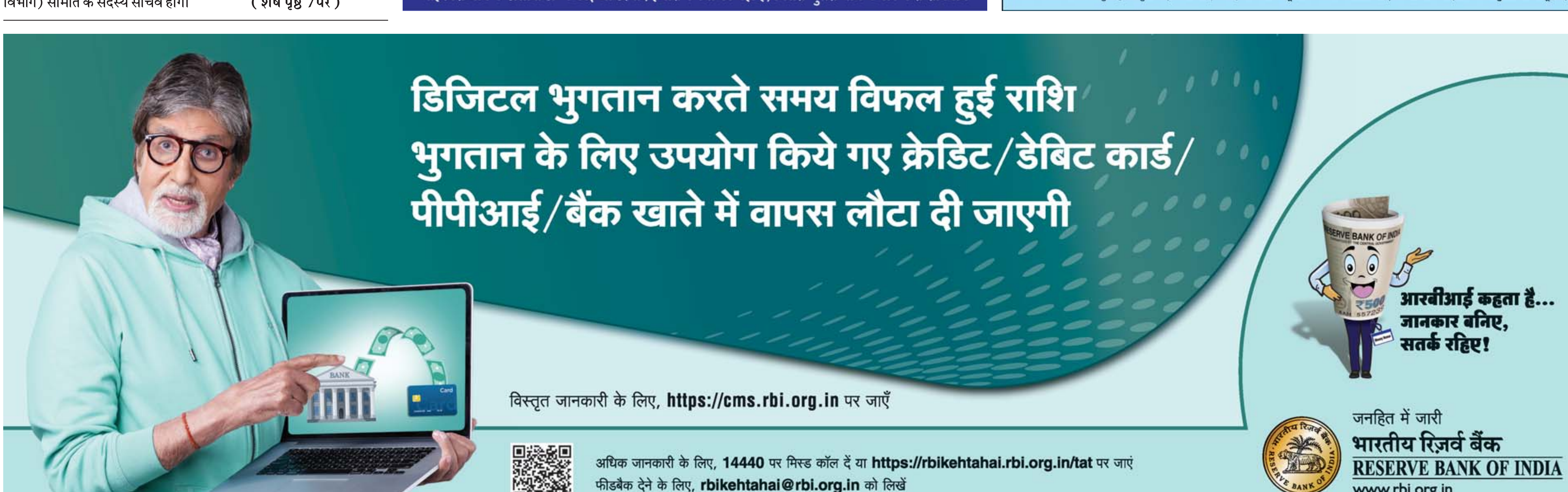

रंग, उमंग, हास-परिहास और उल्लास का पर्व होली मुख्य रूप से रंगों का त्योहार है। इस दिन लोग एकजुट होकर खुशियां मनाते हैं और एक दूसरे को प्यार और स्नेह के रंगों में डुबोकर अपना उल्लास जाहिर करते हैं। हास-परिहास होली की आत्मा है। हँसना आदमी की सेहत के लिए लाभप्रद माना गया है। रंगों के त्योहार होली का सबको आतुरता से इंतजार रहता है। फाल्गुन महीना मौज़ मस्ती, उत्साह, मन की चंचलता से भरा होता है।

फागुन का महीना आते ही जैसे समूचा वातावरण रंगीन हो जाता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। होली का नाम सुनते ही हमारी रग रग फड़कने लग जाती है। यह एक ऐसा अनूठा पर्व है जब लोग अपने गिले-शिकवे ख़त्म कर पुराने दुश्मन को भी गले लगा लेते हैं। होली उन लोगों को भी हंसी-ठिठोली करने पर मजबूर कर देती है, जो धीर - गंभीर भाव-भंगिमा में रहते हैं। इस दिन बच्चे से बुजुर्ग तक सभी उम्र के लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल आदि से होली खेलते हैं। ढोल मजीरे बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को गुलाल व रंग लगाया जाता है। सचमुच होली में रंग है, प्यार है, उमंग है तरंग, आनंद और उल्लास है। यह त्योहार जाति-भेद, छोटा-बड़ा अमीरी-गरीबी से ऊपर उठकर मित्रता और भाई-चारे का सन्देश देता है।

इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। होली का यह रंग बिरंगा त्योहार मुख्य रूप से दो दिन मनाया जाता है। पहले दिन होलिका दहन होती है। दूसरे दिन धुलेंडी मनाते है। इस दिन एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल लगाते हैं। साथ ही ढोल बजा कर होली के गीत गाते हैं। देश हमारा इतना रंगीला है कि इसका हर रंग पूरी दुनिया पर चढ़ गया है। बहुत से स्थानों पर लोग ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। धुलेंडी के दिन एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं।

बच्चे और युवा अपने बड़ों के पांव छूते है। एक दूसरे के गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं। रंगों के त्योहार होली पर हास्य-व्यंग्य का तड़का लग जाए तो यकीनन मजा दोगुना हो जाता है। होली पर व्यंग्य लेखन की परंपरा बहुत पुरानी रही है। हास्य गीतों और व्यंग्य की बौछारों के बिना होली अधूरी सी लगती है। बुरा न मानो होली है के भाव के साथ होली पर रंगों की बौछारों के साथ हास्य व्यंग्य के शब्द बाण भी छोड़े जाते हैं। हास्य व्यंग्य साहित्य की एक विधा है जो उपहास, मजाक और ताने का मिलाजुला स्वरुप है। मजाक एक परंपरा की तरह होली के पावन त्योहार का हिस्सा है। व्यंग्य विचार से पैदा भी होता है और अभिव्यक्ति से सामना कराता है। व्यंग्य विषंगति, झूठ और पाखंड का भड़ाफोड़ कर सत्य का अपने ढंग से साक्षात् कराता है। व्यंग्य फब्तियां कसती हैं जो हंसाती,गुदगुदाती और तिलमिलाती हैं। यह मस्ती और मजाक से भरा हुआ बांका पर्व है।

आज के दिन हर कोई अपने-अपने अंदाज में होली के रंगों में सराबोर है। होली की उपाधियों का एक अलग सा आनंद है। होली पर उपाधियों की पुरानी परम्परा है। उपाधियां हास-परिहास का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर शासक से सेवक तक मजेदार उपाधियां प्रदान की जाती है और कोई भी इन उपाधियों का बुरा नहीं मानता है। हालांकि कोरोना ने होली का परम्परागत उत्साह हम से छीन लिया है। फिर भी समय बड़ा बलवान है। कोरोना के माहौल के बावजूद होली का उत्साह किसी भी तरह कम नहीं होगा। हँसी ठिठोली न हो तो रिश्तों के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। होली सिर्फ रंगों से नहीं बनती, उसमें हुड़दंग का तड़का भी ज़रूरी है।

बाल मुकुंद ओझा

होली परिशिष्ट के अतिथि संपादक वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राष्ट्रदूत होली उपाधियां बाँटने के लिए अपनी तीखी नजर और पैनी कलम के लिए पहले से ही ख्यात हैं। राष्ट्रदूत किसी का दिल नहीं दुखाता मगर हर एक को खुश भी नहीं रख सकता। राष्ट्रदूत परिवार अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए एक बार फिर हास्य - व्यंग्य की फुव्वारों के साथ उपाधियों का पिटारा लेकर आपके समक्ष उपस्थित हुआ है। होली पर हंसाने और गुदगुदाने की गारंटी हैं ये उपाधियाँ। ऐसी उपाधियां जिससे लोगों को बुरा न लगे और उनकी बात सामने वाले तक भी पहुंच जाए। इसलिए कहा जाता है, बुरा न मानो होली है।
आशा है की सदा की भांति आप इस रंगोत्सव की गरिमा के अनुरूप हास-परिहास से भरी चुटीली उपाधियों को सहृदयता से स्वीकार करेंगे।

राष्ट्रदूत परिवार की ओर से आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

गुरुवार, 17 मार्च : होलिका दहन मुहूर्त

रात्रि 09 : 02 से 10:14, अवधि - 01 घण्टा 12 मिनट्स
पूर्णिमा तिथि आरंभ - दिन में 1: 29 (17 मार्च)
पूर्णिमा तिथि समाप्त - दिन में 12: 46 (18 मार्च)

शुक्रवार, 18 मार्च : रंगवाली होली

भद्रा पूंछ - रात्रि 09 : 03 से 10:13, भद्रा मुख - रात्रि 10 :13 से 0 : 09

सियासत के सूरमा

कलराज मिश्र - सीधी सट्ट
अशोक गहलोत - बेताल पच्चीसी
डॉ. सीपी जोशी - इस हाथ दे उस हाथ ले
शांति धारीवाल - रणनीतिकार
डॉ बीडी कल्ला - दूध का जला
महेश जोशी - पूत कपूत तो क्यों धन संचय
प्रताप सिंह खाचरियावास - ज्यों ज्यों भीगे काम्बली, त्यों त्यों भारी होय
उदयलाल आंजना - दूर के ढोल सुहावने
लालचंद कटारिया - घाट घाट का पानी
हेमाराम चौधरी - नया नौ दिन, पुराना सौ दिन
रमेश मीणा - अपनी करनी-पार उतरनी
राजेंद्र यादव - मुंह चिकना, पेट खाली
शकुंतला रावत - अंटी में न धेला, देखन चली मेला
टीकाराम जूली - गुड़ खाये गुलगुलों से परहेज
जाहिदा खान - बीती ताहि बिसारि दे
विश्वेंद्र सिंह - अफलातून का नाती
भजन लाल जाटव - नौ की लकड़ी, नब्बे खर्च
सुखराम बिश्नोई - आसमान से गिरा खजूर पर अटका
ममता भूपेश - अपना रख, पराया चख
मुरारी लाल मीणा - दिन दूनी रात चौगुनी
परसादी लाल मीणा - अंधेर नगरी चौपट राजा
सालेह मोहम्मद - बने के सब यार हैं
सुभाष गर्ग - आंख्या देखी परसराम, कदे न झूठी होय
प्रमोद भाया - बैठे से बेगार भली
राजेंद्र सिंह गुढ़ा - अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता
अर्जुन बामणिया - चिकना घड़ा
महेंद्रजीत सिंह मालवीय - नाम बड़े और दर्शन छोटे
रामलाल जाट - बद अच्छा बदनाम बुरा
अशोक चांदना - अंधा बांटे रेवड़ी, फिर अपने देय
भंवर सिंह भाटी - न ऊधौ का लेना, न माधो का देना
गोविंद राम मेघवाल - थोथा चना, बाजे घना

कांग्रेस

अजय माकन - मान न मान, मैं तेरा मेहमान
सचिन पायलट - एक और एक ग्यारह
गोविंद डोटासरा - ज्यादा जोगी, मठ उजाड़
हरीश चौधरी - अंडे सेवे कोई, लेवे कोई
रघु शर्मा - अब ताणी तो बेटी बाप कै ही है
महेंद्र चौधरी - मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक
रामेश्वर डूडी - दान की बछिया के दांत नहीं गिनते
डॉ चंद्रभान - घी का लडडू टेढ़ा ही भला
ब्रजकिशोर शर्मा - गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास
डॉ राजकुमार शर्मा - दूर के ढोल सुहावने
डॉ जितेंद्र सिंह - आँ तिलां में तेल कोनी
राजेंद्र पारीक - मैं भी हूं
दीपेंद्र सिंह शेखावत - आटे के साथ घुन की पिसाई
इंद्राज गुर्जर - एक घर तो डाकण भी टाले है
अमीन कागज़ी - सूरदास की काली कमरी, चढ़े न दूजो रंग
रफीक खान - नाच ना जाने आंगन टेढ़ा
वेद प्रकाश सोलंकी - बासी बचे, न कुत्ता खाये
खिलाड़ी लाल बैरवा - खिसियानी बिल्ली
गिर्राज सिंह मलिंगा - अपनी डफली अपना राग
जीआर खटाना - खोदा पहाड़ निकली चुहिया
दानिश अबरार - आदै पाणी न्याव होय
अमीन खान - घर का जोगी जोगना
मदन प्रजापत - गरीब की जोरू सब की भौजाई
जोगेंद्र सिंह अवाना - ऊंची दुकान फीके पकवान
महादेव सिंह खंडेला - चलती का नाम गाड़ी
बाबूलाल नागर - जैसी करनी वैसी भरनी
कृष्णा पूनिया - आम के आम गुठलियों के दाम
राकेश पारीक - अंधा क्या चाहे बस दो आंखें
राजेंद्र चौधरी - एकली लकड़ी जळ कोनी
प्रशांत सहदेव शर्मा - आंधी के आम
अश्क अली टाक - कंगाली में आटा गीला
ज्योति खंडेलवाल - अभागियो टाबर त्युंहार नै रूसे
अर्चना शर्मा - एक तो गिलोय वह भी नीम चढ़ी
गोपाल सिंह इडवा - अपनी पगड़ी अपने हाथ
संयम लोढ़ा - दाल-भात में मूसलचंद
परसराम मोरदिया - दो लड़े, तीसरा ले उड़े

भाजपा

वसुंधरा राजे - लड़ाई आर पार की
गुलाबचंद कटारिया - जुबान संभाल कर
अरुण सिंह - गुटबंदी खाये जा रही है
सतीश पूनिया - लक्ष्य की ओर
राजेन्द्र राठौड़ - तीर निशाने पर
चंद्रशेखर - कारपोरेट कल्चर वाले भाईसाहब
कालीचरण सराफ - मंदी की मार
अशोक परनामी - बुझती अगरबत्ती
माधोराम चौधरी - नागौरी मेथी
किरोड़ीलाल मीना - खूंटा गाड़ दिया
घनश्याम तिवाड़ी - माया मिली ना राम
अशोक लाहोटी - पैसे की माया
राजपाल शेखावत - दूसरे के सहारे कश्ती
अशोक सैनी - सूनी पंचायती
दीया कुमारी - सोने की चिड़िया
महेंद्र यादव - बाबा की माया
मोहनलाल गुप्ता - साइलेंट मोड
अरूण चतुर्वेदी - राम भरोसे
अलका गुर्जर - बीजेपी की सोनिया गांधी
श्रवण बगड़ी - नौसिखिया नेता
जितेन्द्र गोठवाल - मॉनिटर का जुगाड़ या काम चलाऊ नेता
नरपतसिंह राजवी - राजनीतिज्ञ
राघव शर्मा - कन्फ्यूज मैन
मुकेश दाधिच - मधुर मुस्कान
भजनलाल शर्मा - कार्यालय बाबू
राजकुमार भूतड़ा - सोने का अंडा
रामलाल शर्मा - बालाजी का वीर
राज्यवर्द्धन राठौड़ - दमादम मस्त कलंदर
ओम माथुर - तीसरी आंख
रामचरण बोहरा - चलता फिरता

शासन के तीरंदाज

उषा शर्मा - ना काऊ से दोस्ती ना काऊ से बैर
रविशंकर श्रीवास्तव - पाँव में पड़ गये छाले
वीनू गुप्ता - अभी लाइन में है
सुबोध अग्रवाल - कभी तो सुबह होगी
पवन कुमार गोयल - हथेली में रेखा ही नहीं थी
आर. वैंकटश्वरन - खुशी खुशी कर दो विदा
सुधांश पन्त - हम तो चले परदेश
अभय कुमार - विवादों से दूर
अखिल अरोड़ा - अब निशाने पर
अपर्णा अरोड़ा - भले घर की बहू
शिखर अग्रवाल - हिम्मत नहीं हारी
संदीप वर्मा - विभाग तो चलेगा ही
कुलदीप रांका - तलवार म्यान में ही रखते है
श्रेया गुहा - जंगल में मोर नाचा
आनन्द कुमार - घपलों से दूर
प्रवीण गुप्ता - कसूर क्या है
भास्कर सांवत - समय के साथ
अश्वनी कुमार भगत - धीमी चाल
कुन्जी लाल मीना - जैसा देश वैसा भेष
अजिताभ शर्मा - धोखा खा गये
आलोक गुप्ता - सबकी पंसद
दिनेश कुमार - भेदभाव से दूर
राजेश यादव - रूतबा कायम है
हेमन्त कुमार गेरा - चर्चाओं से दूर
नवीन महाजन - कोई गम नहीं
गायत्री राठौड़ - पर्यटक
वैभव गेलरिया - दवा असली है
टी. रविकान्त - मेहनती उद्योगपति
सुबीर कुमार - राज के ठाठ
भवानी सिंह देथा - अपनी मस्ती में मस्त
विकास भाले - देवताओं की शरण में
मुग्धा सिन्हा - स्पष्टवादित
नवीन जैन - दबंग
कृष्ण कान्त पाठक - बेदाग
आशुतोष पेडनेकर - होशियारी
पृथ्वीराज - अब कोई व्यवधान नहीं
भानू प्रकाश - परिश्रम नहीं होता है
डॉ. वीना प्रधान - मेरा क्या होगा
रवि जैन - कुछ नहीं है
समित शर्मा - पाबन्द करो
अरूणा राजोरिया - इन्श्योरेंस कब तक
डॉ. आयुषी अजय मलिक - बहादुर पशु पालक
जोगाराम - दीन दुखियों का सहारा
पी.सी किशन - नजर नहीं आते
कैलाश चन्द मीणा - क्या क्या याद करू
गजानन्द शर्मा - मेरा क्या दोष है
सुरेश चन्द गुप्ता - समझदारी
विनीता श्रीवास्तव - अजमेर कब भेजोगे
जितेन्द्र कुमार उपाध्याय - मेवाड़ की यादे
गौरव गोयल - हुक्म हाजिर हूं
आरती डोगरा - निकटता से दूर
वी. सरवन कुमार - छुट गई गाड़ी
उर्मिला राजोरिया - सभ्यता की सूरत
सुधीर कुमार शर्मा - वित्त विशेषज्ञ
नरेश ठकराल - दो दूनी रात चोगनी
बाबूलाल मीना - जो ईश्वर की इच्छा हो
विष्णु चरण मलिक - काम में दम है
शुचि त्यागी - शिक्षा से पीछा छूटेगा
कैलाश बैरवा - मुझे मौका दो
सावरमल वर्मा - घूम फिर कर आ जाते है
महेश चन्द शर्मा - भूल बिसरे गीत
निर्मला मीना - आ गई चक्कर में
पवन अरोड़ा - वक्त का राजा
मुक्तानन्द अग्रवाल - जय सहकार
राजन विशाल - फिर मैदान में
महेन्द्र सोनी - निष्ठा का जवाब नहीं
विजय पाल सिंह - चलती का नाम गाड़ी
शैली कृष्णानी - धीरे-धीरे
सुषमा अरोड़ा - प्यारी बहना
उज्जवल राठौड़ - विश्वास की मिसाल
उमरदीन खान - कलक्टरी छूट गई
अन्तर सिंह नेहरा - बढ़ते कदम
गघेन्द्र भान चतुर्वेदी - अकेला चलो
परमेश्वर लाल - किसे धोक लगाऊं
महावीर प्रसाद वर्मा - कौन पूछता है
विश्राम मीणा - कब तक विश्राम करू
प्रकाश राज पुरोहित - पांचों पानी में
जितेन्द्र कुमार सोनी - चिड़ी बाज
इन्द्रजीत सिंह - स्मार्ट
नेहा गिरी - भोली भाली
विश्वमोहन शर्मा - स्वच्छता की निशानी
ओम प्रकाश बुनकर - काम से काम
कन्हैयालाल स्वामी - जमीन का नाप जोख
महेन्द्र कुमार पारख - विभाग चलता है
हृद्रेश कुमार शर्मा - गर्दिश से पीछा छूटा
नलनी कठोतिया - संजीदा
सोहनलाल शर्मा - महाज्ञानी
मेघराज सिंह रत्नु - सदाबहार
अनुप्रेरणा सिंह कुन्तल - बकाया भुगतान
राजेन्द्र विजय - अपना सटलमेन्ट तो करें
शक्ति सिंह राठौड़ - सभ्य आदमी
निकेत शिवप्रसाद मदान - शान्ति में विश्वास
संदेश नायक - अब करके दिखाऊगां
शिवागी स्र्वणकार - पल में तोला पल में मासा
अनुपमा जोरवाल - गरीबों की दवाई
प्रेमसुख विश्नोई - अधूरी जांच
अमित कु. अग्रवाल - उपभोक्ता के पैर में
आशीष गुप्ता - जमीन हरी भरी करेंगें
महावीर प्रसाद मीणा - सपना जेडीए का
डॉ. रश्मि शर्मा - पुराना घराना
इकबाल खान - बेफिक्र
कल्पना अग्रवाल - आरटीओ ठीक था
सुनील शर्मा - कानून बाज
पुष्पा सत्यानी - मौका दो
निशान्त जैन - पर्यटन के अवसर
सीताराम जाट - किसी का भला नहीं
अमित यादव - आप समझे नहीं
अवधेश मीणा - कुछ करके दिखाऊंगा
महेन्द्र खडगावत - जमीन का आदमी

खाकी

एमएल लाठर - कैप्टन कूल
उमेश मिश्रा - जग्गा जासूस
यू.आर. साहू - ठंडा बस्ता
भूपेन्द्र दक - जेल की दीवार
राजीव शर्मा - ट्रेनिंग सेंटर
हवा सिंह घुमरिया - पुराना चावल
रवि प्रकाश महेरड़ा - सरदर्दी
संजय अग्रवाल - रेल का सिपाही
वीके सिंह - गाड़ी घोड़ा
अशोक राठौड़ - रीट परीक्षा
बीएल सोनी - बाज का पंजा
दिनेश एम एन - टाइगर
आनंद श्रीवास्तव - फेविकॉल का जोड़
अजय पाल लाम्बा - दंगा-फंसाद
हैदरअली जैदी - नाकाबंदी
वंदिता राणा - अवैध तस्करी
सुनीता मीणा - नारी सुरक्षा
प्रहलाद कृष्णियां - नए खुलासे
रिचा तोमर - ताबातोड़ कार्रवाई
परिस देशमुख - परकोटा
मृदुल कच्छावा - नया शिकारी
मनीष अग्रवाल - ग्रामीण पुलिस
श्वेता धनकड़ - ट्रेफिक लाइट
मामन सिंह यादव - मैट्रो स्टेशन

चीरफाड़

डॉ. सुधीर भंडारी - वीआईपी इलाज
डॉ. विनय मल्होत्रा - मौके पर चौका
डॉ. राजेश शर्मा - हारी बाजी
डॉ. प्रदीप शर्मा - टूटा दांत
डॉ. संदीप जसूसा - कैंसर की गांठ
डॉ. राजीव बगरहट्टा - दिल की रफ्तार
डॉ. मानप्रकाश - कान का पर्दा
डॉ. अनिल शर्मा - हार्ट अटैक
डॉ. शशि मोहन - दिल में ब्लॉकेज
डॉ. अशोक गुप्ता - नई पहचान
डॉ. अरविन्द शुक्ला - बच्चों का अस्पताल
डॉ. अखिलेश जैन - मानसिक रोगी
डॉ. बीडी सिन्हा - दिमाग का कारीगर
डॉ. जगदीश मोदी - ट्रोमा सेंटर
डॉ. आरसी मीणा - बैशाखी
डॉ. संजय जैन - पागल मरीज
डॉ. विनय तोमर - खराब गुर्दा
डॉ. संदीप निझावन - पेट का अफरा
डॉ. रमन शर्मा - ओमिकोन
डॉ. रघुराज - टीकाकरण
डॉ. अजीत सिंह - तीसरी लहर
डॉ. भारती मल्होत्रा - नया वैरिएंट
डॉ. नरोत्तम शर्मा - जांच बढ़ाओं अभियान
डॉ. एस बनर्जी - कोरोना का इलाज
डॉ. आई डी गुप्ता - दिमाग खराब
डॉ. पुष्पा नागर - दायी मां
डॉ. एम.एल. गुप्ता - सभी की चहेते

बुलडोजर

गौरव गोयल - बेदाग छवि
आनंदीलाल वैष्णव - पांचों अंगुली घी में
जुगल किशोर मीणा - जैसा साहब कहें
रघुवीर सैनी - फेविकोल का जोड़, जेसीबी से तोड़
ओंकारमल राजोतिया - खजाने की चाबी
अयूब खान - कानून की पोथी
विनय कुमार - प्लानिंग का खेल
महेश तिवाड़ी - हरियाली की चकाचौंध
मानसिंह मीणा - बातों का सौदागर
अशोक लोमोड़ - वनवास
वीरेन्द्र सिंह भाटी - आजकल फ्री हूं
बलवंत लिठा - यारी ही यारी
जगत राजेश्वर - कमाऊ पूत
अशोक योगी - उस्ताद आदमी
राम रतन शर्मा - सरल स्वभाव
प्रवीण अग्रवाल - शांति की नौकरी

नरकासुर

डॉ. सौम्या गुर्जर - खूब लड़ी मर्दानी...
मुनेश गुर्जर - कुर्सी बचाने की जुगत
पुनीत कर्णावट - इधर चला मैं उधर चला
असलम फारूकी - नेताजी की मेहरबानी से
कुसुम यादव - विपक्षी सरदार
दिव्या सिंह - अज्ञातवास
शील धाबाई - चार दिन की चांदनी..
सुखप्रीत बंसल - सपने अभी जिंदा हैं
मिनाक्षी शर्मा - क्रांतिकारी
अभय पुरोहित - दिन लद गये
जितेन्द्र श्रीमाली - बिना गोली की बंदूक
दुर्गेश नंदिनी - साफ-सुथरी छवि
राखी राठौड़ - बागवान
शेर सिंह धाकड़ - चाणक्य
रश्मि सैनी - बत्ती गुल मी-र चालू
विनोद चौधरी - नेताजी बिन सब सून
रमेश सैनी - अब कौन पूछेगा
भारती लख्यानी - मैं अनाड़ी, तू खिलाड़ी
पारस जैन - कहां गये वो दिन
करण शर्मा - कागजी नेता
महेश अग्रवाल - युवा जोश
मनोज मुद्गल - नेताजी की नेतागिरी

नरक निगम

यज्ञमित्र सिंह देव - खतरों का खिलाड़ी
अवधेश मीणा - युवा जोश, नीति ठोस
अचलेश्वर मीणा - लालच ने मरवाया, यहां आके पछताया
संतोष गोयल - सिरदर्दी की कुर्सी
सत्तार खान - मैं किसी से कम नहीं
शिप्रा शर्मा - सादगी का जवाब नहीं
करणी सिंह - एकांतवास
ममता नागर - दोनों हाथ में लड्डू
सेठाराम बंजारा - हथौड़े में दम नहीं
इस्लाम खान - पशुओं के पीछे दौड़-भाग
सुरेन्द्र यादव - हर खेल में माहिर
महेश मान - प्लानिंग की प्लानिंग
रविन्द्र सिंह - संजीदगी सबसे न्यारी
अनिता मित्तल - काम से काम
प्रदीप पारीक - यमराज
अतुल शर्मा - अपनी तो बल्ले-बल्ले
राजीव शर्मा - सीधा-सच्चा आदमी
आशीष कुमार - कचरे में फंस गया
के.के. गुप्ता - तार में करंट
विद्या सैन - लेडी सिंघम
छगनलाल - प्रमोशन के जुगाड़ी
जगदीश फुलवारिया - आग लगे तो बुझा दूं
रामकिशोर मीणा - गुपचुप खेल
कविता चौधरी - किसी की राई-दुहाई में नहीं
राजेश मीणा - यारों का यार
मनोज गोस्वामी - कुर्सी से फिसले
दिनेश गुप्ता - हरफनमौला
कमलेश जैमन - प्रपंच में कौन पड़े
नरेन्द्र मिश्रा - इतिहास की व्याख्या
देवानंद शर्मा - सन्यासी
मोनिका सोनी - दिन फिरने का इंतजार
दीपक शर्मा - दाई-माई
रूपाराम चौधरी - साहबजी! मेहरबान
हिमांशु शर्मा - मेरा क्या कसूर
यतेन्द्र सांखला - अब बने बाबाजी
हरेन्द्र चिराणा - कुर्सी का मोह न छूटे
के.के. मीणा - खाली खजाने का खजांची
रश्मि कांकरिया - काश! प्रमोशन मिल जाता
सोनिया अग्रवाल - लाइसेंस का गणित
उमंग राजवंशी - जोड़-तोड़ का गणित
आलोक श्रीवास्तव - ऊपरी हवा का असर

काला कोट

सुधांशु कासलीवाल - सर्व गुण संपन्न
एम.एस. सिंघवी - सब ठीक कर दूंगा
राजदीपक रस्तोगी - अपने मुंह मियां मिट्ठू
अश्विनी जैमन - यारों का यार
आर एन माथुर - हम भी थे दौड़ में
कमलाकर शर्मा - यहां के रहे ना वहां के
आर बी माथुर - जहां माल, वहां काम
नयना सर्राफ - जाने क्या क्या कर गई
विभूति भूषण शर्मा - मेरा हाथ मेरा भगवान
माधव मित्र शर्मा - सट्टाबाज सरदार
तनवीर अहमद - शायराना अंदाज
रामप्रताप सैनी - संघर्षशील
संतकुमार जैन - गुमनाम रहो, मस्त रहो
भरत व्यास - निकल गया
आर पी सिंह - फिर मेरी सरकार
विमल चोधरी - सफाई तो तरसे
जी एस बाफना - पर्दे के पीछे
नावेद रफीक खान - मुझसे ना हो पायेगा
प्रतीक कासलीवाल - चिट भी मेरी, पट भी मेरी
सुधीर गुप्ता - कूल डूड
वीरेन्द्र लोढा - तालू राम
एस एस होरा - क्रिकेट में है दम
पुनीत सिंघवी - मामा विधायक हमारे
रवि किरण माथुर - मस्त मौजी
अनिल मेहता - अपनी सरकार अपने जज
संदीप पाठक - मेरा दिल जो चाहे थोड़ा पैसा
संदीप तनेजा - होशियार
महेन्द्र शानडिल्य - सबका नाम पता जानने वाला
अंशुमान सक्सैना - सर्वगुण महासिचव
शंशाक अग्रवाल - वरिष्ठ उपाध्यक्ष
अनंत कासलीवाल - यारों का यार
दक्ष पारीक - छोटे चाणक्य
दर्श पारीक - अब तो छुट्टी ले लो
गोविन्द पुरोहित - राजाबाबू
राजेन्द्र प्रसाद - विद्यमान वकील
शीतल मिर्धा - सरकारी रानी
ए के शर्मा - चलता चला चल
शैलेश प्रकाश शर्मा - जवानी जाती ही नहीं
सारांश सैनी - सबसे बड़ी गाडीवाला
शोभित तिवारी - जी-हुजूर
विज्ञान शाह - उभरते अधिवक्ता
अनिल उपमन - सारी मेहनत जज बनने के लिए
राजेश मेहर्षि - हर जगह उपस्थित रहने वाला

कारोबारी डंक

रोहिताश नोलखा	5 एमएल मिल्क	अच्छी सेहत का वादा
मृणाल पुरोहित	एयू फाइनेंस	आगे बढ़ते रहो
रानू जिंदल	आरी तारी	सुंदर को अति सुंदर बनाना
मनोज पांडे	आवास फाइनेंस	लोन की दुनिया
कृष्ण यादव	अभिव्यक्ति इंस्टीटयूट	सभी को शिक्षित करके रहूँगा
उज्जवल पूनिया	आधार प्राइम रियल होम्स	सभी को अपना घर दिला के रहूंगा
डॉ. लवलीश जैन	आदिनाथ ईएनटी अस्पताल	भीड से हट कर
पंकज जैन	एगॉन इलेक्ट्रॉनिक्स	कामयाबी के सफर में बढ़ते हुए
मुकुल गोयल	अग्रवाल कॉलेज	हंसते हॅसाते जेब हल्की करो
मनीष	अग्रवाल कॉलेज	कोई यहॉ भी एडमिशन करवाएगा
सुनील जैन	अक्षत	एक अलग पहचान
अनुराग शर्मा	अलौकिक	इतना सन्नाटा क्यों है भाई
प्रशांत गुप्ता	अनुकंपा	बदलाव की तरफ बढ़ते कदम
सी.के. शर्मा	एपेक्स यूनिवर्सिटी	सौम्य और सरल स्वाभाव
मेघा जैन	आर्च	बहुत ही मीठी वाणी

आलोक श्रीवास्तव	एआरजी	हम किसी से कम नहीं
अरुण आर्य	आर्य कॉलेज	एडमिशन के लिए भागादौडी
आशीष प्रधान	आर्यन लैंडमार्क	परियोजना आगे से आगे बढ़ रही है
अजीत सांगवान	आशियाना ग्रुप	मेहनत की मीनारें
आशीष कुमार	आशीष ग्रुप	फोन कोई उठा के लिए है क्या
अतुल जैन	अतुल पब्लिसिटी	अब वो बात नहीं रही
मनोज जैन	अतुल पब्लिसिटी	जाने कहां गए वो दिन
अनुपम जैन	बजाज	बस एक मुलाकात अधूरी है
सुखदेव	बैंक ऑफ बड़ौदा	कोशिश जारी है
पंकज मीना	बैंक ऑफ बड़ौदा	सही समय आने दो
प्रतीक तायल	भार्तरी टी कंपनी	मै फोन कर लूंगा
शिवम सूद	बीकाजी	खट्टे मीठे स्वाद के जादूगर
शौकत अली	बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट	देंगे जरूर वो वक्त कब आएगा
संजय बियानी	बियानी कॉलेज	बस एक मुलाकात अधूरी है
करुणा शर्मा	बीएमसीएचआरसी	सही समय का इंतजार करो
संजय शर्मा	बीएसएनएल	मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
विकास चंदेलिया	बीएसएनएल	पुराना खिलाड़ी
साहिल जग्गा	केनरा बैंक	नेक्स्ट फाइनेंशियल ईयर का इंतजार कीजिये
अंकेश शर्मा	करियर पॉइंट	शिक्षा में उजाला
किशन सिंह	सेंट्रल	भीड़ से हट कर
अक्षत जिंदल	चंद्रप्रकाश साबुन	धुलाई के बादशाही
सौरव मित्तल	छवि प्रकाशन	आशाओं के बादल
राहुल माथुर	सीके बिड़ला हॉस्पिटल	अच्छी सेहत के धनी
मनीष शर्मा	क्लैट	कुछ तुम कहो कुछ हम कहे
विराट भार्गव	कॉबलर क्लब	कदमों की धड़कन
अजय डाटा	डेटा समूह	जमाना बदल गया
दिलीप सबला	डिसाइड सोप	सभी को धो डालूंगा
दीपेश माहेश्वरी	दीपक एडवरटाइजमेन्ट	रेल्वे के चहेते
डॉ अंशु सुराणा	दीपशिखा ग्रुप	सभी को डॉक्टर बना कर रहूँगा
रूप किशोर चोपड़ा	धनसेरी चाय	नया कोई भी ब्रांड आने दो
हितेश धानुका	धानुका	हमारे प्यारे वक्ता
राहुल शर्मा	डीएमबी मिष्ठान भंडार	चमड़ी जाय पर दमड़ी नहीं जाय
डॉ. सौरभ जैन	डॉ. जैन जीरो फिगर	पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त
आशीष खुंटेटा	ईएचसीसी	ऑल इज वेल
संजीव सुरोलिया	इलेक्ट्रो प्लाजा	कभी हां कभी ना
विक्रांत सिंह	एस्कॉर्ट्स	बहुत भारी है
बलराज सिंह	एस्कॉर्ट्स ट्रैक्टर्स	बातों के सौदागर
विजय प्रकाश	एस्कॉर्ट्स ट्रैक्टस	मिस्टर इंडिया
बृज किशोर गुप्ता	फोर्टिस अस्पताल	घर वापसी
सागर	ग्रेट ईस्टर्न ट्रेडिंग	कहीं बिजली का करंट न लग जाए
मनीष रोहिल्ला	हीरो इलेक्ट्रिक बाइक	सबको बिजली से चला डालेंगे
विनीत श्रीवास्तव	होंडा 2 व्हीलर्स	लखनऊ की शान, आगई राजस्थान
सुनील शर्मा	होप हॉस्पिटल	नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुठठी में क्या है
प्रतुल शर्मा	हुंडई	एक छत्र राज
नरेंद्र किरनानी	आईआईआरएम	सबका साथ सबका विश्वास
अशोक गुप्ता	आईआईएस ग्रुप	सबकी खबर रखता हूं
अपर्णा	आईआईएस विवि.	आशा पर ही दुनिया कायम है
शशिकांत जांगिड़	इम्पीरियल हॉस्पिटल	तारीख पे तारीख कब आएगी वो
विक्रम सिंह आमेरा	इंडस हॉस्पिटल	सरकार का खजाना खाली है
सोनू खान	इनफिनियम	अपना टाइम आयेगा
अविनाश थानवी	इनफिनियम	कहां हो भाई?
सुनील तंवर	जयपुर दूरबीन हॉस्पिटल	नाक कान गला सही है की नहीं
अमित अग्रवाल	जेईसीआरसी	आशाओं के बादल
अजय काला	जेजेएस	हीरे की खान
सिद्धार्थ वशिष्ठ	जेके सीमेंट	मेरे हाथ में कुछ नहीं
अरिहंत जैन	जेके लक्ष्मीपत विवि.	नए मुकाम हासिल करते हुए
निशांत अग्रवाल	जेके मसाला	मिलेंगे जरूर मिलेंगे
राजीव रंजन दुबे	जेके लक्ष्मीपत विवि.	यहां की शिक्षा निराली है
सरबजीत सिंह	जॉन डीयर	बरसों रे मेघा मेघा
सुबोध भंडारी	जेपीसी	अपनी तो जैसे तैसे कट जाएगी
अनिल टांक	जेपीसी	जरा हटके, जरा बच के, ये है राष्ट्रदूत मेरी जान
अंकित गुप्ता	जुपिटर	आई फोन का चलता फिरता स्टोर
वेदांत गर्ग	जेवीडब्ल्यू	बात के पक्के
सुरेश गर्ग	जेवीडब्ल्य	ज्ञान का सागर
नटवर शारदा	कान्हा	जरा स्वाद बदला जाए जयपुर का
नवीन	कांजी मिष्ठान भंडार	दमड़ी के धनी
विजय शर्मा	कनोडिया कॉलेज	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
वेदांत सेठ	कायम चूर्ण	हाजमा साफ करने की दुकान
सोहन यादव	केडिया	आक्रामक रणनीति
राजीव नाग	केंट आरओ नोएडा	पूछ के बताता हूं
मनीष जैन	किराना किंग	नाम बड़े दर्शन छोटे
अशोक तेजवानी	कोहिनूर सोप	हर मर्ज की दवा
करण गहलोत	केएस फोर्ड	रफ्तार के शौकीन
हनुमान सिंह	लखावत नमकीन	जिंदगी में कुछ नमकीन हो जाए

महावीर पी जैन	लक्ष्य प्रकाशन	सुलझे इन्सान
नवनीत सिंह	लॉ प्रेप ट्यूटोरियल	सुनो सबकी करो अपनी
कौशल माथुर	एलबीएस कॉलेज	ज्ञान का सागर
दीपक वोहरा	लोटस डेयरी	दूध का भंडार फिर भी खंडार
रिछपाल पारीक	महाराजा व्हाइटलाइन	नई उम्मीदें नई आशाएं
वीरेंद्र पारीक	महात्मा गांधी हॉस्पिटल	तारीख पे तारीख
पीसी सेठी	महावीर एजुकेशन सोसाइटी	मेरे हाथ में कुछ नहीं है
गौरी शंकर परवल	माहेश्वरी चाय	गांव-गांव की खबर रखता हूं
हेमंत माहेश्वरी	माहेश्वरी एजु. सोसायटी	उम्मीद का आसरा
गोपाल मालपानी	माहेश्वरी एजु. सोसायटी	संतुष्ट प्रवृति के धनी
निखिल मदान	महिमा ग्रुप	इस 'संसार' में क्या हो रहा है
सनी कपूर	मालवीय कॉन्वेंट स्कूल	लंबी रेस का घोड़ा
अजीत सिंह	मंगलम ग्रुप	बातों के सौदागर
एन के गुप्ता	मंगलम बिल्डर्स	कुछ करेंगे जरूर उचित समय पर
अभय शुक्ल	मंगलम मेडिसिटी अस्पताल	स्वास्थ्य की ओर बढ़ते कदम
अमन बिहारी शर्मा	मणिपाल अस्पताल	नया जोश नई उमंग
मनोज मुरारका	मणिशंकर ऑयल	लाइफ में सब कुछ फिक्स है
किशोर टांक	मीनू ड्रेसेस	इससे सस्ता और बेहतर है क्या?
विकास शर्मा	मिशन कोचिंग	सोच के बताउंगा
मनोज मित्तल	मित्तल कॉमर्स क्लासेज	बहुत उंची चीज
निर्मल पंवार	एमजेआरपी यूनिवर्सिटी	शौकीन मिजाज
दीपक सिंह	मॉडर्न स्कूल	चुप चुप बैठे हो जरूर कोई बात है
प्रवीण झा	मोदी यूनिवर्सिटी	सही समय का इंतजार करो
देवेंद्र पारीक	मोजिका ग्रुप	वो सुबह कभी तो आएगी
निर्मल गंगवाल	मोतीसन्स	हम से बढ़कर कौन
चंद्रप्रकाश राणा	एमएस फैशन	सब ऊपरवाले की मेहरबानी है
अरविंद पारीक	नाबार्ड	जब बजट आएगा तब देखेंगे
अविनाश जैन	नाकोड़ा	बातें बनवा लो इनसे
सुशील परवानी	नंदकिशोर मेघराज	कुछ बड़ा कुछ बेहतर करना है
आरएस मीना	नारायण जी गजक	गजक की दुनिया के बादशाह
बीएल स्वामी	नवल चाय	बजट आने दो भैया
रजनीश	नीलकंठ आईवीएफ	हर कदम सोच समझ के
कपिल अग्रवाल	नेता जी तेल	नजरे चुराने लगे ये जरा जरा
धर्मवीर सिंह	न्यू हॉलैंड	नई पहचान बनाते हुए
चिन्मय दास	नेक्सा	इस बार कुछ नया करते हैं
रोहित कुमार	एनएच हॉस्पिटल	नई उपलब्धियॉ नए विचार
प्रदीप जैन	निखार फैशन	यहां का अंदाज अलग है
अनुराग शर्मा	निसान	मेरे हाथ में कुछ नहीं
कुलदीप चौधरी	एनके पब्लिक स्कूल	यहां का अंदाज अलग है
रामजी लाल गुप्ता	ओमनी	जिंदगी एक आइसक्रीम है
अजय ओसवाल	ओसवाल	कुछ राय चाय पे हो जाये
अमरीश जोशी	पायस दूध	सब कुछ नाप तोल कर
राघव प्रकाश	परिष्कार	उंची दुकान फीका पकवान
राजेंद्र पारीक	पीसी ज्वैलर्स	समझा करो यार
अंकित खंडेलवाल	पीसीएम मसाला	तुझे मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं
प्रदीप कोठारी	परफेक्ट स्पीच एंड हियरिंग	सुनाई नहीं देता क्या
आलोक जैन	पिंक सिटी	बड़ी मुश्किल है, कहां मेरी बिलिंग है?
अंकित जैन	पिंक सिटी	ये दुनिया ये महफिल तेरे काम की नहीं
दिशा	पीएनबी बैंक	अभी तो कुछ नहीं होगा
मोहित अग्रवाल	पोशाक	कुछ बड़ा कुछ बेहतर करना है
विशाल वर्मा	प्रयास	अपनी ही धुन में सवार
आशीष बैद	रा	बातें बनाना कोई इनसे सीखे
बी.आर. सोमनी	राधिका	हर कदम सोच समझ के
नवनीत	राधिका	छोड आए हम वो विज्ञापन की गलियां
रणहीर चौधरी	राजस्थली लॉ कॉलेज	सब को जज बनाकर रहेंगे
मनोज सिंघल	राजस्थान बुक पब्लिसर	कुछ बड़ा और अच्छा करना है
एसएस अग्रवाल	राजस्थान हॉस्पिटल	हर बीमारी का इलाज
शारविक शाह	राजेश टोयोटा	इनको मिलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है
रमेश नारनौली	राजवेश	सब गोविंद जी की कृपा है
मोहित	रामाज	समय के साथ सफलता की ओर
भूदेव देवड़ा	रावत मिष्ठान भंडार	अभी तो दुकानदारी ही नहीं है
नरेंद्र रावत	रावत पब्लिक स्कूल	कुछ कर गुजरने की तमन्ना
अभयशंकर शर्मा	आरकेसीएल	जितने ऊपर उतने ही जमीन में भी
रोहित अग्रवाल	रूपलक्ष्मी	हौले हौले हो जाएगा प्यार
एस.सी. तिवारी	रूंगटा हॉस्पिटल	सब बढ़िया है
तरुण	रूंगटा हॉस्पिटल	बहुत कुछ करना बाकी है अभी तो
आर.के. शर्मा	सनातन मीडिया	संतोषी इंसान
चंद्रेश	संजीव प्रकाशन	कब मिलवाऐगें सेठ जी से
रमन गुप्ता	सरस	नए ऑफिस की पार्टी कहां है?
विलास जोशी	एसबीआई	मेरी न्यूज का क्या हुआ
जॉर्ज थॉमस	एसडीएमएच	अच्छे स्वास्थ्य को सलाम
प्रहलाद	सुमन एजेंसी	शांत धीर गंभीर
मनीष	मित्तल फोटोकॉपियर	सुनो सबकी करों मन की
अशोक	कनेक्ट मीडिया	अवसर का इंजतार

चांद प्रकाश	भाटिया विज्ञापन एजेंसी	अच्छे दिन कब आऐगें
दर्शन अरोडा	अरोडा पब्लिसिटी	क्या करें कि ना करें ये कैसी मुश्किल है
दीपक गोधा	गोधा पब्लिसिटी	न्यूज कही तो लगा दो
गोपाल	गोयल सर्विसेज	सही नाप सही तोल
जीवराज सिंह	जीवराज सिंह	हंटर बाज
केएम अग्रवाल	मोहित एडवरटाइजिंग	कभी ना कभी तो
महावीर	सरावगी स्टेशनर्स	दर्शन दुर्लभ हो गए
महेंद्र	मातेश्वरी एसोसिएट्स	चर्चा से दूर
मुकेश सिंह	क्रिस्टल एडवरटाइजिंग	कभी हम पर भी नजर की इनायत हो जाए
निशित	निशीथ एडवरटाइजिंग	अब वो बात नहीं रही
परम शर्मा	परम एडवरटाइजिंग	यहॉ के हम सिंकदर
प्रकाश	श्री साई एडवरटाइजिंग	खहि के पान बनारस वाला
पुष्पेंद्र	एवन मार्केटिंग	मैं किसके लिए काम करु
राजीव	छाया संचार	बातों का सौदागर
एस.एन. चतुर्वेदी	चतुर्वेदी एडवरटाइजिंग	जा विधी राखे राम ताहे विधि रहियें
संजय मालपानी	मालपानी एडवरटाइजिंग	मेरा भी बोलबाला
संजीव	ए-वन मीडिया	संतोषी सदा सुखी
शीतल शर्मा	अंकित पब्लिसिटी सेंटर	मैं शिकायत करुंगा
सुशांत	जयपुर एडवरटाइजिंग	छोटा बच्चा जानकर हमको मत समझाना रे
बलभ माहेश्वरी	शकुन एडवरटाइजिंग	कहां गए
अखिल माहेश्वरी	शकुन एडवरटाइजिंग	पूछो न कैसे मैरे क्लाइंट गवाएं
श्वेता जैन	श्री अजीब	खट्टी मीट्टी बाते
सूर्याश जैन	श्री अजब नमकीन	सही समय आने दो भइया
सुरेश कुमार	श्री अजब नमकीन	खट्टा मीठा स्वाद
मनीष जौहरी	श्री ज्वैलरी मार्ट	पुराने खिलाडी नया खेल
रामअवतार अग्रवाल	श्याम मसाला	इन्तेहा हो गई इंतजार की
आर के बागला	शादी	सदैव हितैषी
डॉ उत्तम सोनी	सीता देवी हॉस्पीटल	आयेगा अपना भी समय
प्रवीण नाहटा	एसजे पब्लिक स्कूल	मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है
जी पी सोमान्य	एसजेईई	ऊपर वाला ही मालिक है अब
आशीष सोमान्य	एसजेईई	इनके तेवर कुछ ठीक नहीं दिखते
रिषभ माहेश्वरी	एसजेईई	वादा करके तोडना कोई इनसे सिखे
अम्बर श्रीवास्तव	एसकेआईटी	जल्द कुछ करने वाला है
संजय जोशी	एसकेजे ज्वैलर्स	गाती अच्छा बनना चाहिए
साई गिरिधर	स्कोडा	कभी हम पर नजरे इनायत हो जाएं
उदय	स्लीपवैल	बहुत जोर से नींद आ रही है
जौहरी सोडानी	सोडानी स्वीट्स	खाते रहिये और बनाके खिलाते रहिये
श्याम सुन्दर चहुंगानी	सोना सिक्का	कभी तो नजर मिलाओ
रविन्द्र कानाजी	सोनालिका टेक्टर्स	योहन का अंदाज अलग है
नवीन	स्प्रोगबोर्ड केचिंग	सबर का फल मीठा होता है
डा मुकेश काला	एसआर काला मेमो. हॉस्पिटल	अपनी आखो का ख्याल रखिएगा
डा राकेश शर्मा	एसआरके हॉस्पिटल	कब मिलेगा टाइल हम जैसो का
डा एसपी शर्मा	एसआरके हॉस्पिटल	डॉक्टर बेटे को पूछकर बताऊंगा
पवन बुराड	एसएस जैन सुबोध कॉलोनी	सब अच्छा होगा
अशोक कसोट	एसएसजी पारीक कॉलोज	नहीं-नहीं अब नहीं
ओम विशन मित्तल	स्टार मार्केटिंग (नटराज आटा चक्की)	शातिर इंसान
मोहित जाजू	सुभाष ग्रुप	टालम तोल की बात
पवन जैन	सुबोध कॉलोनी	सब बढिया है
सुरेश कालानी	सूर्या मार्केटिंग	भगवान ही मालिक है
पारस जैन	सुजुकी मोटर्स	मिलना बहुत मुश्किल है
गौरव भार्गव	सिंडीकेट बैंक	कम वक्त में ज्यादा काम
विजय सिंह	टेफी	मेरे देश की धरती सोना उगले
पी.डी. सिंह	टेगोर एजुकेशनल ग्रुप	मिलते-जुलते रहिये
पूनीत जिथोलिया	तनसुख	नई सोच नई उम्मीद
सुशील बाजपेई	टाटा मोटर्स	बडी चुनौतियां का सामना करता हूँ
अरविन्द शर्मा	टाटा मोटर्स	दिल खुश
सौरभ जाजू	टाइम एजूकेशन	कुछ नया करते है
डा एकलव्य शर्मा	टॉक हास्पिटल	वो दिन कब आएगा
आनंद मिश्रा	त्रिभूर्ती बिल्डर्स	आज कुछ तुफानी करते है
रविन्द्र देसाई	टीवीएस मोर्टर्स	भाग दौड़ भरी जिंदगी
रितेष रेना	यूबी ग्रुप	हुल्ले हुल्ले हो जाएगा प्यार
मनोज शर्मा	यूडीबी	नई ईमारत नई पहचान
नीतिन आहूजा	उपासना	नया जोश नई उमंग
प्रशान्त टेकचंदानी	उपासना ग्रुप	मुश्किल दौर पर हौंसला बुलंदियो पर
महेन्द्र कुमार	वसुन्धरा फेकेन्टी	सभी को संतान सुख दे के रहेंगे
नरेन्द्र चतुर्वेदी	वीसीआई	धीरे-धीरे बढ़ाते कदम
सत्यव्रत सामवेदी	वैदिक कन्या कॉलेज	भुल भुलैया
योगेन्द्र शर्मा	वीडियोकॉन	चाय पे चर्चा हो जाएं
डा ललित के पंवार	विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी	सफलता की ओर अग्रसर
संजीव गोस्वामी	वोल्कस्वागन	हमसे ना हो पाएगा
केसी शर्मा	वीएसआई-विद्यासागर केरियर इंस्टि्यूट	अभी और बाकी है इंतजार घड़ी
मयंक श्रीवास्तव	यामाहा इंडिया	ये राह नहीं है आसान

कोटा
हाड़ौती के हड़किये

राजनीतिज्ञ

ओम बिरला – सीधी राह
कल्पना देवी – चुनौती मिलेगी
मदन दिलावर – कोई नहीं सुनता
प्रहलाद गुंजल – मेडम का खास
भवानीसिंह राजावत – गब्बर इज बैक
चन्द्रकांता मेघवाल – दुविधा में
हीरालाल नागर – खड़े है हम भी राहों में
विद्याशंकर नन्दवाना – भला मानुष
संदीप शर्मा – क्या करें क्या ना करें
भरत सिंह – छटपटाहट
महेश विजय – सादा जीवन
सुनीता व्यास – अपने तो अपने होते है
राखी गौतम – प्रयास जारी है
रामगोपाल बैरवा – गुमनाम
गोविन्द शर्मा – अपूना टाईम आयेगा
हेमन्त विजयवर्गीय – मौका मिल सकता है
जयवीर सिंह – गुजरा कल
पंकज मेहता – अधूरी ख्वाईश
रविन्द्र त्यागी – खाली हाथ
नईमुद्दीन गुड्डु – लौटा सन्यासी
क्रांति तिवारी – भगवान भरोसे
शिवकांत नन्दवाना – दमदार
मनमोहन जोशी – धीमी रफ्तार
देवेन्द्र चौधरी – सफर जारी है
गोपालराम मंडा – साथी रे....
विवेक राजवंशी – लोकप्रिय
योगेन्द्र खींची – जिन्दगी हर कदम
अशोक माहेश्वरी – ठहरा पानी
इज्यराज सिंह – दरबार
पूनम गोयल – हंसमुख
डा. जफर मोहम्मद – इन्तजार में
राजेन्द्र सांखला – दबंग
सरोज मीना – सुनवाई नहीं हुई
अनिल सुवालका – खिलता बचपन
तरुमीत सिंह बेदी – कशमकश
गिरिराज न्याती – सिस्टम बदल दो

शासन के तीरंदाज

दीपक नन्दी – हर दिल अजीज
हरि मोहन मीना – बड़ी जिम्मेदारी
रवि दत्त गौड़ – मोनिटरिंग में दम
केसर सिंह शेखावत – तेज दिमाग
राजेश जोशी – एवरी टाईम
आर.डी. मीना – न्यास की मजबूती
परमानन्द गुप्ता – हर चीज नजर में है
वासुदेव मालावत – दिलदार
कीर्ति राठौड़ – मजबूत दीवार
अजय कुमार – रेलवे सिग्नल
अर्नव शाह – जोरदार
अशोक डोगरा – मुकद्दर का सिकन्दर
चन्द्रकांता मेघवाल – तेजतर्रार
हरिमोहन शर्मा – राजनीति का चाणक्य
ममता शर्मा – न घर के न घाट के
सी एल प्रेमी – डूबती नैय्या
राकेश बोयत – चतुर राजनीतिज्ञ

सत्येश शर्मा – हम में है दम
भरत शर्मा – अब मैं कहा जाऊं
चंद्रावती कंवर – किस्मत की धनी
मधु नुवाल – कुछ करके दिखाना है
महिपाल सिंह हाड़ा – लुटिया डूब गई
चर्मेश शर्मा – गरीब का मसीहा
सत्येन्द्र मीणा – विवादों से पुराना नाता
टीकम जैन – उभरता हुआ सितारा
रेणु जयपाल – लेडी सिंघम
अमानुल्लाह खान – अल्लाह की गाय
जय यादव – जो फिट है वह हिट है
हेमन्त शर्मा – मुझे कुछ कर दिखाना है
सहदेव मीना – चालबाज
चन्द्रशेखर शर्मा – टाइगर
अरविन्द भारद्वाज – हम किसी से कम नहीं
वर्षा गोयल – द आइकन वुमन

चीरफाड़

डा. विजय सरदाना – छुपा रुस्तम
डा. आर.के. तंवर – बच के निकले
डा. नवीन सक्सेना – हरफनमौला
डा. चन्द्रशेखर सुशील – गिने चुने काम
डा. मनोज सलूजा – अपनों का प्यारा
डा. शिवकुमार शर्मा – ख्वाईश बाकी है
डा. राकेश जिन्दल – यारों के भरोसे
डा. विनीत जैन – उभरता सितारा
डा. एम.एल. अग्रवाल – हर पल पर नजर

बारां

पानाचंद मेघवाल – वि.स. में सबसे ज्यादा सवाल
निर्मला सहरिया – पिछलग्गू
प्रताप सिंह सिंघवी – सबका साथ
उर्मिला जैन भाया – प्रथम महिला
ज्योति पारस – हो गया बंटाधार
नरेन्द्र गुप्ता – मंत्री का खास
कल्याणमल मीना – जुआ सट्टा जोरों पर
विजय स्वर्णकार – प्रमोशन हो गया
मांगेलाल यादव – सब पर लगाम

झालावाड़

राजनीतिज्ञ

श्रीकृष्ण पाटीदार – दिन गए
संजय जैन – अपनी तो जैसे तैसे
नरेन्द्र नागर – वफादार
गोविन्द रानीपुरिया – सीधा प्राणी
कालूराम मेघवाल – मैं तो सेवक
संजय शुक्ला – लग गई लाटरी
मीनाक्षी चन्द्रावत – अब तो लाल बत्ती भी मिलेगी
वीरेन्द्र सिंह गुर्जर – बल्ले बल्ले हुई
कैलाश मीना – बादशाह
मदन लाल वर्मा – टिकट तो मुझे ही मिलेगा
सय्यद इमरान अली – एम.एल.ए. बनूंगा
राजेश करावन – मेहनत रंग लाई
सुरेश गुर्जर – खानपुर का लाडला

शासन के तीरंदाज

डा. भारती दीक्षित – जारी आदेश ठंडे बस्ते में
राधेश्याम डेलू – प्रशासन भी अपना पुलिस भी अपनी

सुरेश हरसोलिया – मैं तो इंचार्ज हूं
हेमन्त सिंह – कृष्ण कन्हैया
राजेन्द्र मीना – भू माफियाओं की मौज
मोनिका सेन – बेखबर
प्रकाशचन्द शर्मा – नई-नई कमान
बलवीर सिंह – मीठा पत्ता
डा. साजिद खान – आलराउंडर
समीर जैन – टारगेट पूरे करने है
डा. जी.एम. सय्यद – सबका चहेरा
आर. के. सोनी – चारों अंगुली घी में

बीकानेर
बीकाणा के भंगेड़ी

राजनीतिज्ञ

अर्जुन मेघवाल – मुश्किल में
सुशीला राजपुरोहित – अफसर है कि सुनते ही नही
जर्नादन कल्ला – रणनीतिकार
लक्ष्मण कडवासरा – छटपटाहट हुई खत्म
महेन्द्र गहलोत – सिर्फ एक बयान में ही नैया पार लगाई
यशपाल गहलोत – मैदान नही छोडूंगा
राजकुमार किराड़ू – पगै लागणा
हीरालाल हर्ष – चौराहे पर
नूर मोहम्मद गौरी – समीक्षक
डॉ. बिठल्ल बिस्सा – नो टेंशन
शशि शर्मा – सदा बहार
नितिन वत्सस – नारद
हाजी मकसूद – ये तो होना ही था
हारुण राठोड – जिताऊ टिकाऊ
सुशीला सीवंर – में भी सशक्त दावेदार हूं
गोविन्द चौहान – हम नही सुधरेगें
वीरेन्द्र बेनीवाल – रिचार्ज कूपन
सुमित गोदारा – वंदे मातरम
बिहारीलाल बिश्नोई – वन्य जीव प्रेमी
गिरधारी महिया – लाल सलाम
अखिलेश प्रताप सिह – छुपा रुस्तम
ताराचंद सारस्वत – जंग जारी है
मंगलाराम गोदारा – ये तो सोचा ही नहीं था
बिशनाराम सियाग – कभी तो बहार आयेगी
श्रीलाल व्यास – समय ही समय
देवीसिंह भाटी – गाय लगायेगी नैया पार
नंद किशोर सोलंकी – भाजपा में कामरेड
सत्यप्रकाश आचार्य – थोथा चना बाजे घणा
विजय आचार्य – गुलाबी नगरी की और
रामगोपाल सुथार – हर दिल अजीज
डॉ. विश्वनाथ – मैं किसी से कम नही
सुश्री सिद्धि कुमारी – खम्मा घणी
किशनाराम नाई – बुढा शेर
सलीम भाटी – चौराहे पर
श्याम तंवर – डगर कठिन
सुरेन्द्र सिंह शेखावत – बुद्धिजीवी
अशोक भाटी – स्थायी
सुनील बांठिया – काम पहले राजनीति बाद में
युधिष्ठर सिंह भाटी – स्पाइडर मैन
महावीर रांका – मार्केटिग मे माहिर
रेवंतराम पंवार – मन नहीं लगता
मोहन सुराणा – ऊंची दुकान फीके पकवान

शासन के तीरंदाज

नीरज के पवन – बोल्ड अफसर

भगवती प्रसाद कलाल – नेक दिल इंसान
कानाराम – सीख रहा हूं
बलदेवराम भोजक – राम-राम सा
अरुण प्रकाश शर्मा – कोई गम नही
ए.एच. गौरी – हरदिल अजीज
अजीत सिंह राजावत – पशु प्रेमी
यशवंत भाकर – मौनी बाबा
ऋषि बाला श्रीमाली – टारगेट पूरा नही हुआ
संजय श्रीवास्तव – विकली स्पेशल
जितेन्द्र मीणा – राईट टाईम
प्रो.रक्षपाल सिंह – कृषि पंडित
प्रो.सतीश के गर्ग – भाई साहब
प्रो.विनोद कुमार सिंह – वंदे मातरम

खाकी

ओम प्रकाश – जांबाज अफसर
योगेश यादव – बल्ले बल्ले
देवेन्द्र कु. विश्नोई – यारबाज
अमित कु. बुडानिया – टेंशन फ्री
पवन कुमार मीणा – भलाई ही भलाई
सुनील कुमार – खैरियत हैं
डॉ प्यारेलाल शिवरान – गुप्तचर
सुभाष शर्मा – पुराने खिलाड़ी
पवन भदोरिया – मैं हूं ना
सुभाष शर्मा – भला मानुष
धर्म पूनिया – चर्चित चेहरा

ट्रेड यूनियन

रामेश्वर शर्मा – भला भलेरा
वाई के शर्मा (योगी) – जांबाज नेता
पृथ्वीराज लेघा – बाजी जीती
हेमन्त किराड़ू – एकला चलो
सत्यनारायण पंवार – हार नहीं मानी
रवि आचार्य – पेंशन प्रेमी
बनवारी शर्मा – कर्मकांडी
अविनाश व्यास – क्रान्ति वीर
राजेश व्यास – नेता बनने का सपना
दिलीप जोशी – छपास
प्रसन्न कुमार – सबके लिए हाजिर
जावेद सिद्धीकी – अब नौकरी
कमल सिंह गोहिल – इन्कलाब जिन्दाबाद
जय किशन पारीक – सदा सुखी
मूलचंद खत्री – लाल टोपी
अंजनी शर्मा – इन्कलाबी

चलती मशीनें

शिवरतन अग्रवाल – मंदी का मारा
पन्नालाल सांखला – चलता पूर्जा
सुभाष मित्तल – बदली बदली सी रंगत
कन्हैयालाल बोथरा – थोथा चना बाजे घणा
कमल कल्ला – विरासत काम आई
मोतीलाल सेठिया – आदमी ठीक है
विष्णु पुरी – धंधे मे राजनीति

काला कोट

अजय पुरोहित – मिलनसारी काम आई
आर के दास गुप्ता – कानून बाज
कमलनारायण पुरोहित – मनमौजी
गणेश चौधरी – साइड इफेक्ट
मुमताज अली भाटी – शांति प्रेमी

बिहारी सिह राठौड – ये तो सोचा ही नही था
किशोर सिंह शेखावत – शराफत काम आई
सुरेन्द्र पाल शर्मा – दमदार
सुरेन्द्र शर्मा – अब चेले नहीं रहे
महावीर सांखला – महागुरु
राजेश गुप्ता – वकालात रास नहीं आई
धर्मेन्द्र वर्मा – धंधे से मतलब
कुलदीप शर्मा – काम की गारन्टी
शिवचंद भोजक – मंदिर मार्गी
आनन्द गौड़ – वकालात में क्या रखा है
सुरेश शर्मा – लाल बादशाह
सतपाल सिंह शेखावत – अच्छा आदमी
ओम आचार्य – राजनीति से तौबा
विवेक शर्मा – बाजी मारी
बजरंग छींपा – कानून बाज
चर्तुभुज सारस्वत – प्रतिबद्ध व्यक्तिव

चीरफाड़

डॉ. मुकेश आर्य – सर्वेसर्वा
डॉ. आर पी अग्रवाल – पहला सुख निरोगी काया
डॉ. एच एस कुमार – सीधा सादा
डॉ. लियाकत अली गौरी – कार्यवाहक
डॉ. परमेन्द्र सिरोही – तेज तर्रार
डॉ. पिन्टू नाहटा – दूसरा सुख घर में हो माया
डॉ. आर डी मेहता – कोढ में खाज
डॉ. रजन माथुर – बत्तीसी लगा लो
डॉ. अबरार अहमद – सेवा प्रेमी
डॉ. मुरली मनोहर – चश्मा सही करवा लो
डॉ. जी.सी.जैन – नजरों नजरों में
डॉ. बी सी घीया – एलर्जी से एनर्जी

उदयपूर
भीलों की मस्ती

राजनीतिज्ञ

अर्जुनलाल मीणा – कमजोर किलेदार
फूल सिंह मीणा – प्रोढ शिक्षा की सनक
अमृतलाल मीणा – कोई नहीं सुनता
दयाराम परमार – अंगूर खट्टे है
प्रताप भील – रसिक बाबू
धर्मनारायण जोशी – कर्मठ पहरेदार
रघुवीर सिंह मीणा – दूर दृष्टि
त्रिलोक पूर्बिया – वो सुबह कभी तो आयेगी
डॉ. गिरिजा व्यास – ढलता सूरज
लालसिंह झाला – कांग्रेस का रखवाला
गोपाल शर्मा – अभी थका नहीं हूं
रविन्द्र श्रीमाली – कठिन डगर
भंवर सिंह पंवार – चौपाल का किलेदार
ममता कंवर – पितृ कृपा
पंकज शर्मा – सब्र में सार
गौरव प्रताप सिंह – जवानी का जोश
जी.एस. टांक – कांटो की सेज पर
पारस सिंघवी – रिमोट कंट्रोल
छोगालाल भोई – फलॉप राजनीतिज्ञ
गिरीश श्रीमाली – युवा तुर्क
हेमंत बोहरा – अंधेर नगरी
महेश त्रिवेदी – हरियाली और रास्ता
लोकेश गौड – कुर्सी पर निगाहें
मनोहर चौधरी – हां में हां
अजय पोरवाल – कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना

विनोद जैन – पार्टी भक्त
फिरोज शेख – पद पाकर खुश हुआ
गोपाल नागर – संघर्षशील यौद्धा
प्रदीप सांगावत – स्मार्ट सिटी से परेशान

शासन के तीरंदाज

राजेन्द्र भट्ट – अनुभव का भण्डार
ताराचंद मीणा – मिशन कोटडा
ओ.पी. बुनकर – रिंग मास्टर
हिम्मत सिंह बारहट – कोई खामी नहीं
अशोक कुमार – रास आई झीलों की नगरी
पुष्पेन्द्र सिंह शेखावत – प्लॉटों का रखवाला
किरण सोनी गुप्ता – कला पारखी
अरूण हसीजा – सिद्धहस्थ नगरनवीस
डॉ. प्रियंका भट्ट – देवालयों की चौकीदार
प्रकाश सिंह राठौड़ – टारगेट पूरे
कल्पना शर्मा – चक्को की चाबुक
अनिल कुमार शर्मा – शांति प्रेमी
रविप्रकाश शर्मा – अनुभवी

शिक्षा

प्रो. अमरीक सिंह – चम्पाबाग से परेशान
डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ – किसानों का मसीहा
एस.एस. सारंगदेवोत – सबका साथ सबका विकास
आई.वी. त्रिवेदी – वागड़दूत
जे.पी. अग्रवाल – समाजसेवी
राहुल अग्रवाल – सबका बंधु
आशीष अग्रवाल – नेक इंसान
अंकित अग्रवाल – रास आया कारोबार
डॉ. प्रदीप कुमावत – आदर्श कथावाचक

चीरफाड़

डॉ. लाखन पोसवाल – एक छत्र राज
डॉ. आर.एल. सुमन – ठेको से परेशान
डॉ. जेड.ए. काजी – मार्शल
डॉ. दिनेश खराड़ी – सूबे का सुलेमान
डॉ. शंकर बामनिया – राहत की खबर
डॉ. राघवेन्द्र राय – जहां है ठीक है
डॉ. आर.एल. मीणा – धंधा मंदा
डॉ. ओ.पी. मीणा – अब तो कोई सुनो
डॉ. गौतम बुनकर – चल पड़ी अपनी तो

वन विभाग

आर.के. खैरवा – अरावली का राजा
मुकेश सैनी – इंतजार
बालाजी करी – मौके की तलाश
आर.के. जैन – खतरनाक शूटर
डी.के. तिवारी – जमे रहो
अजीत ऊचोई – जानवरों का हमदम

काला कोट

राव रतन सिंह – पुराना घाघ
चेतनपुरी – उत्तरार्द्ध की ओर
अरूण व्यास – लाल सलाम
कमलेश दाणी – अब चेले नहीं रहे
प्रवीण खण्डेलवाल – मन मौजी
महेन्द्र नागदा – धंधे से मतलब
दिनेश गुप्ता – सीधा-सादा
कंचन सिंह हिरण – धुरंधर

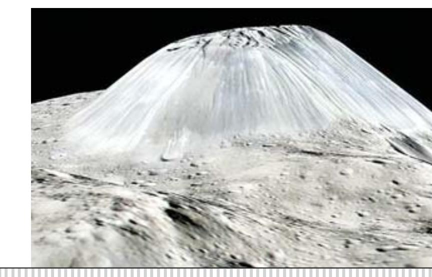

Ice Volcanoes

We're used to thinking of volcanoes as spewing hot molten lava, since that's mostly the way they function on our home planet. But in space, a volcano can spew water, methane, or ammonia; and those materials freeze as they erupt and turn into frozen vapour and 'volcanic snow'. Called Cryovolcanoes, these phenomena are pretty common. They exist on Pluto, Saturn's moon Titan, and Jupiter's moons Europa and Io - the latter of which is extremely active, with hundreds of vents.

#INSIGHT

Holiya Me Ude Re Gulal

What are Holi colours, and what gives them such vibrant hues?

The festival of Holi is a popularly referred to as the 'Rangon Ka Tyohaar' in India. The Indian subcontinent gets cloaked in the beauty of various hues during the festival of Holi making every person losing oneself in its exhilarating celebration. Every nook and cranny of the country gets flooded with people drenched in water and colours grooving to the beats of the Holi songs. But have you ever thought how colourful gulal become such a rage during this time of the year making Holi festival to be known as the 'Festival of Colours'?

India is a land of rich culture and traditions. People from all over the world make India a favourite tourist destination during the time of festivities. They come here to experience the multilingual and rich diversity of culture and rituals of the Indian people. Colours have always held immense importance in Indian festivals. Whether it is about the beautiful and colourful Rangoli made on the floor of the houses on Diwali or the splashing of colours on each other at the time of Holi, these

vibrant hues have always given and are still giving people moments of full enjoyment and merriment with their near and dear ones.

The skin-friendly and bright powdered colours witness a sudden elevated demand in the market at the time of Holi festival as Holi gifts. There are some mythological legends that throw light on the gulal consumption during Holi festival. They hold a traditional place in the Hindu traditions and rituals and are considered most significant in the Holi celebrations. These colours inculcate happiness, cheer, merriment and vibrancy in this festival as people smear the faces of their loved ones with gulal while wishing each other 'Happy Holi!'

Every colour of Gulal has a hidden meaning to it. This time, before picking up Gulal from the shop, let us know the meaning of each and every colour of gulal :

Red Gulal

The red coloured powder is often associated with sindoor that married women wear on their foreheads as a symbol of their holy matrimony. But, this powder also holds immense popularity in terms of Holi colours or gulal as it stands for love, passion, opulence, and a lot more emotions that we have in our hearts for our dear ones.

Green Gulal

One of the most popular gulal during the festival of Holi is the green one. This colour symbolizes happiness, cheer, fresh beginnings, and harvest, bringing a lot of enthusiasm and joy in the Holi celebrations.

Blue Gulal

The colour blue is often associated with Lord Krishna in Indian mythology as the God was blue in complexion. As Holi is a popular festival celebrated with enthusiasm and true spirits in the city of Vrindavan and Mathura, both of them being homes to Lord Krishna, the blue Gulal is a famous pick on the festival of colours. It has positive connotations and adds a lot of vibrancy to the celebrations.

Yellow Gulal

The yellow colour stands for brightness and sunshine in Indian traditions. Yellow is considered as a synonym to turmeric, a popular ingredient in Hindu rituals and bestowed with miraculous healing powers. This coloured Gulal adds brightness in the Holi celebrations and fills people heart with joy and fun.

Pink Gulal

Though this colour sounds feminine, it is actually not! Pink colour gulal has become a trend and more loved than the red one. It is subtle, bright and gives an attractive Holi look to everyone. Pick this beautiful coloured gulal and smear it on the faces of your dear ones and have a good time rejoicing in the Holi celebrations.

Orange Gulal

Orange is another colour that we absolutely love. This colour is super special and can energize your life instantly. It is also considered to be the colour of the sun and hence linked with spreading light and a new day.

This colour reminds us of how strong we are and how we should leave the past behind us and move forward. This colour is also known to symbolize forgiveness to start afresh again.

Purple Gulal

Purple is the colour of magic and mystery. It is the colour that symbolizes the horizons of new possibilities. It is calming and soothing. It tells us to relax and not to rush. It is also one of the most widely used colours that you can make with red cabbage pigment at home too.

(LtoR) Safir, Jyotika, Manish, Mukul, Viji and Sanjoy Roy

The JLF That Wasn't...

The much loved and awaited Jaipur Literature Festival happened amidst the heat of March and a lot of sweat. It was indeed a comeback of sorts but it seemed to lack the zing of the original gala that had captured the literary world by storm for the last one and a half decade. This time there weren't a bevy of tourists or fans vying for the attention of their favourite celebrity. It was JLF alright, but a JLF which had just recovered from COVID.

Shailaza Singh
Published author, poet and a YouTuber

They came.
They looked.
They sweated.
And then there were the Books, and some Talks!

The moment someone talks about the 'Jaipur Literature Festival', it conjures up the images of authors addressing vast crowds, gaily decorated tents and venues, food stalls and deep discussions and debates amidst jam-packed halls where people don't mind sitting on the sand or grass (as the case may be) to hear their favourite author at the famous Diggi Palace.

Warm Winters

The Jaipur Literature Festival enjoys the reputation of being the one place where people like you and me could happily bump into some exalted names like Gulzar. JLF as it is fondly known as, is also about Rajasthan's favourite time of the year -- the winters; the season where a warm sun smiles down up the sweaters, shawls and suits huddled over cups of chai and perhaps a bit of tête-à-tête. It is also the time where people seek the outdoors, and don't mind walking around to catch sessions without a drop of sweat to spoil the finery of their silks or suits.

The Book Escape

Till 2020, JLF was all this and much more – A haven where you could forget the world and just for once meet the books and their makers. A place where you could be a part of hot debate between two celebrities or a common man or a celebrated author, and speak your heart out. In the words of Marvel Comics' Sorcerer Supreme; Doctor Strange, the Jaipur Literature Festival was a Sanctum Sanctorum for the tribe of book lovers, opinion makers and those who wished to be heard.

As I stepped inside the immaculate but impersonal corridors of The Clark's Amer Hotel, on March, 11, 2022, I couldn't help but remember JLF's online version in 2021. Throughout the entire festival, my coffee cup kept me company and of course awake amidst the endless zoom sessions of expressionless discussions between the authors. On the brighter side, I didn't have to apologize to anyone about my endless yawns or even the impromptu nap.

The Heat Is ON!

Perhaps the organizers were struck by a sense of déjà vu as they made desperate attempts to transplant the aura of Diggi Palace Hotel into the Clarks Amer and tried to recreate the old venues like 'The Front Lawn', 'The Mughal Tent' and 'Baithak' in the lawns of Clarks Amer; The only problem was that it was March – the wrong time of the year where the sun is no longer warm but hot.

As I entered, the Front Lawn, I saw some people and many empty chairs listening to the Shantanu Ray Chaudhari talking about the legendary actor Soumitra Chatterjee, to Suman Ghosh, who has penned a book titled 'A Film Maker Remembers' on the legend's life.

But more than the film maker's life, I was worried about my life as I went on a frantic search for water for my parched throat. I finally found some water and a place in 'Baithak' one of the few 'cool' venues inside a room, where I suspected that people weren't just sitting for talks but also for the much needed shade and solace from the heat.

> The festival which has always been known for its crowd appeared like the ghost of its heydays. The frenzy of running from one session to the other seemed missing as people were more interested to find a shade for resting. "It seems better this way," I heard a woman say in the women's restroom. "In the earlier versions, the Bollywood people really pulled in the crowd and it became a lot of nonsense after that." "Yes," agreed her friend. "This time it is quieter and better. But the heat is killing!"

In Person

Few years back, when the well-known author Jeffery Archer had come to JLF and regaled his readers with his anecdotes, I heard a teenage boy whisper to his friend, "Jeffery Archer said 'Hi' to me today in the morning! Just imagine!" The other friend replied, "So what? I will also go and greet him personally after this session is over!" To my mind, that conversation summed up JLF, where you could go a say 'Hi!' to your favourite author in person and have the satisfaction of seeing him respond to you. But this time, the online versions of bestselling authors like Elif Shafak, Damon Galgut and Abdulrazak Gumah did not really create that feeling of meeting someone you could only dream of meeting. After two years of leading an online life, meeting online doesn't count anymore, does it?

Saving Grace

However, all the sessions of JLF didn't lack lustre. There was Shashi Tharoor, with his brand style questions, English and politically correct answers of the questions about the congress family that the crowd was more interested in than his books.

Shashi Tharoor

Manoj Bajpayee also entered like a hero and all the people at the Clarks Amer were attracted to him like bees while his buzzing make up man touched up his make up to ensure that his well-coiffure hair and carefully made up face remain in place amidst the questions that were rapidly fired at him. 'Kyun ki Saas Bhi Bahu Thi' proclaimed actor turned politician turned author Smriti Irani also made her presence felt with a lot of motivational words which seemed to have melted amidst the rapidly fanning newspapers and magazines. Interestingly the actor, Neena Gupta was more candid about her life than her book. Talk about girls scoring over boys. Festival director and author William Dalrymple was his usual self, regaling people with talks about British Raj with a different country –Afghanistan.

No Option

With days, crowd increased despite the entry fee which was perhaps levied to maintain the area or keep out the riffraff. Was it the lure of this festival or the fact that the people of Jaipur had no place else to go? The children were definitely missing; busy cramming up their subjects and attending classes amidst their examination schedules. How would they have the time for the literature festival? Probably they would have loved interacting with the likes of well-known historians and authors like Manu Pillai and Ira Mukhoty (who confessed that though she did not like to study science during her school days but doing so made her a better researcher).

The festival which has always been known for its crowd appeared like the ghost of its heydays. The frenzy of running from one session to the other seemed missing as people were more interested to find a shade for resting.

"It seems better this way," I heard a woman say in the women's restroom. "In the earlier versions, the Bollywood people really pulled in the crowd and it became a lot of nonsense after that." "Yes," agreed her friend. "This time it is quieter and better. But the heat is killing!"

On the last day, as I made my way out of JLF 2022, I couldn't help but experience a feeling of letdown. This wasn't the JLF I had fallen in love with. I remembered one of those 80s movies where the hero falls in love with a girl only to watch her die in an accident. After some years, he meets her look alike and tries to transform her into his beloved. However, he fails miserably because nothing can replace the original. Whatever said and done the vitality, the vigour and the winter were missing in action. Despite the tents and the desperate attempts, and the hard work of the organizers, JLF wasn't really JLF this time!

writetoarbit@rashtradoot.com

Photos by Zakir Hussain.

> Few years back, when the well-known author Jeffery Archer had come to JLF and regaled his readers with his anecdotes, I heard a teenage boy whisper to his friend, "Jeffery Archer said 'Hi' to me today in the morning! Just imagine!" The other friend replied, "So what? I will also go and greet him personally after this session is over!" To my mind, that conversation summed up JLF.

(LtoR) Piyush, Shashi, Anant, Roy.

(LtoR) Manu, Shashi, Ira.

Lal Salaam: Smriti Irani.

#EVENT

Piyush Mishra

Rang-Mastaaney Sanstha in collaboration with Rajasthan Department of Art, Culture and Archaeology is organizing an 8-day theatre festival 'Rang Rajasthan' at Jawahar Kala Kendra. There will be over 15 plays, more than 7 folk art performances, various dialogues and discussions as well as storytelling sessions.

Rang Rajasthan

To promote Rajasthani language theatre on a national as well as international level and to preserve the state's cultural roots and folk arts, an 8-day 'Rang-Rajasthan' theatre festival is being organized at Jawahar Kala Kendra (JKK) by Rang-Mastaaney Sanstha in collaboration with the Department of Art, Culture and Archaeology, Government of Rajasthan from 20th to 27th of March. The seventh edition of Rang Rajasthan will see the participation of over 300 theatre artistes from across the country who will strive to connect the audiences with various forms of art. The festival will witness enriching activities relating to acting, theatre, theatre management, folk arts, folk theatre, music, heritage as well as culture under one roof. Discussions and storytelling sessions with the stalwarts of theatre will also take place.

Theatre Performances

Telling more about the event, Abhishek Mudgal shared that theatre teams from Mumbai, Jabalpur, Manipur, Bhopal, New Delhi, Kota, Jodhpur, Udaipur, and Bikaner will give their theatrical performances in Jaipur. Folk dramas, folk songs and dances of Rajasthan will also be presented at the festival. For the smooth operation of the program, an organizing committee has been formed, in which senior and young artistes of Jaipur have been included.

President of Rang-Mastaaney Sanstha, Hanuman Sahai Sharma said: "Jaipur has a proud tradition of theatre, literature as well as art and culture. 'Rang-Rajasthan Theatre and Art Festival' is an effort to make this tradition more energized. The Festival will be an event in which committed and dedicated artistes associated with the field will gather to offer their expertise. Through this festival, many talented artistes will get a chance to perform after the difficult times of the pandemic. This festival is also significant as it will acquaint young theatre artistes and audiences with different styles of theatre, art and culture".

Multitude of Events

On the opening day of the festival (20th of March), there will be musical performances by Sawai Bhatt of the Indian Idol fame as well as by the band, Raag Dhani.

From 21st to 27th of March, plays will be staged daily in the Krishnayan and Rangayan auditoriums of the JKK. Talk shows with theatre artistes will also be organized daily.

The star attraction of the event will be the performance of renowned theatre and cinema artist, Piyush Mishra along with his band, 'Ballimaaraan'. This will take place in the evening of March 24, at Madhyavarti in Jawahar Kala Kendra. Equally active in theatre, literature, music and cinema, Piyush Mishra is well-known among the youth for his performances and songs in films like Gangs of Wasseypur, Gulaal, Shaukeen, Happy Bhag Jayegi, Dil Se, among others.

#FESTIVITIES

Your go-to Dance Playlist

Holi is around the corner and celebration cannot be completed without good music and food. Here, we bring to you some of the most popular Bollywood tracks that are perfect song-dance numbers for Holi parties. Take a look.

Holi has remained an integral part of Bollywood culture, be it real-life Holi parties where the who's who of the fraternity shed their inhibitions for unfiltered fun, or the reel-life where the festival is a springboard to introduce a delicious twist.

The frolic of Holi has been well captured on the celluloid for decades. From Rajesh Khanna's crooning "Aaj Na Chhodenge" to Amitabh Bachchan – Rekha romancing in "Rang Barse", from Shah Rukh Khan's "Soni Soni" to Ranbir Kapoor – Deepika Padukone's vibrant "Balam Pichkari", Holi sequences have brought with them ample of emotions and story graphs.

If you are planning to throw a Holi party this year, then your playlist must have some super hit tracks. Therefore, we decided to treat you with some Holi Songs that you can play this year.

Hindi Holi songs

- Balam Pichkari
- Do Me A Favour Let's Play Holi
- Rang Barse
- Hori Khele Raghuveera
- Aaj Na Chodenge Bas Humjoli Khelenge Hum Holi
- Badrinath Ki Dulhania Title Song
- Gali Gali
- Mind Na Kariyo Holi Hai
- Gori Tu Latth Maar

- Holi Ke Din
- Holi Khele Ranghuveera
- Rangi sari gulabi chunariya
- Holi hain
- Are Ja Re Hat Natkhat
- Holiya Mein Ude Re Gulal
- Rang Rang Mere Rang Rang Main
- Holi Aayi Re

Add these peppy numbers to your playlist this Holi and dance like there's no tomorrow. People also relish on some lip-smacking sweets like Gujiya - a traditional sweet made on Holi and Thandai, which is a Holi-special drink made of milk. Some people also binge on some bhang, which is cannabis added to thandai.

We wish you all a safe and colourful Happy Holi!!

THE WALL

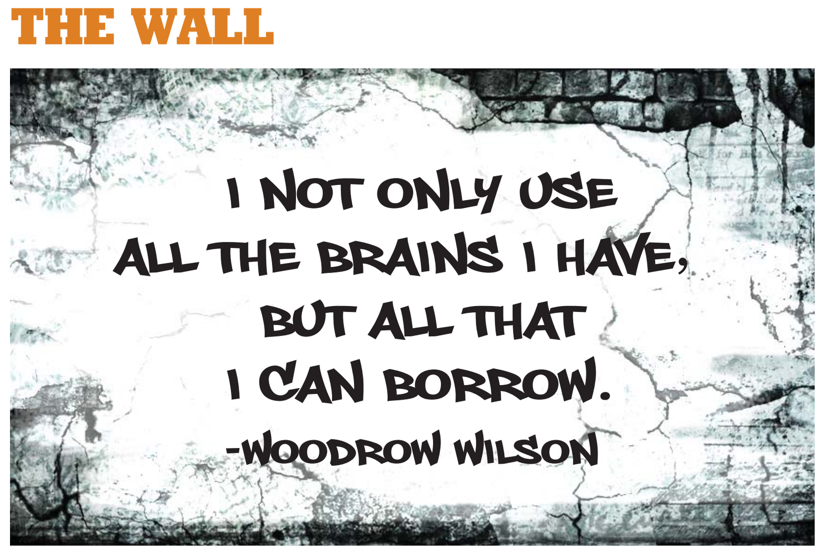

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

हरीश पालीवाल - वकीलों में चाणक्य
मो. शरीफ छीपा - अस्तांचल की ओर

खाकी

हिंगलाजदान - अपराध नियंत्रण में है
राजेन्द्र प्रसाद गोयल - सभी पर निगाहें
मनोज कुमार - ओम शांति शांति
डॉ. राजीव पचार - काम का आया मजा
कैलाश त्रिवेदी - प्रहरी सतर्क है
माधुरी वर्मा - डयूटी जारी है
अनन्त कुमार - आतंक का होगा सफाया
अशोक मीणा - परिक्रमा कर आया हूं
गोपालस्वरूप मेवाड़ा - सभी से है संपर्क
मुकेश सांखला - पुलिस का जवान जवान ही रहेगा
हर्ष रत्नू - जय हिन्द
महेन्द्र पारिक - परामर्श देता रहूंगा
उमेश ओझा - पीड़ित की कोई सीमा नहीं
राजेश भारद्वाज - जय महादेव
विवेक सिंह - डी के अंदर हूं
स्वाति शर्मा - काम की पूजा
मंजित सिंह - अनुसंधान जारी है
रतन चावला - शहरवासियों में आया बदलाव
डूंगरसिंह चुण्डावत - पीडिता को मिलेगा न्याय
हनुवन्त सिंह भाटी - मिलनसार
चेतान भाटी - नारी शक्ति जिंदाबाद
रामनिवास - ट्राफिक खुलने वाला है
भरत सिंह - जाप्ता लगा हुआ है
जरनैल सिंह - अपराधी नहीं बचेगा
लीलाधर मालवीय - अनुभव काम आएगा
हिमांशु सिंह - मैं हूं सिंघम
भवानी सिंह राजावत - पूछे बिना नो एंट्री
रामसुमेर मीणा - शहर हो या हाईवे फर्क नहीं
रविन्द्र चारण - खैरियत है
जितेन्द्र आंचलिया - शहर में आया हूं
गोपाल चन्देल - हर हाल में खुश
सुनिल टेलर - यस सर
श्यामसिंह रत्नू - मददगार रहूंगा
गोविन्द सिंह - रमता जोगी
दलपत सिंह - मार्बल कारोबारी कब्जे में
नरेन्द्र जैन - मैं किसी से कम नहीं
चेलसिंह चौहान - टीएसपी से आया हूं
साबिर खान - जंगलराज नहीं चलेगा
गोपालकृष्ण - सच्चा आदमी
जितेन्द्र सिंह - सब समझ गया हूं
सुधा पालावत - काम बोलता है
राजेन्द्र सिंह जैन - लम्बी रेस जीता हूं
विक्रम सिंह - हाइवे पर नाकाबंदी है
रविन्द्रप्रताप सिंह - पुराना खिलाड़ी हूं
कैलाश कुंवर - जय राणा प्रताप की
कुशाल चौरडिया - क्षेत्र में जागृति हुई है

आबकारी

चेतन देवड़ा - सर्व हितैषी
प्रज्ञा केवलरमानी - काम से काम
कविता पाठक - सादगी से चले
रामगोपाल मीणा - सटीक चयन
विवेकानंद शर्मा - अनुभव का लाभ
प्रकाशचन्द्र रेगर - वागड़ रास आया
लोकेश जोशी - अपने तो अपने होते है

आरएसएमएम

ओमप्रकाश कसेरा - मिलनसार
तुलसीराम अग्रवाल - काम से काम
बी.एस. पत्रावत - कार्य ही पूजा है

खान विभाग

कुंजबिहारी पण्डया - भलामानस
हर्ष सावनसुखा - डटे रहो
एन.के. कोठारी - पारी पूरी हुई
महेश माथुर - दो नावों में सवार
पुष्करराज आमेटा - भक्त प्रहलाद
गिरीश कच्छारा - चलते रहो

अजमेर
तारागढ़ के तबलची

राजस्व मंडल

राजेश्वर सिंह - मैं ओर मेरा काम
मोहन लाल यादव - सब का साथी
विनीता श्रीवास्तव - काम से काम
मनोज कुमार नाग - सर्वगुण सम्पन्न
सुनिल कुमार शर्मा - मुझे साईलेंट रहने दो
हरिशंकर गोयल - सब ठीक है
रामनिवास जाट - मिलनसार
सुरेन्द्र माहेश्वरी - मस्त रहो मस्ती में
सतीशचन्द्र गोदारा - सीधा सच्चा
पंकज नरूका - हम चौड़े गली सकड़ी
महेन्द्र कुमार पारख - अपने दम पर
सुरेन्द्र कुमार पुरोहित - सत्यवादी
रवि डांगी - मै भी साहब बन गया
प्रिया भार्गव - जिम्मेदारी का बोझ
सुरेन्द्र कुमार शर्मा - कोशिश जारी
भंवर सिंह सांडू - किस्मत खुली

लोक सेवा आयोग

संजय श्रोत्रिय - मीडिया से दूरी
मंजू शर्मा - विश्वास की वजह
राजकुमारी गुर्जर - विवाद
रामू राम राइका - मीठी गोली
संगीता आर्य - तेरी मेहरबानिया
जसंवत सिंह राठी - कुछ दिन ही सही
बाबूलाल कटारा - हाल में मस्त
एचआर अटल - शांत मन
आशुतोष गुप्ता - एक्टिव

शासन के तीरंदाज

बीएल मेहरा - तुरन्त दान महाकल्याण
अंशदीप - पीआरओ से पूछो
के सी शर्मा - ना राई ना दुहाई में
राजेन्द्र अग्रवाल - मीडिया
अनुपमा टेलर - मेहनती
आलोक जैन - निष्ठावान
अंकित पचार - विवाद
अंकुर गोयल - अल्हा की गाय
भानू प्रताप गुर्जर - मास्टर मांइड
संतोष प्रजापति - मै तो बच गया

खाकी

रूपिन्दर सिंघ - काम ही मेरी शान
विकास शर्मा - मेरी तो तीसरी आँख
विकास सांगवान - ग्रामीण थाने में अंडर में
धर्मवीर जानू - काम से खुश
मुकेश सोनी - मस्त मौला
डॉ. प्रियंका रघुवंशी - लैडी सिंघम
राजेन्द्र प्रसाद - सीधा साधा

डेयरी

रामचन्द्र चौधरी - अब किसी का डर नही
उमेश चन्द्र व्यास - मेहनती
रामलाल चौधरी - आज्ञाकारी
लादूराम - चलती का नाम गाडी
अतुल सक्सेना - काम से काम
श्वेता - मुझे चैन से रहकाने दो

कांग्रेस

महेन्द्र सिंह रलावता - हम चौड़े बाजार सकड़े
विजय जैन - उम्मीद लगाये बैठा
जसराज जयपाल - ढल गये वो दिन
डॉ. श्रीगोपाल बाहेती - इस बार भी नही लगी
गजेन्द्र सिंह रलावता - पहली मंजिल से जमीन पर
कमल बाकोलिया - न यार न यारी
राजकुमार जयपाल - अब दिन फिरने वाले?
राजेश टंडन - चल निकली दुकान
प्रताप यादव - अब चेतने लगी
शैलेन्द्र अग्रवाल - बुझती ट्यूब लाईट
कमल गंगवाल - छपासी
वैभव जैन - साधा जीवन उच्च विचार
विजय नागौरा - आजा खेल में दस वाली बीस में
अशोक बिदंल - अब तो सुन लों

काला कोट

मोहन सिंह - बार का मोदी
अनिल शर्मा - नई उम्र फ्रेस...
आनंद शर्मा - साईलेंट
संजय गुर्जर - उंच्चे रसुकात
आकाश विश्वकर्मा - नम्बर एक गविया
के सी जोनवाल - आवाज ए कलम
विवेक पाराशर - फिर लगी लॉटरी
नरेन्द्र सिंह - मैं भी हूं दौड़ में
शशि प्रकाश इंदौरिया - जी भाई साब
प्रशांत यादव - मै हूं ना
जितेन्द्र सिंह खेतावत - चाय पी के जाना
जिनेश सोनी - मैं और मेरी दुकान
अजय त्रिपाठी - जगत बाबू जी
ललित कुम्पावत - महिलाओं से तोबा
अजीत पहाडिया - हिसाब किताबी
रमेश धाबाई - एक केस तो दे दो

बिजली विभाग

एन एस निर्वाण - संभल कर चलना
राजीव वर्मा - ठंडी दुकान
मुकेश बाल्दी - यस सर
एम एल मीना - अब नया करने का
एन के भटनागर - कलाबाजी
एन एल राठी - काम का माहिर
एम के गोयल - कुर्सी के इंतजार में
ए के जगेटिया - तकनीकी में पीछे
नेहा शर्मा - काम की जानकार
शीशराम - परदेशी-परदेशी जाना नही
विनित कुमार जैन - अब चल पडेगी

चीरफाड़

डॉ के के सोनी - अपनी डबली, अपना राग
डॉ वीर बहादुर सिंह - एक्स टेंशन
डॉ अनिल जैन - किसी कि नहीं सुनना
डॉ संजीव माहेश्वरी - हीरो ऑफ युनिट
डॉ अनिल सामरिया - छैला बाबू
डॉ रोहित अजमेरा - नींबू पीके आना
डॉ महेन्द्र जैन - इलाज तो कर दूंगा
डॉ पी सी वर्मा - अब दिन बीत गये
डॉ दिग्विजय सिंह - मेहनत का राजा
डॉ बी एस कर्नावट - पालनहारे
डॉ एम जी अग्रवाल - हंसमुख
डॉ रेखा माहेश्वरी - हीरो की पावर
डॉ श्याम भूतडा - सर्जरी का हकीम
डॉ एम पी शर्मा - चमड़ी जाय पर दमड़ी न जाये
डॉ एस के भास्कर - चौबे जी छब्बे जी बनने चले, दुबे जी बनकर लौटे
डॉ हमेश्वर हर्षवर्धन - हड्डियों का हकीम
डॉ भगवत सिंह राव - गुटखा
डॉ यू के माथुर - सीधा साधा
डॉ नरेन्द्र शाह - मिलनसार
डॉ धीरज डागा - सब ठीक है

रेलवे

नवीन कु. परसुरामका - इंजन की बंद लाईट
के आर चौधरी - अनुभवी
संजीव कुमार - मस्त मौला
विवेक रावत - जयपुर की जिम्मेदारी
अशोक चौहान - मेरा नाम मत लेना

समाज के ठेकेदार

कालीचरण खंडेलवाल - सेवाभावी
प्रकाश जैन - जाने कहा गये वो दिन
विष्णु गर्ग - सेवा चाकरी
बाबू लाल साहू - मददगार
राजेन्द्र गांधी - पुराना ईत्र
रमेश लालवाणी - हमारी भी खबर
महेन्द्र विक्रम सिंह - गुमनाम
उमेश चौरसिया - अपनी मस्ती में
महेन्द्र जैन मित्तल - रजका खत्म हो गया
एस एन बाहेती - अब तो सुन लो
पुखराज पोखरणा - नई जिम्मेदारी
पीएम जैन - नई उमंग नया उत्साह
शिखरचन्द सिंघी - दही में केसर
अनिल कोठारी - अपनी भी लॉटरी लगी
किशनचंद गुप्ता - व्यापारियों का हितैषी
मधु खंडेलवाल - यहां भी वहां भी
डा पूनम पांडे - हर जगह

स्मार्ट सिटी

अविनाश शर्मा - स्मार्ट बनाकर छोडूंगा
राजेन्द्र कुडी - काम का इनाम

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

लक्ष्मी नारायण मंत्री - रीट की चुनौती
मेघना चौधरी - सरकार का विश्वास
रश्मि बिस्सा - कैश लेस
राजेन्द्र गुप्ता - मुंह में राम बगल में छुरी

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय

प्रो अनिल शुक्ला - मीडिया से हूं
गजेन्द्र सिंह राठौड़ - 2 ओर 2 पांच
प्रो शिव दयाल सिंह - परीक्षा बोझ
प्रो सुब्रतों दत्ता - अन्य कामों में व्यस्त
प्रो प्रवीण माथूर - संगोष्ठी में माहिर
सुनील टेलर - प्रमोशन का इंतजार
प्रो राजू शर्मा - नेतागिरी
मदन मीणा - मीडिया फ्रेडली

एडीए

अक्षय गोदारा - जन सुनवाई
किशोर कुमार - जानकार
अशोक चौधरी - काम का बोझ
अरूण कुमार जैन - तबादले की तलाश में
सुनीता यादव - नई खिलाड़ी
राजकिशोर मीणा - एडीए की कमाई
अनिल गुप्ता - काम से काम
अरविंद कविया - शांत मन
प्रेमचन्द्र कनौजिया - मस्त
लोकेन्द्र शर्मा - दूर से नेतागिरी
चरणजीत महावर - प्रमोशन का इंतजार
नवाब अली - हमको सब पता है
राजेन्द्र राठौड़ - जी हुकम
गुरजीत सिंह - मददगार
प्रवीण तत्वेदी - क्या करे कोई काम ही नही करने देता

राजप्रकाश यादव - काम से काम
संजय शर्मा - काम काज में व्यस्त
सुनील शर्मा - मस्त मौला
विजय विजयवर्गीय - भोला भंडारी
महेन्द्र गहलोत - जी भाई साहब
हर्ष वर्मा - देखता हूं
मनोज सेठी - साधारण

नरक निगम

ब्रजलता हाडा - नाम की
नीरज जैन - महापौर
देवेन्द्र कुमार - सामन्जस्य
सीता वर्मा - काम का बोझ
पवन मीणा - निगम का खजाना
रूपाराम चौधरी - देख लेंगे

भाजपा

वासुदेव देवनानी - अखबारबाजी
अनिता भदेल - ऑक्सीजन कंसट्रेटर
डॉ प्रियशील हाडा - पार्षदों को कैसे खुश करे!
सुरेन्द्र सिंह शेखावत - नया चैनल
रमेश सोनी - ठंडे बस्ते में
जेके शर्मा - अब धर की सरकार
बीपी सारस्वत - पैट्रोल की दरें
अरविंद शर्मा - नित नई योजनाएं
रचित कच्छावा - बडा नेता
अनिश मोयल - भईया देखना
धर्मेन्द्र चौहान (पंचम) - सक्रिय

बिजयनगर

राकेश पारीक - घणी-गई थोड़ी रही
संग्राम सिंह गुर्जर - गांव गरीब की सेवा
डॉ स्वाति झा - मजबूत इरादे
दिनेश कुमार चौधरी - सब ठीक कर दूंगा
अनीता मेवाड़ा - प्रशासन नहीं सुनता
विकास कु. कुमावत - ऊपरवाला मेहरबान
आशीष सांड - सुर्खियों में रहने का शौक
तरुण कच्छावा - राज का मजा
प्रीतम बडोला - माया मिली ना राम
ज्योति यादव - कोशिश अधूरी रही
ललिता छिपा - वोटों की जीत 3 वोटों से हार

जालोर
मरूभूमि के भोमिये

राजनीतिज्ञ

पुखराज पाराशर - ताकत दिखाई
देवजी पटेल - राम नाम की आश
राजेश राणा - मेरी चलती नहीं
जोगेश्वर गर्ग - सबका साथ सबका विश्वास
छगनसिंह राजपुरोहित - प्रतिद्वंदी से खिन्न
पुराराम चौधरी - फेविकोल का मजबूत जोड
नारायणसिंह देवल - चित भी मेरी पट भी मेरी
नारायणसिंह राजपुरोहित - समय बड़ा बलवान
संतोष कंवर - बाजी पलटी
धोमी देवी - दर्शन दुर्लभ
किरण भारतीय - घुंघट की ओट में
राघवेन्द्रसिंह - किस्मत वाला
गोविन्द टॉक - चार दिन री चांदनी
नरेश सेठ - बंदर बॉट
विमिला बोहरा - जमी जमाई जाजम
रतन देवासी - चाहे लाख तुफॉ आए
डॉ. समरजीतसिंह - पायलट भरोसे जहाज
श्रवणसिंह राव - नौ दिन चले अढाई कोस
शंकरसिंह राजपुरोहित - कबाब में हड्डी
मंजू मेघवाल - ठोकर खार हुंस्यार होय
रामलाल मेघवाल - चलती का नाम गाडी
सवाराम पटेल - रबड़ स्टाम्प
ऊँमसिंह - चिकना घडा
जीवाराम चौधरी - हारे घर न बैवे
अमृत मेघवाल - घर का भेदी लंका ढावे
रविन्द्रसिंह बालावत - संगठन का सिपाही
दानाराम चौधरी - पुरोहितों को भरोसे
हीरालाल विश्नोई - साहब का आसरा
डॉ. भरत मेघवाल - देखा एक ख्वाब तोये सिलसिले हुए
राव मोहनसिंह - राजभोग नहीं लिखा
सावंलाराम देवासी - विधायक की दौड़
भंवरलाल मेघवाल - कौवा चला हंस की चाल
रमिला मेघवाल - निगाहें जालोर पर
विरेन्द्र जोशी - आंख का तारा
जुल्फीकार अली भुट्टो - जमाने को दिखाना है
सुल्तान भाटी - धन बल
रमेश सोलंकी - आप भला सो जग भला
कालूराम मेघवाल - लौटरी खुला
अंबालाल व्यास - देव दूत
बाबूलाल मेघवाल - माल से चाल ओवे

शासन के तीरंदाज

नमृता वृष्णि - कला प्रेमी
लोकेश कुमार मीणा - शायर
संजय वासु - होनहार
चम्पालाल जीनगर - पीड़ितों का मसीहा
जवाहर राम चौधरी - धीमी गति के समाचार
प्रकाशचन्द्र अग्रवाल - खुराफाती
ओम प्रकाश माचरा - कृपा पात्र
सुरजभान विश्नोई - सरल स्वभाव
मृदुला शेखावत - मृदुभाषी
ओमप्रकाश गोडदिया - मिलनसार
डॉ. गजेन्द्रसिंह देवल - पांचों घी में
ताराचंद कुलदीप - जाजम जमी
अनूप गहराना - टोल बना सरदर्द
एन के जोशी - नया पंछी
चुन्नीलाल परिहार - दो नावों की सवारी
महिपालसिंह - जो हुक्म ने जोखो नी
रामसिंह राव - अक्खड मिजाज
हितेष त्रिवेदी - नया पंछी
नाणगाराम चौधरी - हम किसी से कम नहीं
हरिप्रसाद नामा - मेहनती
सत्यप्रकाश शर्मा - खुमारी में
नाथूसिंह - मिठी गोली
वेद प्रकाश आशियॉ - कॉटो का ताज
कौशल्या जांगीड - ब्यूटी क्वीन
लक्ष्मणसिंह सांदू - हठधर्मी
आशुतोष आचार्य - दादागिरी
सीपी वर्मा - राजनैतिक दबाव में तंग
दिलीप माथुर - दम मारो दम

खाकी

हर्षवर्धन अग्रवाल - राजकुमार
डॉ. अनुकृति - नारी सशक्तिकरण
दशरथ सिंह - यस सर
हिम्मतसिंह चारण - हम चौड़े
सीमा चौपड़ा - लेडी सिघंम
शंकरलाल - मस्तमौला
रूपसिंह इंदा - बुरे फंसे इस राज में
धर्माराम - युवा जोश
अरविन्द कुमार - फिर भी हिट
नरेन्द्र पवांर - यार बाज
निरंजन प्रतापसिंह - मस्तमौला
ध्रुव प्रसाद - मदमस्त
लक्ष्मणसिंह - वक्त गुजारू
पदमाराम - रोकड़ गिनने में माहिर
प्रवीण आचार्य - अंधेर नगरी
लीला कुमारी - नारी शक्ति

छत्तासिंह - नौ पैण्डेंसी जोधपुर

जोधपुर

राजनीतिज्ञ

गजेन्द्रसिंह शेखावत - पंजाब फैलियर
कुंती देवडा - सब का साथ, सब का विश्वास
वनिता सेठ - जमाने को दिखाना है
घनश्याम ओझा - घर की मुर्गी
पूनाराम चौधरी - चलती का नाम गाड़ी
किशनाराम विश्नोई - नाच ना जाने आंगण टेढ़ा
मनीषा पंवार - धूल में लठ
सूर्यकांता व्यास - झांसी की रानी
दिव्या मदेरणा - विद्रोही
पब्बाराम विश्नोई - कोई सुनता नहीं
पुखराज - हम नही सुधरेंगे
मीना कंवर - दर्शन दुर्लभ
महेन्द विश्नोई - समय बड़ा बलवान
हीरालाल मेघवाल - अधूरी कहानी
जसवंतसिंह विश्नोई - जाने कहां गए वो दिन
राजेन्द्र गहलोत - म्है लाडे री भुआ
राजेन्द्र सोलंकी - मुख्यमंत्री ने कद्र ना जानी
देवेन्द्र जोशी - प्रचार मास्टर
कैलाश भंसाली - सपनों की दुनिया में
रामेश्वर दाधिच - जेडीए पर नजर
सईद असांरी - वो भी क्या दिन थे
सलीम खान - जमाने को दिखाना
नरेश जोशी - मुश्किल राहें
मेघराज लोहिया - वक्त का इंतजार
रमेश बोराणा - मेला मंडुक
सुनील परिहार - सपनों का सौदागर
वैभव गहलोत - खोटा सिक्का

शासन के तीरंदाज

राजेश शर्मा - सदा बहार
हिमांशु गुप्ता - कर्तव्य निष्ठ
नवज्योति गोगाई - मुकद्दर का सिकन्दर
हरेन्द्र सिंह महावर - सदाबहार
अरूण कुमार पुरोहित - चलता पूर्जा
राजेन्द्र सिंह कविया - पिंजरे का पंछी
अभिषेक सुराणा - कर्मयोगी
डॉ. इन्द्रजीत यादव - दबंग
स्वाति पुरोहित - हम किसी से कम नहीं
राजेन्द्रसिंह राठौड - राठौडी कायम है
आशीष वर्मा - काम चलाऊ सरकार
बहादुरसिंह - उंची दुकान फिके पकवान
एनके बोहरा - सफेद हाथी
गोपाल शर्मा - वो भी क्या दिन थे
ललित मतवानी - सदाबहार

साहित्यकार

रामप्रसाद दाधिच - पुराने चावल
शीनकाफ निजाम - इन्टरनेशनल का बुखार
हबीब कैफी - हर दिन अजीज
श्याम सुंदर भारती - छुपा रूस्तम
दिनेश सिंदल - मंच की शोभा
डॉ. रमाकांत शर्मा - जाऊं कहां बता ऐ दिल
मुरलीधर वैष्णव - वो भी क्या दिन थे
आईदानसिंह भाटी - परम्परागत
डा. सत्यनारायण - यादों के सहारे
हसन जमाल - जाने कहां गए वो दिन
हरिदास व्यास - राष्ट्र प्रेमी
नवल जोशी - दूर गगन की छांव में
मीठेश निर्मोही - भूतनाथ
सईद कादरी - हम चौडे गली संकडी
शीन-मीम-हनीफ - हमारे भी दिन आएंगे
सत्यदेव चूरा - चलता पुर्जा
अनिल अनवर - राजधानी के हो लिए
प्रेम तन्मय - अधूरे सपने
डा. पदमजा शर्मा - हम चौडे गली संकडी
सैयद मुन्नवर अली - जमाने ने कद्र नहीं जानी
जहूर खां मेहर - इतिहास की बात

जैसलमेर

राजनीतिज्ञ

रूपाराम मेघवाल - ऐतिहासिक सोच का धनी
प्रतापसिंह - संगठन में शक्ति
हरिवल्लभ कल्ला - प्रथम नागरिक
अंजना मेघवाल - काम बोलता है
छोटूसिंह भाटी - सबका साथ-सबका विश्वास
उम्मेदसिंह तवर - सौ टंच खरा
चंद्रप्रकाश शारदा - जन जन का लाडला
शुशील व्यास - कमल खिलाएंगे
पवन सुदा - भावी न्यास अध्यक्ष
घनश्यामदास केला - टीम वर्क

शासन के तीरंदाज

डॉ. प्रतिभासिंह - विकास ही मूलमंत्र
भंवरसिंह नाथवात - टाइगर नंबर वन
टी. शुभमंगला - सब पर नजर
रामनिवास बावल - सदा बहार

बाड़मेर

राजनीतिज्ञ

कैलाश चौधरी - साहब दिल्ली है
मेवाराम जैन - चाणक्य
महेन्द्र चौधरी - क्या लेके आये थे, क्या लेके जाएंगे
दिलीप माली - इस्तीफा दे दूंगा
डॉ. प्रियंका चौधरी - इंतहा हो गई इंतजार की
आदूराम मेघवाल - अपना फंडा क्लियर है
आजाद सिंह राठौड - अपना टाइम आएगा

शासन के तीरंदाज

लोकबंधु - स्ट्रैट फारवर्ड
दीपक भार्गव - अपना काम बोलता है
मोहनदास रतनू - ईमानदार अधिकारी

सिरोही-आबूरोड
सिणधरी

शासन के तीरंदाज

वीरमाराम - मिठी छुरी
ममता लहुआ - टाबर रेवे कोनी
अमित कुमार - हरीशजी री करू आरती
नवलाराम - गाड़ी चली ससुराल
सुमेरसिंह - दोनों हाथों सूं
बलदेवाराम - सुननी सब री करनी मन री
डॉ. उम्मेदाराम चौधरी - सिर पर प्रधानजी रो हाथ
डॉ. अर्जुनराम विश्नोई - जाम्भोजी री चरण में

राजनीतिज्ञ

हमीरसिंह भायल - जबसा ने ठा हैं
वगतूदेवी - पुण्य रो प्रताप
चुन्नीलाल माचरा - सिर पर मंत्रीजी रो हाथ
पूनमाराम जाणी - महादेव री माया
भंवराराम गर्ग - कागजी घोड़ा
निम्बाराम प्रजापत - हमके मार पड़ी

पाली मारवाड़

राजनीतिज्ञ

पी. पी. चौधरी - कोई ठिकाना नहीं
ज्ञानचंद पारख - दवाई वाले बाबा
रश्मि सिंह - ठकरानीसा
मोहिनी देवी - घासा
रेखा राकेश भाटी - होशियार

मंशाराम परमार - पार्टी का वफादार
चुन्नीलाल चाडवास - मिला इनाम
केवलचंद गुलेच्छा - विधायक का सपना
महावीर सिंह - जमाई पेठ
अजीज दर्द - शायर
भीमराज भाटी - जमीन तलाश

शासन के तीरंदाज

नमित मेहता - जिले मे बनाऊगा खेल मैदान
चनुमानसिंह भाटी - ठाकर साहब
रामप्रकाश - जी सर
ललित गोयल - सीधा साफा
लक्ष्मीनारायण - गायब
रामप्रकाश मिर्धा - नहीं हटूंगा
राजन दुष्यन्त - काम के प्रति लगन
अनिल चारण - अनुभव की जरूरत
मंगलेश चुंडावत - डयूटी पर पाबन्द
सुरेश कुमार - जांबाज

हिण्डौन सिटी
हिण्डौन सिटी के हिंडौले

राजनीतिज्ञ

भरोसी लाल जाटव - शातिर राजनीतिज्ञ
विनोद जाटव - खुल गई किस्मत
बृजेश जाटव - ले रहे अनुभव
ओमप्रकाश माम - खूब चल रही चवन्नी
हेमेन्द्र वशिष्ठ - इंतजार शुरू
कृपाल मीना - कम्पनी कमाण्डर
राजकुमारी जाटव - अभी उम्मीद बाकी
लज्जारानी - अभी तो मैं जवान हूँ
दिनेश सैनी - मजबूत विरोध
जगदीश शर्मा - गुमनाम चहरा
नरेश गुर्जर - फिर बल्ले-बल्ले
अशोक पाठक - फिर नये की तलाश में
मंजू खैरवाल - फिर गुमशुदा
अनीता जाटव - मौके की तलाश में
बबली चतुर्वेदी - कर्मठ कामगार
लेखेन्द्र चौधरी - मुकाम की ओर
नफीस अहमद - शातिर खिलाड़ी
डां. हेमलता - राजनीति रास आई
गीता रानी शर्मा - मिल गया मौका
शरदो गुर्जर - जगह बनाई
विजय बैंसला - हो गई ताजपोसी
भूपेन्द्र सोलंकी - सहकारिता के हिमायती
अजय मित्तल - नेतागीरी कायम
क. किरोड़ी सिंह बैसला - गुर्जर सम्राट
मोहिनी सिंघल - ये क्या हुआ
अनिल गोयल - लाउड स्पीकर
शिवसिंह सेजवाल - प्रगति के पथ पर
भगत सिंह - कर्मठ कामगार
चरण सिंह सोलंकी - मिल गया ताज
धर्मा डागुर - सपना साकार
मनीष बंसल - अच्छा ठीक है
शीला चंदन - विधानसभा की राह पर

शासन के तीरंदाज

अनूप सिंह - काम आ रहे हैं पुराने अनुभव
गजानन्द मीना - शांति कायम रहे
कीर्ति कुमावत - कागजी जमीदार
काजल - शानदार ओपनिंग
किशोरी लाल - टाईम पास
वीरसिंह - लगे रहो मुन्ना भाई
गिर्राज - फिर लौट आए
कृपाल सिंह - नहीं टूटा हिण्डौन से मोह
रविन्द्र मीना - घोटालों के घेरे में
भगवान सहाय - लीकेज पाईप लाईन
ज्ञानासिंह - हमें पता नहीं
धर्म सिंह - सहाब मेहरबान
शरीफ अली - सड़क के पहरेदार
दयाल सिंह सोलंकी - हर जगह फिट
कैलाश मीना - सीधी सीधी
प्रतिभा शर्मा - पूरी मेहनत
सीमा जादौन - काम से काम
प्रकाश बैनीवाल - सिद्धांतवादी

चीरफाड़

डॉ. नमोनारायण मीना - विदाई की तैयारी
डॉ. रामराज मीना - कमीशन पर ध्यान
डॉ. रामहरि मीना - मरीज की मुस्कान
डॉ. आशीष शर्मा - सेवा भावी
डॉ. सुनील गुप्ता - गरीब की बकरी
डॉ. बृजेश चौधरी - सिंघम
डॉ. जयवीर बैनीवाल - शिशु सेवक
डॉ. रंजना खोखर - काम से मतलब
डॉ. ओपी मीना - सूट बूट में आया कन्हैया
डॉ. अंतरसिंह मीना - बीमार चिकित्सक
डॉ. जलसिंह खटाना - ब्रह्माजी
डॉ. पुष्पेन्द्र गुप्ता - कमाई शुरु
डॉ. दीपक चौधरी - उन्नति की राह पर
डॉ. आनन्द - विरोधी के मजबूत स्वर
डां. अंकुश - अनुभवी चिकित्सक
डां. रेखा - सत्ता महरवान
डां. विजय मीना - ताजा अनुभव
डां. पूजा - मोबाइल में तल्लीन
डां. अजय शर्मा - फूल सक्सेज
वैद्य प्रमोद शर्मा - जडीबूटी

गंगापुर

राजनीतिज्ञ

सुखवीर सिंह जोनपुरिया - मालपुरा के दोरे पर
रामकेश मीना - क्षेत्र में मेरी मर्जी चलेगी
मानसिंह गुर्जर - जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्षशील
शिवरतन अठावाल - सबका सम्मान
हरिप्रसाद बोहरा - समय का खेल
संगीता बोहरा - महिलाएं किसी से कम नहीं
गीता देवी नरूका - मिलनसार
दुर्गा प्रसाद अठावाल - राजनीति में जातिवाद
राजेश अठावाल - व्यापार में व्यस्त

शासन के तीरंदाज

नवरत्न कोली - विधायक की मिजाजपोसी में अव्वल
अनिल चौधरी - शासन के साथ चलना
ज्ञानचन्द जैमन - हर वक्त तैयार
सुरेश खींची - कार्य के प्रति सजग
मुनेश मीना - नया खिलाड़ी
करणसिंह राठौड़ - ना काहू से दोस्ती ना काहू से वैर
नरसी मीना - बिना पावर के आयुक्त
शैतान सिंह - शैतानों को नहीं बख्शेंगे
रामकेश मीना - पानी के फेर में
हरिप्रसाद मीना - नये रोड बनाने है

चीरफाड़

बत्तीलाल मीना - कोरोना का टीका लगाना है
दिनेश गुप्ता - अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार करना है

टोडाभीम

राजनीतिज्ञ

रामस्वरूप मीना - आज भी लोग याद करते है
पृथ्वीराज मीना - लग गई तिकड़म
रामनिवास मीना - विरोधियों की उड़ाई नींद
घनश्याम महर - फिर मेरी याद आएगी

कल्पना मीना प्रधान - नियम से होंगे काम
अमृता सियाराम - आयरन लेडी
रूपसिंह मीना - अच्छे दिनों की आस
शिवदयाल मीना - खेत के मालिक
मोहम्मद इशहाक - सिफारिशों से फुरसत नही
रामराज मीना - देख दिनन का फेर
रमेश मीणा सोप - दिल का अरमा आंसुओ में बह गये
भवी मीना - आखिर हमारी तो चलेगी
हरिओम महर - अपनी भी पकड़ है
आसीन खान - मेरा भी एक सपना है
राघव मीणा - उम्मीद अभी बाकि है
बत्तीलाल - मैदान नही छोडूंगा
कमला मीना - मुझे कोई पूछता क्यों नही
रवीना मीना - भाजपा नेताओं के चुंगल में फंसी
राजेन्द्र शेखपुरा - नहीं मिला दल बदल का फायदा

शासन के तीरंदाज

दुर्गाप्रसाद मीना - कुशल प्रशासक
पृथ्वीराज मीना - मस्त मौला
अनिता मीना - मोम की गुड़िया
फूलचंद मीना - आप कहेंगे वही करूंगा
रामखिलाड़ी मीना - मुझसे बचके रहना
शम्भूदयाल मीना - बुरा फंसा
रेखा मीना - कहीं की नही रही
नरेश कुमार मीना - सडकों की गुणवत्ता से समझौता नहीं
मुकेश मीना - पांचों अंगुली घी में
दीनदयाल मीना - मीठी छुरी
डॉ. देवी सहाय मीना - ग्रामीण क्षेत्रों की बीमार चिकित्सा व्यवस्था
डॉ सीताराम मीना - कमीशन से चल रहा है काम
डॉ दीपशिखा मीना - ईद का चाँद
डॉ. रूपसिंह मीना - मेरी मानता कौन है
राजेंद्र मीणा - काम के पीछे टिका हूं
आशाराम मीना - सबका साथ सबका विकास
वनपाल लता मीना - खनन माफियों की बल्ले-बल्ले
बत्तू लाल मीना - फाइल पर वजन तो रखों भाई
भयसिंह मीना - कठपुतली

चूरू
शेखावाटी के हुड़दंगी

चूरू के कलपुर्जे

रेहाना रियाज - मैं भी हूं
हनुमान कोठारी - आ मैदानां मं
मकबूल मण्डेलिया - ना भाया ना
हरलाल सहारण - काडले नांव
रफीक मण्डेलिया - नाको लागै कोनी
गोविन्द महनसरिया - के पड़्यो है
मुस्ताक खान - साची कैवै लाई
गौरीशंकर मण्डावेवाला - मैं हूं न
मो. हुसैन निर्वाण - के करां
बनवारीलाल शर्मा - के काम आवै
ओम सारस्वत - मानणी पड़सी
रियाजत खान - सुणो तो सरी
मोहनलाल आर्य - तातै घावां
रणजीत सातड़ा - टेमूं-टेम
आशाराम सैनी - जाण दे बापड़ै नै
डॉ. वासुदेव चावला - सपनो ल्यो
दीपचंद राहड़ - और के तो
मोहनलाल गढ़ वाल - सागी हूं
पंकज गुप्ता - पावली चलगी
राधेश्याम चोटिया - आपां के करी
बसंत शर्मा - है बठैई रैण्द्यो
लालचंद सैनी - ना ओ
विजय शर्मा - गेलो कोनी लाध्यो
रघुनाथ खेमका - गुड़ खाल्यो
सुरेश सारस्वत - बतादेस्यां लाडी
रतनलाल जांगिड़ - कुण सुणै है
जमील चौहान - घणाईं भाजां हां
विकास मील - के मिल्यो
दीनदयाल सैनी - खर्चों ई लागै
आरिफ पीथिसर - बाजण द्यो
रामेश्वर प्रजापति - धाप्या कोनी के
नरेन्द्र सैनी - और लेल्यो
रमजान खान - भुलां कोनी
हेमसिंह शेखावत - थम ज्यावो
नारायण बालाण - तेल कड़ाई चढ़ै
रवि दाधीच - छांटा न लागज्या
अबरार खान - देखो ढांचो जचसी
रामनिवास सहारण - दे दड़ादड़
विक्रम कोटवाद - ब बातांईं गई
आमिन खान - बो तो कोनी जा
योगेन्द्र शर्मा - खायेड़ो कढ़ास्यां
अंजनी शर्मा - बस करो थे
भास्कर शर्मा - ढोल बजावां के
नरेन्द्र काछवाल - गुलगला खाल्यो
दौलत तंवर - टिगट ही नै
गिरधारीलाल तंवर - जाणग्यो मैं
राजकुमार सारस्वत - के कर्स्यो
भंवरलाल गुर्जर - लागग्या रै
महेश मिश्रा - ज्यान की बाजी
असलम खोखर - के जुगाड़ है
कालू महर्षि - बास्ते लागण दे
विश्वनाथ सैनी - ल्यो च्यां-चुप
लीलाधर चुलेट - खड़्या ना रो
अरविन्द बाघ - आगैसी जा दिखां
शिव कुमार शर्मा - ओ के होग्यो रै
डॉ. दुलाराम सहारण - जै हो जी
जुगल क्याल - सांग माड़ोई है
ई. सुरेश शर्मा - चालै गाडी
पत्रकार बनवारीलाल शर्मा - अं हैं
सुबौध मासूम - चलता पुर्जा
संत कुमार सारस्वत - जय बाबे की

लिखारा

नारायण सिंह दिलचस्प - परदेशी
बनवारी खामोश चूरूवी - गजलों के गुलेरी
प्रो. कमल कोठारी - राष्ट्रवादी
मंगल व्यास भारती - गीत गाता चल
चन्द्र प्रकाश ढंढ - जागती जोत

पाटन

सुरेश मोदी - उम्मीदों पर खरा
प्रेम सिंह बाजौर - टाइम पर देख लेस्यां
रमेश खंडेलवाल - तिल देखो तिलों की धार देखो
करण सिंह बोपिया - टिकट की सैटिंग
रघुवीर सिंह तंवर - भारतीय रेल के भरोसे
कांता प्रसाद शर्मा - बाबूजी का एडीसी
बृजेश कुमार गुप्ता - सफल डिप्लोमेट
सत्यवीर यादव - कहीं पर निगाहें कहीं पर निशाना
त्रिलोक दीवान - मैडम से बात करो
महेश मैगोतिया - पट्टों का सौदागर
सुवालाल सैनी प्रधान - बुरे फंसे मेहमान बनकर
मंजू सैनी - नीमकाथाना पर निगाहें
राजेश भाईडा - संघर्षशील जीवन

पांचवीं में निजी स्कूलों से मांग रहे 40 रुपए प्रति स्टूडेंट फीस

आठवीं बोर्ड में नहीं लिया गया परीक्षा शुल्क, 9 को जारी हुई गाइडलाइन

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग के दोहरे नियमों का खामियाजा प्राइवेट स्कूलों को भुगतना पड़ रहा है। पांचवीं बोर्ड के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब शिक्षा विभाग प्राइवेट स्कूलों से प्रति स्टूडेंट्स के हिसाब से 40 फीस मांग रहा है। यह फीस बच्चों से नहीं ली जानी है, बल्कि प्राइवेट स्कूलों को खुद वहन करनी होगी।

उधर, 8वीं बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो गई है और किसी भी स्टूडेंट से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया गया। पांचवीं बोर्ड के स्टूडेंट्स के शुल्क को लेकर निजी स्कूल संचालकों में नाराजगी है। निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि पांचवीं बोर्ड के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 फरवरी से शुरू होकर 15 मार्च को पूरी हो चुकी है। शिक्षा विभाग ने 9 मार्च को जारी गाइडलाइन में फीस के आदेश जारी किए हैं। विभाग को यदि फीस लेनी थी तो आदेश पहले ही जारी करने चाहिए थे।

उधर, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पांचवीं बोर्ड में निजी स्कूल के स्टूडेंट्स की फीस के आदेश नए नहीं हैं। अगले माह 19 अप्रैल से शुरू होने वाली पांचवीं बोर्ड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश भर से करीब 15 लाख अभ्यर्थियों ने पांचवीं बोर्ड परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। कोरोना के कारण पिछले दो साल से पांचवीं बोर्ड की परीक्षा नहीं करवाई गई। बिना परीक्षा के ही बच्चों को अगली कक्षा में प्रमोट किया गया। इस बार स्थिति सामान्य होने पर शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा ली जा रही है।

इस बारे में पेपा के प्रदेश समन्वयक गिरीराज खैरीवाल ने कहा कि आठवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स से किसी प्रकार का परीक्षा शुल्क नहीं लिया जा रहा है। पांचवीं बोर्ड परीक्षा में भी यह नियम लागू होना चाहिए।

स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कोडाराम भादू का कहना है कि शिक्षा सत्र 2019-20 में भी प्राइवेट स्कूलों से परीक्षा शुल्क लिया गया था लेकिन परीक्षा नहीं करवाई गई। वे फीस विभाग के पास जमा है।

स्कूल बुलाकर छात्रा से रेप की कोशिश

श्रीगंगानगर, (निसं)। सेतिया कॉलोनी की एक प्राइवेट स्कूल के डायरेक्टर पर छठी क्लास की छात्र से रेप की कोशिश का आरोप लगा है। पीड़ित छात्रा की मां ने दुष्कर्म के प्रयास का यह मामला दर्ज करवाया है।

छात्रा की मां का आरोप है कि स्कूल संचालक ने उसकी बेटी को पढ़ाने के लिए स्कूल बुलाया और उससे छेड़छाड़ व रेप की कोशिश की। महिला बताया कि उसकी बेटी सेतिया कॉलोनी की एक स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती है। स्कूल संचालक रघुवीर ने उसे पढ़ने के लिए स्कूल में बुलाया। उस समय स्कूल में कोई मौजूद नहीं था। इसी दौरान स्कूल संचालक ने उसकी बेटी से अश्लील हरकतें की और रेप का प्रयास किया। किसी प्रकार से उसकी बेटी भागकर घर आ गई और परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर छात्रा के परिजन स्कूल पहुंचे। वहां स्कूल संचालक और परिजनों में विवाद हो गया। इसके बाद परिजन महिला थाना पहुंचे जहां आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

भवानी सिंह राजावत को हाईकोर्ट से जमानत मिली

■ **एडीशनल चीफ को जबरन पानी पिलाने का मामला**

कोटा, (निसं)। कोटा शहर की 500 कॉलोनियों और 50 से अधिक बहुमंजिला इमारतों के 1.50 लोग चम्बल के किनारे होते हुए भी शुद्ध पेयजल से वंचित होकर फ्लोराइड युक्त दूषित जल पीने का विवश थे।

इस मामले में पूर्व संसदीय सचिव भवानी सिंह राजावत ने अपने सैकड़ों समर्थकों एवं पीड़ित लोगों के साथ जलदाय विभाग के एडीशनल चीफ इंजीनियर महेश जांगिड़ का घेराव किया और उन्हें फ्लोरायड युक्त पानी पीने को विवश किया था। इस मामले में जलदाय मंत्री और बड़े कांग्रेसी नेताओं के दबाव के बाद राजावत एवं उनके समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इस प्रकरण में कोटा न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद हाईकोर्ट में अपील की गई जिस पर हाईकोर्ट ने राजावत एवं उनके समर्थकों की जमानत मंजूर कर ली।

ज्ञात हो कि राजावत व समर्थकों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज होने के बाद पूरे शहर में जन आंदोलन खड़ा हो गया और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शहरवासियों ने भी जगह जगह धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया, कई जगहों पर जलदाय मंत्री के पुतले जलाये गये, कहीं पुतले को पानी में डुबोया और कई अभियंताओं को फ्लोराईड युक्त पानी की बोतलें भेंट की गई। इसका नतीजा यह हुआ कि जयपुर में हुई मंत्रिमण्डल की बैठक में हंगामा हो गया और सरकार को मजबूरन यह तय किया कि कोटा शहर के एक भी व्यक्ति को फ्लोराइड का पानी नहीं पीना पड़ेगा।

राशिफल गुरूवार 17 मार्च, 2022

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 12:34 तक, धृति योग रात्रि 2:38 तक, तैतिल करण दिन 1:40 तक, चन्द्रमा शुक्रवार प्रातः 6:32 पर कन्या राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-कुम्भ, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा दिन 1:30 से रात्रि 1:09 तक है। आज चान्द पूर्णिमा व्रत, दुताशिनी पूर्णिमा है।

होलिका दहन राजस्थान के पूर्वी भाग जयपुर, कोटा, चूरू, सीकर, टोंक, अलवर, अजमेर में भद्रा पुच्छकाल रात्रि 9:02 से रात्रि 10:14 तक में और पश्चिमी राजस्थान में रात्रि 1:10 पर करना शुभ रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:08 तक, चर 11:06 से 12:35 तक, लाभ-अमृत 12:35 से 3:34 तक, शुभ 5:03 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:38, सूर्यास्त 6:32

मेष
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मीन
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

महावा और बागेश्वर की पहाड़ी में लगभग 60 हेक्टेयर में लगी आग

प्रशासन एवं स्थानीय लोगों की चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पाटन, (नि.स) निकटवर्ती ग्राम पंचायत महावा की खारडा की ढाणी के सामने स्थित पहाड़ी में आग लग गई जो बागेश्वर धाम तक पहुंच गई।

लगभग 60 हेक्टेयर में आग लगने से आसपास के गांव में भी दहशत का माहौल देखने को मिला। गांव के 4 दर्जन से अधिक युवाओं ने पहाड़ी पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया परंतु हवा चलने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को भी दी परंतु समय पर अधिकारी नहीं पहुंच पाए जिस कारण आग काफी दूरी तक फैल चुकी थी। स्थानीय प्रशासन ने दमकल भी भिजवाई परंतु रोड से लगभग 2 किलोमीटर दूर पहाड़ होने के कारण दमकल पहाड़ तक नहीं पहुंच पाई। चार घंटे की बड़ी मशक्कत से ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया।

जंगलों में इन दिनों लापला घास खड़ा हुआ है। इस लापला घास में जब आग लगती है तो यह पेट्रोल की तरह काम करती है। लोगों का अनुमान है कि जंगल में शायद किसी पशु चराने वाले व्यक्ति ने बीड़ी जलाते वक्त जलती तिल्ली को फेंक दिया होगा जिस कारण ही जंगल में आग लगी है। आग लगने से लाखों रुपए की वन संपदा जलकर राख हो चुकी है।

सात क्विंटल अफ़ीम व डोडा-चूरा बरामद

मांडलगढ़ पुलिस ने पिकअप गाड़ी में भरा सात क्विंटल अफीम डोडा-चूरा बरामद किया।

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ थाना क्षेत्र के लाडपुरा के पास कोटा-चित्तौड़गढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस ने 38 बैग में भरा 674 किलोग्राम डोडा-चूरा को जब्त किया है। मांडलगढ़ थाना प्रभारी सुरेश चौधरी ने बताया कि चित्तौडगढ़-कोटा हाइवे सड़क पर बेगूं की ओर से लाडपुरा की तरफ आ रही एक पिकअप गाड़ी अमरतिया गांव के निकट नीलगाय से टकरा कर पलट गई और गाड़ी में आग लग गई। पुलिस टीम तुरन्त मौक़े पर पहुंची। वहां सड़क पर काले रंग के बैग इधर-उधर बिखरे पड़े मिले। तलाशी में डोडा चूरा मिला।

हादसे के बाद तस्कर अंधेरे में मौक़े से भाग छूटे। निकट के नितिन स्पिनर से दमकल वाहन को मौके पर बुलाया गया। एक घंटे के प्रयास के बाद पिकअप गाड़ी में लगी आग पर काबू पाया। डोडा-चूरा का वजन कराने पर 674 किलोग्राम मिला। डोडाचूरा ओर जली हुई पिकअप को जब्त कर एडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया हैं। पुलिस तस्करों का पता लगाने में जुटी हैं।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा
फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट : urban.rajasthan.gov.in/uitkota

एफ 11/नीलामी/2022/123 — दिनांक 16.03.2022

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

नगर विकास न्यास द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से राजीव गांधी नगर व्यावसायिक योजना में भूखण्ड संख्या-2 B- 5 को नीलाम किया जा रहा है। यह भूखण्ड झालावाड़ रोड एन.एच. 12, डकनिया स्टोन के समीप एवं शैक्षणिक संस्थाओं (कोचिंग) के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 28.03.2022 से प्रातः 11.00 बजे से शुरु होगा दिनांक 30.03.2022 को दोपहर 02:00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वतः बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्तें एवं अन्य जानकारी urban.rajasthan.gov.in/uitkota एवं udhonline.rajasthan.gov.in/कार्यालय समय में न्यास में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

ई-ऑक्शन के माध्यम से राजीव गांधी नगर व्यावसायिक योजना में भूखण्ड संख्या-2 B- 5 का क्षेत्रफल (2158.08 वर्गमीटर)

प्रारम्भिक नीलामी दर-70000/-प्रति वर्गमीटर
आरक्षित दर-15000/-प्रति वर्गमीटर
धरोहर राशि-3021500/-

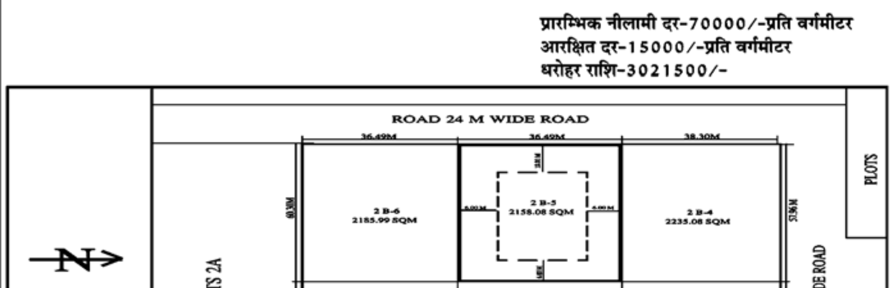

सचिव

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

CAD सर्किल के पास कोटा
फोन नं. 0744-2500539, वेबसाइट : urban.rajasthan.gov.in/uitkota

एफ 11/नीलामी/2022/124 — दिनांक 16.03.2022

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का अवसर

नगर विकास न्यास द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से राजीव गांधी नगर व्यावसायिक योजना में भूखण्ड संख्या-2 B- 3 कॉर्नर को नीलाम किया जा रहा है। यह भूखण्ड झालावाड़ रोड एन.एच. 12, डकनिया स्टोन के समीप एवं शैक्षणिक संस्थाओं (कोचिंग) के समीप स्थित है। ई-ऑक्शन का आरम्भ दिनांक 29.03.2022 प्रातः 11.00 बजे से शुरु होगा दिनांक 31.03.2022 को दोपहर 02:00 बजे समाप्त हो जायेगा (अन्तिम 5 मिनट में स्वतः बोली विस्तार नहीं होने की स्थिति में) नियम/शर्तें एवं अन्य जानकारी urban.rajasthan.gov.in/uitkota एवं udhonline.rajasthan.gov.in/कार्यालय समय में न्यास में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है। दूरभाष 0744-2500539/ (Helpline For Online Support-01412560211) पर सम्पर्क करें।

ई-ऑक्शन के माध्यम से राजीव गांधी नगर व्यावसायिक योजना में भूखण्ड संख्या-2 B- 3 कॉर्नर का क्षेत्रफल (2308.88 वर्गमीटर)

प्रारम्भिक नीलामी दर-82500/-प्रति वर्गमीटर
आरक्षित दर-15000/-प्रति वर्गमीटर
धरोहर राशि-3809700/-

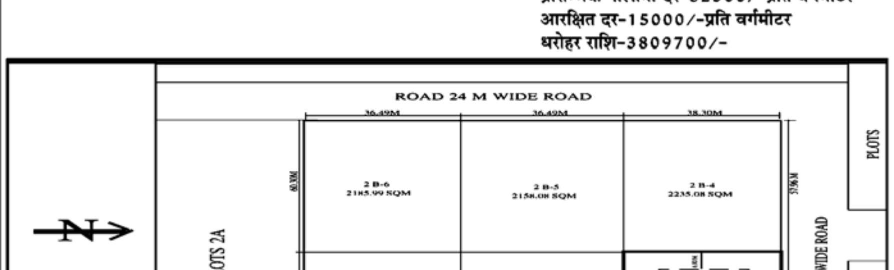

सचिव

इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराकर पहली जीत का स्वाद चखा

माउंट मॉन्गानुई, 16 मार्च। ऑफ स्पिनर चार्ली डीन(4-23) की घातक गेंदबाज़ी और हेदर नाइट (नाबाद 53) की कप्तानी पारी से गत चैंपियन इंग्लैंड ने विश्व कप में भारत को चार विकेट से हराकर चार मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की जबकि भारत को दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने 36.2 ओवरों के भीतर भारत को 134 रनों पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने 312 ओवर में छह विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी पहली जीत हासिल की। भारत को चार मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह तालिका में तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड चार मैचों में अपने पहले दो अंकों के साथ छठे स्थान पर आ गया है।

इस अहम मैच से पहले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज़ एमी जोंस ने गुहार लगाई थी कि इंग्लैंड खेल का मज़ा लेते हुए फ़ील्डिंग में ग़लतियां कम करने पर ध्यान दें। उनकी इस गुहार पर काम करते हुए टीम ने बुधवार को शानदार खेल दिखाया। विश्व कप में अपना केवल दूसरा ही मैच खेलते हुए युवा ऑफ़ स्पिनर डीन ने 23 रन ख़र्च करते हुए चार शिकार करते हुए अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके बाद कप्तान नाइट के नाबाद अर्धशतक ने 32 ओवरों के भीतर टीम को जीत दिलाई।

हमें पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी ना करने का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा : झूलन

माउंट मौंगानुई, 16 मार्च। भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का मानना है कि भारत को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी ना करने का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा। हालांकि चार विकेटों की इस हार के बावजूद उन्होंने बचे हुए मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बल्लेबाज़ी क्रम का समर्थन किया है।

134 रनों के छोटे लक्ष्य के बचाव में भारत ने गेंद के साथ कमाल का प्रदर्शन किया। उसने पहले इंग्लैंड को चार रनों पर दो विकेट और फिर 30 ओवरों के भीतर छह विकेट के नुक़सान पर 128 के स्कोर पर ला खड़ा किया था। इंग्लैंड की पारी को 32वें ओवर तक खींचकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नेट रन रेट में भारी गिरावट ना आए। लेकिन एक सम्मानजनक स्कोर ना खड़ा करने का अर्थ था कि भारत केवल जीत को टालने का प्रयास कर रहा था।

महिला वनडे क्रिकेट में 250 विकेट झटकने वाली पहली महिला बनने वाली झूलन ने बुधवार को कहा, ''हम निश्चित तौर पर 300 गेंदें खेलना चाहते थे लेकिन हम पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाए। हमें इसका ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ा क्योंकि हमारा लक्ष्य 240-250 तक पहुंचने का था जो इस मैदान पर अच्छा स्कोर होता। अगर हम ऐसा करते तो हम उन्हें (इंग्लैंड को) रोक पाते।''

झूलन ने आगे कहा, ''क्रिकेट में किसी दिन आप अच्छे ढंग से योजना बनाते हैं लेकिन वह आपके पक्ष में नहीं जाती है। और आपको समझना पड़ता है कि आप विश्व क्रिकेट की एक सर्वश्रेष्ठ टीम का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा खेल दिखाया है। दुर्भाग्यवश हम आज सही तरीक़े से अपनी योजना का पालन नहीं कर पाए।''

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, पलसाना (सीकर)

क्रमांक- 501-513 — दिनांक 8.3.2022

निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति पलसाना द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए निम्न कार्य/सेवाएं/व्यवस्थायें/सामग्री क्रय दरों का अनुबन्ध/ठेका किये जाने हेतु इच्छुक योग्य निविदाताओं/फर्मो/पंजीकृत संस्थाओं से निम्नानुसार निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है एवं मण्डी प्रांगण में मोबाईल क्लीनिंग ग्रेडिंग सोटिंग मशीन (2टीपीएच) के संचालन हेतु व्यापार संघ/मण्डी समिति के अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी/एफ.पी.सी./क्रय-विक्रय सहकारी समिति/सेवाप्रदाता/अन्य से अनुबन्ध हेतु खुली बोली के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य/सेवा का नाम	अनुमानित लागत वार्षिक (लाख रु.में)	व्यक्तियों की संख्या	निविदा फार्म शुल्क	निविदा धरोहर राशि	निविदा फार्म क्रय करने की दिनांक व समय	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर विद मशीन ठेका कार्यालय कार्य	2.00	2 व्यक्ति		4000/-			
2	कम्प्युटर ऑपरेटर विद मशीन ई-नाम योजना	7.00	6 व्यक्ति		14000/-	29.03.2022 11.00 एएम तक	29.03.2022 1.00 पीएम तक	29.03.2022 2.00 पीएम तक
3	जल एवं प्रकाश व्यवस्था ठेका	1.50	1 व्यक्ति		3000/-			
4	सफाई व्यवस्था ठेका कार्य	5.00	4 व्यक्ति		10000/-			
5	कार/जीप वाहन ठेका	2.50	1 व्यक्ति		5000/-			
6	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	0.50		200/-	1000/-			
7	कियोस्क ठेका मण्डी प्रांगण (एक)		-		2000/-	दिनांक 30.03.2022 को 2.00 पीएम बजे खुली बोली द्वारा होगी।		
8	मोबाईल क्लीनिंग ग्रेडिंग सोर्टिंग मशीन (2टीपीएच) को ठेके पर संचालन हेतु	आरक्षित राशि 180000/-	-		3600/-	मण्डी प्रांगण में मोबाईल क्लीनिंग ग्रेडिंग सोर्टिंग मशीन (2टीपीएच) के संचालन हेतु खुली निलामी दिनांक 30.03.2022 को मध्यान्ह 4.00 बजे कार्यालय में होगी। इच्छुक बोलीदाता दिनांक 30.03.2022 को मध्यान्ह 2.00 बजे तक निर्धारित धरोहर राशि 3600 रु. जमा कराकर बोली प्रक्रिया में भाग ले सकता है।		

निविदा से सम्बन्धित अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में अवलोकन की जा सकती है। निविदा प्रपत्र शुल्क डी.डी./बैंकर चैक/नकद प्राप्त किया जावेगा। निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार मण्डी समिति को होगा।

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति,
पलसाना (सीकर)

सचिव,
कृषि उपज मण्डी समिति,
पलसाना (सीकर)

भोमियां बाबा का वार्षिकोत्सव मनाया

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पाथरेड़ी में भोमियां बाबा का वार्षिकोत्सव समारोह बुधवार आयोजित हुआ। इस मौके पर आयोजित मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडी। जहाँ श्रद्धालुओं ने बाबा भोमियां के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। मेले में प्रतिवर्ष की भांति विशाल कुश्ती दंगल का भी आयोजन हुआ। जिसमें कामड़े की कुश्ती हरियाणा से आये ग्राम जलालपुर के अजय व नारनौल के संजय पहलवान के बीच आयोजित हुई। 51 हजार रूपयों की कुश्ती बराबरी पर रहने पर दोनों पहलवानो में ईनाम बांट दी गई। इस दौरान सरपंच रामस्वरूप कसाना, पूर्व सरपंच शम्भुदयाल मीणा, सत्यनारायण मीणा, एड. दिनेश अग्रवाल, राजकुमार शेखावत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पांचू लाल वर्मा बने अध्यक्ष

फुलेरा। बलाई समाज सामुदायिक भवन में बलाई समाज विकास परिषद के चुनाव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। वहीं बलाई समाज विकास परिषद फुलेरा के चुनाव संचालक राजेन्द्र कुमार चोपड़ा, रामप्रसाद नारनोलिया, गणेश लाल तंवर की देख-रेख में संम्पन करवाये गया। जिसमें पांचू लाल बरवड़ को अध्यक्ष पद के लिये निर्विरोध चुना गया। साथ ही संयोजक के पद पर मोती लाल परिहार को नियुक्त किया गया।

नगरपालिका एवं विद्युत निगम की खींचतान में 6 घण्टे बिजली रही बंद

राजगढ़/अलवर, (निसं)। जयपुर विद्युत वितरण निगम राजगढ़ एवं नगरपालिका के मध्य बकाया राशि के मामले को लेकर की गई कार्रवाई एवं दोनों ओर के ईगो के कारण करीब 6 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहने से आमजन परेशान रहा।

- नगरपालिका के नए भवन का बिजली बिल बकाया होने पर नोटिस दिया था
- इस सम्बन्ध में नगरपालिका द्वारा विद्युत वितरण निगम के कार्यालय में नगरीय विकास टैक्स जमा नहीं होने को लेकर कुर्की की सील लगा दी

इस खींचतान के दौरान नगरपालिका पार्षदों ने चेयरमैन सतीश दुआरिया के नेतृत्व में तहसील परिसर के बाहर जाम लगा दिया।

इस खींचतान को नगरपालिका पार्षदों ने चेयरमैन सतीश दुआरिया के नेतृत्व में तहसील परिसर के बाहर बुधवार दोपहर बाद सड़क मार्ग जाम कर विवाद को ऊंचाइयां दी। एसडीएम केशव कुमार मीणा ने मौके पर पहुंचकर विद्युत आपूर्ति बहाल करने के आश्वासन के बाद समझाइश कर रास्ता जाम खुलवाया।

डिस्कॉम राजगढ़ के सहायक अभियंता दीपक शर्मा ने बताया कि नगरपालिका के नए भवन का करीब डेढ वर्ष से करीब 2 लाख 39 हजार रूपये का बिजली का बिल जमा नहीं हुआ है। इस सम्बन्ध में उन्हें नोटिस दे दिया एवं नियम अनुसार कार्रवाई की। इधर इस सम्बन्ध में बुधवार को नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी के नेतृत्व में विद्युत वितरण निगम के कार्यालय में करीब 40 लाख के नगरीय विकास टैक्स जमा नहीं होने को लेकर कुर्क के तहत सील लगा दी। इधर नगरपालिका के बाहर लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को विद्युत विभाग के कर्मचारी उतार कर ले आए। नगरपालिका चेयरमैन सतीश दुहारिया के नेतृत्व में रूपनारायण मीना, प्रशांत जौहरी, धर्मचंद सैनी, कालूराम सैनी, गौरव कसेरा, सुनीता प्रजापत, पवन नरूका, बेनीप्रसाद सैनी, धर्मसिंह रैबारी, बबली सैनी सहित अनेक पार्षदों ने तहसील परिसर के बाहर जाम कर विरोध जताया। करीब आधा घण्टे जाम के बाद उपखण्ड अधिकारी केशव कुमार मीना मौके पर पहुंचे एवं विद्युत आपूर्ति चालू कराने के आश्वासन के बाद चक्का जाम खोला गया।

रात्रि एक बजकर 10 मिनट पश्चात होलिका दहन श्रेष्ठ रहेगा

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा में होली चौक पर गुरुवार को विधिविधान से होलिका दहन होगा। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बाजारों में जगह-जगह सजी रंगों व पिचकारियों की दुकानों पर पूरे दिन खरीदारी का दौर चला।

होली पर्व को सकुशल व शांतिपूर्वक निपटाने के लिए प्रागपुरा थाना पुलिस ने सुरक्षा के कडे प्रबंध किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। प्रागपुरा थाना प्रभारी हवा सिंह यादव ने बताया कि पर्व को देखते हुए सुरक्षा के कडे प्रबंध किए गए हैं। यदि कहीं कोई संदिग्ध नजर आए, तो उससे कडी पूछताछ की जाए। पर्व में किसी भी प्रकार की गडबडी करने वालों से सती से निपटा जाए।

इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। खेलना निवासी ज्यातिषी द्वारकेश मिश्रा व महेश मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष पूर्णिमा 17 मार्च को दोपहर 1 बजकर 31 मिनट से आरंभ होकर 18 मार्च को दोपहर 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगी तथा भद्रा रहित रात्रि एक बजकर 10 मिनट पश्चात होलिका दहन के लिए श्रेष्ठ रहेगा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
प्राधिकृत अधिकारी - अमित कुमार झा, सम्पर्क नम्बर - 7073340715 / 9874702021

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना/एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से ऋणग्रहिता (ओं) व जमानती (यों) को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित अचल सम्पत्तियाँ सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा आईडीएफसी बैंक लि. अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 08.04.2022 को "जहाँ है जैसी है" "जो कुछ है यह हैं" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड) को 26.04.2021 को बकाया रुपये 23,94,041.10/- की मै. टौंक टाइल्स कलेक्शन्स एवं श्रीमती निशा कटियार, पंकज कटियार (ऋण ग्रहिता-सह ऋण-ग्रहिता (ओ)) से वसूली के लिये की जायेगी।

ऑक्शन स्टेट्स

आरक्षित मूल्य	रुपये-14,49,216/-
बयाना राशि जो जमा होगी	रुपये-1,44,921/-
बोली प्रस्तुत करने / बयाना राशि जमा कराने की तिथि	07.04.2022 को सायं 5.00 तक
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	01.04.2022 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक
नीलामी की तिथि	08.04.2022 प्रातः 11.00 से दोपहर 1.00 तक
सम्पत्ति का विवरण	सम्पत्ति फ्लैट नं. ई-एस-5, प्लाट नं. बी-53-सी, न्याय वाटिका, बीलवा, तहसील-सांगानेर, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, सीमायें है-पूर्व-कोरीडोर, पश्चिम-आसमान को खुला, उत्तर-अन्य फ्लैट, दक्षिण-अन्य फ्लैट

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक को देखें अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC
अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था)
दिनांक- 16.03.2022
स्थान - जयपुर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	17504948 28681403 33939054	सम्पत्ति पर ऋण	1. मंजू कंवर 2. भोपाल सिंह राठौड	05.03.2022	29,33,733.47/-	प्लाट नं. 9-ए, क्षेत्रफल 150.75 वर्गगज, ग्रीन नगर, ब्लॉक-ए, माचेडा जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें हैः पूर्व-रोड, पश्चिम-प्लाट नं. 8, उत्तर-प्लाट नं. 10, दक्षिण-प्लाट नं. 09
2	26032536 एवं 34433458	सम्पत्ति पर ऋण	1. मो. युसुफ 2. शाहनाज युसुफ	05.03.2022	13,28,526.37/-	प्लाट नं. 10 के पश्चिम भाग का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 53 वर्गगज, स्कीम नं. 02 अर्जुन कालानी-।।, आमेर रोड, जयपुर (राज.) और सीमायें है-पूर्व-प्लाट नं. 9, पश्चिम-रोड 20 फिट चोड़ी, उत्तर-प्लाट नं. 11, दक्षिण-प्लाट नं. 10-बी का भाग
3	29388011	गृह ऋण	1. मुकेश कुमार सैनी 2. नन्दनी खांडल	05.03.2022	13,19,245.96/-	प्लाट नं. 7-ई/एमआई/जीएफ/4, स्कीम इन्दिरा गाँधी नगर, जयपुर का पूरा व प्रतयेक भाग, क्षेत्रफल 66.44 वर्गमीटर, और सीमायें हैः पूर्व-रोड, पश्चिम-एफ नं. 7ई/एम.आई/जीएफ/3, उत्तर-सीडी और लाबी, दक्षिण-ब्लॉक-डी

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 17.03.2022
स्थान- जयपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

IDFC FIRST Bank

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वग्रीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जान जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	10052627481 एवं 10052619061	गृह ऋण	1. प्रदीप किंगर 2. चारू किंगर	05.03.2022	1,01,75,894.56/-	रिहायशी इकाई फ्लैट नं. 703, सातवी मंजिल, क्षेत्रफल 1538 वर्गफिट (अनुमानित) तथा सुपर बिल्ट अप एरिया 2050 वर्गफिट (अनुमानित), "किंग्स लैंडिंग", प्लाट नं. ए-40, तिलक नगर, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-मकान नं सी-123, पश्चिम - रोड 60 फिट चोड़ी, उत्तर-मकान नं. ए-39, दक्षिण-मकान नं. ए-41
2	10051263386	गृह ऋण	1. संतोष सिंह 2. नीतू चौहान	05.03.2022	72,50,631.00/-	प्लाट नं. 462, रायल ग्रीन सिटी स्कीम, ग्राम नागल बडगूजरान उर्फ फगोडियावाला, बड का बालाजी, अजमेर रोड, तहसील सांगानेर, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 478.12 वर्गगज, और सीमाये है- पूर्व प्लाट नं. 450 और 451, पश्चिम-रोड 100 फिट चौडी, उत्तर-प्लाट नं. 461, दक्षिण-प्लाट नं. 463
3	10050307085 एवं 10050326994	गृह ऋण	1. गोपाल लाल बैरवा 2. छोटी देवी 3. राधेश्याम बैरवा	05.03.2022	78,57,801.00/-	प्लाट नं. 15, टैगोर नगर, करतारपुरा, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 200 वर्गगज और सीमायें है-पूर्व-30 फिट चौडी रोड, पश्चिम-अन्य सम्पत्ति, उत्तर-प्लाट नं. 14, दक्षिण-प्लाट नं. 16

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ एकीकृत हुआ हो वर्तमान में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 17.03.2022
स्थान- राजस्थान
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, जो आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

विद्यालय में बच्चों ने होली खेली

विद्यालय में शिक्षकों ने बालकों के संग होली खेली।

देवली, (निसं)। शहर के विद्यालय में बुधवार को शिक्षकों ने बालकों के संग होली खेली। इस दौरान छात्र-छात्राओं में अपने शिक्षकों को गुलाल लगाए जाने का उत्साह दिखाई दिया, तो वहीं शिक्षकों ने भी छात्र छात्राओं को होली में केवल गुलाल व अबीर के प्रयोग करने का संकल्प दिलाया। बुधवार को शहर के विजन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में रंग बिरंगी होली उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य वह अध्यापकों ने बालक और बालिकाओं के साथ पुष्प एवं गुलाल की होली खेली।

वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं को सम्मानित किया

निवाई, (निसं)। राजकीय एकलव्य मॉडल आवासीय छात्रावास विद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम त्रिलोकचन्द मीणा, शहर अध्यक्ष महावीर प्रसाद, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश चौधरी, प्रमुख समाज सेवी प्रमिला खंडेलवाल, पप्पू लाल मीणा व प्रधानाचार्य रामचरण मीणा ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया। इसी प्रकार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नगर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान ग्राम पंचायत द्वारा विद्यालय के खेल मैदान की चारदीवारी निर्माण एवं शौचालय निर्माण कार्य करवाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में सभी भामाशाहों ने लगभग 50 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की। इसी प्रकार विश्व भारती माध्यमिक विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन हुआ।

वार्षिकोत्सव मनाया

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बड़ौदा कान कठूमर में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।

अलवर/ कठूमर। कठूमर क्षेत्र के बड़ौदा कान के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बड़ौदा कान कठूमर में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सीबीईओ योगेंद्र सिंह कुशवाहा ब्लॉक कठूमर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बाबूलाल बेरवा के पुत्र अमिताभ बेरवा आर ए एस एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में सरपंच ग्राम पंचायत बड़ौदाकान एवं के पी सिंह भामाशाह सीटाहेड़ा विराजमान रहे। विद्यालय परिसर में मां सरस्वती की मूर्ति का लोकार्पण विधायक पुत्र अमिताभ बेरवा द्वारा दिया गया। मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना करवाने वाले भामाशाह के पी सिंह का सम्मान किया गया। 11वीं की छात्रा अनुष्का यादव को स्टूडेंट ऑफ द ईयर एवं वरिष्ठ अध्यापक बलराम मीणा को बेस्ट टीचर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। क्लस्टर लेवल पर अव्वल आने वाले एवं शैक्षिणक उपलब्धियां प्राप्त करने वाले तथा हाउस एक्टिविटीज में जीतने वाले विद्यार्थियों को इनाम देकर सम्मानित किया गया।

तीन साल बाद निकलेगी बादशाह की सवारी

टोंक। नवाबी नगरी टोंक में वर्षों से चल रही धूलंडी के पर्व पर बादशाह की सवारी कोरोना काल के 3 साल बाद इस पर परंपरागत तरीके से निकाली जाएगी। धुलंडी पर परंपरागत तरीके से बादशाह की अजमेर वालों की कोठी से रवाना होकर खारी कुंई, जोशियों का मौहल्ला, माणक चौक, पालुको का मौहल्ला, संघपुरा, मेहंदवास गेट, घंटाघर होते हुए मुख्य बाजार होते हुए बड़ा कुंआ होते हुए वापस पुनः इसी मार्ग से होती हुई अजमेर वालों की कोठी पहुंच कर सम्पन्न होगी। जानकारी के अनुसार टोंक में वर्षो से परपरांगत तरीके होली के त्यौहार पर धूलंडी के दिन बादशाह की सवारी गाजेबाजे के साथ निकाली जाती है और इसका अलग ही नजारा देखने को मिलता है।

अभिभाषक संघ ने होली मिलन समारोह मनाया

किशनगढ़ बास, (निसं)। अभिभाषक संघ की ओर से न्यायपालिका प्रांगण में न्यायिक प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों सहित अधिवक्ताओं ने सामूहिक होली खेली और एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

अभिभाषक संघ के सचिव अजीत राव ने बताया कि बुधवार को अध्यक्ष अमित गौड़ की अध्यक्षता एवं न्यायिक प्रशासनिक अधिकारियों व वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मुख्य अतिथि में संघ की ओर से न्यायपालिका प्रांगण में होली मिलन समारोह मनाया गया। होली मिलन समारोह की शुरुआत लोक कलाकार सीपी शर्मा और सुंदर यादव ने सरस्वती वंदना से की। इसके उपरांत संघ अध्यक्ष अमित गौड ने अतिथियों का गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत किया तथा अभिभाषक संघ के सदस्यों ने अतिथियों का टोपी पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान अभिभाषक संघ के वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व सांसद राम सिंह यादव पदम श्री सूर्य देव सिंह बारेठ का भी संघ की ओर से टोपी पहनाकर व शाल उड़ाकर सम्मान किया गया।

इसके अलावा गिर्राज मुंशी स्टांप विक्रेता हरिओम गुप्ता गायक कलाकार सीपी शर्मा लख्मीचंद सुंदर यादव राजेश बाल्मीकि ने भजनों की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध किया। अभिभाषक संघ अध्यक्ष अमित गौड ने बताया कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारी अमर वर्मा, मदन गोपाल सोनी, अंकिता सिंघल, ममता वर्मा, एसडीएम ओमप्रकाश सहारण, डीएसपी अतुल अग्रे, वरिष्ठ अधिवक्ता राम सिंह यादव, सूर्यदेव सिंह बारेठ, संजीव बारेठ अधिवक्ता भुवनेश तिवाड़ी, अजय कृष्ण व्यास, चंद्र प्रकाश शर्मा, अजीत राव, सुनील यादव, महावीर प्रसाद गुप्ता धर्मपाल यादव देवेंद्र खेरिया बालकृष्ण मुकेश सैनी, सुनील गोयल, हनुमान प्रसाद गुप्ता, संतोष गुप्ता, बिंदु रानी, मनीषा चौधरी अशोक दादाणी सूरजभान भडाणा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, मुंशी स्टांप वेंडर, टाइपराइटर, न्यायपालिका कर्मचारी गण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट आशीष मालानी व प्रदीप कुमार ने किया।

लाभार्थियों को पट्टे बांटे

लालसोट। नगर पालिका मंडावरी के अधिशासी अधिकारी नमन शर्मा द्वारा बुधवार को नगर पालिका कार्यालय में प्रशासन शहरों के संग के तहत बनाए गए पट्टों का लाभार्थी परिवारों को वितरण किया। इस पट्टा वितरण के दौरान शिविर प्रभारी रमेश चंद शर्मा कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षक रामअवतार मीणा एवं कार्यालय की एलडीसी ललिता बेरवा प्रेम शर्मा धीरज शर्मा बृजेश गौतम आदि मौजूद रहे। पट्टा वितरण के दौरान अधिशासी अधिकारी शर्मा ने बताया कि होली के बाद मंडावरी नगर पालिका क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस सफाई व्यवस्था को लेकर सफाई कर्मियों को पहले से ही सफाई कार्य के लिए उपलब्ध ऑटो टिपर आदि के अलावा हाथ ठेली भी वार्डो की सफाई को लेकर उपलब्ध कराई गई है।

बाबा श्याम की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मूंडरू में बाबा श्याम का रथ को नगर भ्रमण के लिए निकाला।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। बाबा श्याम के जयकारे, उडता गुलाल, बजते चंग लहराते निशान, ऐसा ही कुछ माहौल मंगलवार को श्याम नगरी मूंडरू में था। फाल्गुनी द्वादशी को पूरी मूंडरू नगरी श्याम भक्तों से सराबोर थी। शनिवार सुबह बाबा श्याम के रथ को सजाकर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया तो कस्बेवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर बाबा श्याम की शोभायात्रा का स्वागत किया गया। अबीर-गुलाल उडाते हुए भक्तों के हाथ बाबा श्याम के रथ को खीचनें को आतुर थे। श्रद्धालु ढोल, चंग, भजनों पर नाचते गाते श्याम मंदिर पहुंचे। श्याम बाबा की रथ यात्रा में 21 गांवों के श्रद्धालु झांकियां लेकर पहुंचे। भक्तो ने मंदिर में निशान चढाकर मन्नतें मांगी।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नारायणपुर। ग्राम पंचायत चांदपुरी में के विद्यालय में बुधवार को आयोजित वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण व पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन सामारोह में विद्यालय के 15 प्रतिभावान छात्र-छात्रा व 25 भामाशाहों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्युत विभाग एईएन कमल किशोर गुर्जर तथा अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि हरद्वारी लाल शर्मा ने की।

विधायक मदन दिलावर की गिरफ्तारी पर रोक

- राजस्थान हाई कोर्ट ने रामगंज मंडी से भाजपा विधायक मदन दिलावर को राहत देते हुए जवाहर नगर थाने में उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. में गिरफ्तार किए जाने पर रोक लगा दी।
- यह केस यू.आई.टी. कोटा के उप सचिव की रिपोर्ट पर यू.आई.टी. की सहायक अभियंता ज्योति रानी वर्मा व निजी सचिव कौशल किशोर ने दर्ज करवाया था।
- दिलावर के वकील का कहना है कि, यह केस राजनैतिक द्वेष के कारण दर्ज करवाया गया था, क्योंकि दिलावर ने बसपा विधायकों के कांग्रेस में विलय को चुनौती दी थी।

जयपुर, 16 मार्च (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटा के रामगंज मंडी से भाजपा विधायक मदन दिलावर को राहत देते हुए उनके खिलाफ जवाहर नगर थाने में दर्ज एफआईआर में गिरफ्तार किए जाने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले के शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने मामले में अभियोजन पक्ष से चार सप्ताह में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश मदन दिलावर की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने याचिकाकर्ता दिलावर को भी निर्देश दिए हैं कि वह प्रकरण के अनुसंधान में सहयोग करे।

दिलावर की याचिका में अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गत 23 फरवरी को जवाहर नगर थाने में झूठा मामला दर्ज कराया गया है। याचिकाकर्ता आमजन का निर्वाचित प्रतिनिधि है। विपक्ष के तौर पर याचिकाकर्ता को सरकार की कड़ी आलोचना करने का अधिकार है। याचिकाकर्ता के खिलाफ राजनीतिक द्वेष के चलते पूर्व में पांच अन्य मामले में दर्ज कराए गए थे। राज्य सरकार उसके खिलाफ मुकदमें दर्ज करवा कर जनप्रतिनिधि की आवाज को बंद कराना चाहती है।

गौर फरमाने योग्य है कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच झगड़ा व शत्रुता अपने चरम पर थी और सचिन पायलट गुट के कई विधायकों को नोटिस जारी हुए थे। इसके साथ ही विद्रोही विधायकों पर देशद्रोह के मामले भी हाईकोर्ट में दायर हुए थे और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अशोक गहलोत सरकार के पास पूर्ण बहुमत साबित करने के लिये पर्याप्त विधायक नही हैं।

तब मदन दिलावर ने बसपा के सभी विधायकों के कांग्रेस पार्टी में मिलने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, क्योंकि बसपा के पार्टी अध्यक्ष ने इन विधायकों को कांग्रेस पार्टी में मिलने की अनुमति नहीं दी थी। हालांकि हाईकोर्ट के इस मामले में अपना फैसला सुनाने या "स्टे" लगाने से पूर्व ही सचिन पायलट गुट जयपुर लौट आया था।

दिलावर के खिलाफ दर्ज मामला यह है, यूआईटी कोटा के उप सचिव की रिपोर्ट लेकर न्यास की सहायक अभियंता ज्योति रानी वर्मा व निजी सचिव कौशल किशोर ने गत 23 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मंगलवार दोपहर विधायक मदन दिलावर सहित करीब डेढ़ दर्जन लोग न्यास कार्यालय आए और सचिव से मिलने की जिद करने लगे। मामले में दर्ज एफ.आई.आर. के अनुसार जब विधायक मदन दिलावर को बताया गया कि सचिव राजकार्य से जयपुर गए हैं। इस पर वे आग बबूला हो गए और सचिव के कार्यालय में अनाधिकृत रूप से धरना देकर बैठ गए। विधायक कर्मचारियों पर दबाव बनाकर कार्य करने को मजबूर कर रहे थे और उन्होंने अपशब्द भी कहे। वहीं कार्यालय समय पूरा होने के बाद निजी सचिव कौशल किशोर को बाहर निकाल कर रात को न्यास सचिव के चैम्बर में कब्जा कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 143, 353 व धारा 448 के तहत मामला दर्ज किया था।

जापान के प्रधानमंत्री 19 मार्च को भारत आयेंगे

नई दिल्ली, 16 मार्च (वार्ता)। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा 19 मार्च को भारत के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगें। दोनों देशों के नेताओं के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है। साथ ही साथ वर्तमान समय में रूस-यूक्रेन विवाद पर भी दोनों प्रधानमंत्री अपने विचार साझा कर सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस मुलाकात में हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर बातचीत संभव है।

- जापान के प्रधानमंत्री का यह दौरा 2019 में ही प्रस्तावित था, किन्हीं कारणों से दौरा टल गया था, लेकिन अब जापान ने इस मामले में आगे बढ़कर पहल की है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच वर्ष 2019 में मुलाकात होने वाली थी लेकिन भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के कारण मुलाकात को स्थगित कर दिया गया था।

अवैध बजरी से भरा ट्रेलर पलटा, तीन मरे

- तेज रफ्तार से जोधपुर से नागौर जा रहे ट्रेलर के पलटने से साथ चल रही बाईक पर सवार तीन लोगों की बजरी व ट्रेलर के नीचे दबने से मौत हो गई।
- तीनों मृतकों की पहचान के प्रयास चल रहे हैं, समझा जाता है कि तीनों मजदूर थे।

जोधपुर, 16 मार्च (कासं)। जोधपुर शहर में अवैध रूप से बजरी का खनन लगातार जारी है। बजरी माफिया पुलिस से बचकर भागने के चक्कर में इतनी तेज गाड़ी चलाते हैं कि अक्सर निर्दोष लोग उनकी चपेट में आ जाते हैं। बुधवार की सुबह भी ऐसा ही हुआ। जोधपुर से नागौर की तरफ जा रहा अवैध बजरी से भरा एक ट्रेलर पलटी खाने के बाद बाइक सवार तीन मजदूरों पर गिर गया। बजरी और ट्रेलर के नीचे दबने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोपहर तक मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे थे। संभावना है कि मजदूर आसपास के एरिया के रहने वाले हैं। ट्रेलर पलटने की सूचना पर सूरसागर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई की। बजरी को हटाने पर तीन श्रमिक नीचे दबे मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया। मगर तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

सूरसागर थानाधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया कि सुबह छह से सात बजे के बीच में इस दुर्घटना की जानकारी मिली थी। बजरी से भरा ट्रेलर तेज गति से नागौर की तरफ जा रहा था। कालीबेरी रोड पर पहुंचने पर वह अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। इससे पास में एक बाइक पर चल रहे तीन श्रमिक दब गए। पुलिस ने वहां पहुंच कर बजरी को हटवाने के साथ ट्रेलर को सीधा करवाया तो तीन श्रमिक दबे मिले, अस्पताल भेजने पर डॉक्टर ने भी मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि शहर में सुबह बजरी माफिया बहुत ज्यादा सक्रिय रहते हैं। वे अवैध रूप से बजरी का लदान भारी वाहनों में करने के साथ पुलिस से बचने के चक्कर में तेज रफ्तार से गाड़ियां चलाते हैं। पहले भी ऐसे हादसों में कई लोगों की जानें जा चुकी है। बासनी, सांगरिया, बनाड़ और महामंदिर इलाके में कई मौतें हो चुकी हैं।

पूर्व सैनिकों की पेंशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को सशस्त्र सेनाओं के जवानों के लिये "एक पद, एक पेंशन" की 2015 की नीति को यथावत रखते हुये, सरकार को निर्देश दिये है कि पूर्व सैनिकों को 1 जुलाई, 2019 से बकाया चल रही पेंशन 3 माह के अन्दर दे दी जाये तथा हर पाँच वर्ष बाद इसे संशोधित किया जाये।

न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा सूर्यकांत से मिलकर बनी बैंच ने बुधवार को अपने फैसले में आदेश दिये कि 7 नवम्बर, 2015 के कम्यूनिकेशन में कहा गया है कि पेंशन का पुनर्निधारण हर पाँच साल पर होगा तथा यह 1 जुलाई, 2019 से बकाया है। केन्द्र ने कहा कि केन्द्र इस कवायद को पूरा करेगा तथा सशस्त्र सेनाओं के सभी पात्र पेंशनरों को तीन महीने में एरियर्स का भुगतान करेगा।

- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिये कि, 1 जुलाई 2019 से पूर्व सैनिकों की बकाया पेंशन को तीन माह में दे दें तथा हर पांच साल पेंशन की राशि का पुनः निर्धारण करें।

पेंशन की दरों में भविष्य में किसी भी प्रकार की वृद्धि होने पर, इनकी पेंशन के स्वतः संशोधन के संबंध में, वादी-पूर्व सैनिकों से संबंधित इस विवाद पर, बैंच की ओर से बोलते हुये न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने कहा, "इन बिन्दुओं को संदर्भ के लिहाज से एक साथ पढ़ने पर, यह स्पष्ट हैं कि पुराने पेंशनरों को पेंशन की दरें बिना किसी प्रशासनिक अडंगे के मिलेंगी। "स्वतः पहुँचें" शब्दावली के अर्थ को, लाभों की गणना के लिये किसी भी समयावधि के संदर्भ से जुड़े वादे के रूप में संकुचित या सीमित न कर दिया जाये।"

भगवंत मान ने ली पंजाब के 28वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ

शहीद भगत सिंह के गांव में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

खटकड़ कलाँ (शहीद भगत सिंह नगर), 16 मार्च (वार्ता)। पंजाब आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष भगवंत मान ने बुधवार को यहां पंजाब के नये मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

शहीदेआज़म भगत सिंह के पैतृक गाँव खटकड़कलां में 40 एकड़ में बनाये गये पंडाल में लाखों लोगों की मौजूदगी में मान को राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बसंती रंग में सराबोर माहौल में मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया।

इस मौके पर आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल तथा दिल्ली सरकार के मंत्रियों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित शख्सियतों ने शिरकत की। इस समारोह में सियासी हस्तियों को नहीं बुलाया गया लेकिन कला तथा रंगमंच की दुनिया की हस्तियों को न्यौता दिया गया। ज्यादातर कलाकार मान के करीबी रहे।

प्रसिद्ध लोक गायक गुरदास मान, कांग्रेस के सांसद एवं कलाकार मोहम्मद सदीक और अनेक जाने-माने लोग उनके शपथ समारोह में पहुंचे।

समारोह में 'आप' के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, विधायक और पंजाब मामलों के प्रभारी जरनैल सिंह, विधायक और पंजाब मामलों के सह-प्रभारी राघव चड्ढा के अलावा 'आप' के कई नवनिर्वाचित विधायक, वरिष्ठ नेता, पंजाब के पार्टी कार्यकर्ता और वॉलंटियर उपस्थित थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आरोप लगाया है कि प्रदेश में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के शपथ समारोह पर जनता के खून-पसीने के करोड़ों रुपये फूंके गये।

चुघ ने बयान में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह कोई सादगीपूर्ण किया कार्यक्रम नहीं था बल्कि यह किसी राजा-महाराजा की ताज़पोशी की तरह किया गया।

भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि 150 एकड़ की फसल को बर्बाद कर दिया गया, जिसके लिए अब मान उन किसानों को मुआवजा देने की बात कर रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री यह बताएं कि 150 एकड़ की फसल कितने लोगों का पेट भर सकती थी, उस नुकसान की भरपाई कौन और कैसे करेगा।

चुघ ने कहा कि आप को प्रचंड बहुमत मिला है और उसे 'विघटनकारी' भूमिका नहीं निभाना चाहिए क्योंकि पंजाब एक संवेदनशील राज्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

कश्मीर में बुधवार को मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 16 मार्च (वार्ता)। कश्मीर में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को मार गिराया।

अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मारे गए आतंकवादी पिछले सप्ताह एक सरपंच समीर अहमद भट्ट की हत्या में शामिल थे। उन्होंने कहा कि श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम में आतंकवादियों छिपे होने की सूचना मिलने के बाद, सुरक्षा बलों ने करीब आधी रात के आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया और इस मुठभेड़ में आतंकवादियों के मंसूबों के नाकामयाब कर उनको मार गिराया।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, हमें मंगलवार रात को एक सूचना मिली थी जिसमें बताया गया कि नौगाम में तीन से चार आतंकवादी छिपे हुए हैं। इसके बाद पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इलाके की घेराबंदी करके और इस क्षेत्र के नागरिकों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। करीब रात दो बजे मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए।

शशि थरूर भी जी-23 में शामिल हुये

गुलाम नबी आज़ाद के घर पर मीटिंग हुई जिसमें शशि थरूर सहित कई नेता शामिल हुये

नई दिल्ली, 16 मार्च। पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी की मुश्किलें लगातार बढ़ रही है। पार्टी के अंदर असंतुष्ट खेमा लगातार बैठक के जरिए पार्टी हाई कमान के प्रति नाराजगी व्यक्त कर रहा है। बुधवार को एक बार फिर जी-23 सदस्यों ने गुलाम नबी आजाद के घर बैठक की। इस बैठक में शशि थरूर भी शामिल हुए हैं। थरूर के जी-23 ग्रुप में शामिल होने से हाई कमान की मुश्किल बढ़ सकती है।

बुधवार शाम को डिनर मीटिंग के लिए जी-23 सदस्यों ने गुलाम नबी आजाद के घर दौड़ लगाई। यह बैठक इसलिए भी ज्यादा अहम माना जा रही है क्योंकि रविवार को कांग्रेस कार्यसमिति ने पांच घंटे की मैराथन बैठक की थी। आजाद के घर बैठक में शामिल होने वालों में कपिल सिब्बल, शशि थरूर, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, भूपिंदर हुड्डा, अखिलेश प्रसाद सिंह, पृथ्वीराज चव्हाण, राज बब्बर, पीजे कुरियन और मणिशंकर अय्यर शामिल थे। इससे पहले जी-23 सदस्यों ने चुनाव परिणामों के दिन भी बैठक की थी और एक सुर में पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग की थी।

- शशि थरूर के कांग्रेस के बागी नेताओं के ग्रुप जी-23 में शामिल होने से कांग्रेस हाई कमान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

शशि थरूर, जो गांधी परिवार के काफी करीबी माने जाते हैं, उनका जी-23 बैठक में हिस्सा लेना निसंदेह बड़ी बात है। इससे पहले आज ही शशि थरूर ने ट्वीट करके अपने इरादे साफ कर दिए थे। उन्होंने लिखा, "मैंने अपनी गलतियों से बहुत कुछ सीखा है। अब सोच रहा हूं आगे बढ़ूं।"

बताया जा रहा है कि जी-23 सदस्यों की बैठक पहले कपिल सिब्बल के घर होनी थी। लेकिन बीते रोज सिब्बल का सब की कांग्रेस वाले बयान के बाद बैठक की जगह गुलाम नबी आजाद के घर को चुना गया। जी-23 सदस्यों ने सिब्बल के बजाय आजाद के घर बैठक करके पार्टी हाई कमान को यह संदेश देने की कोशिश की है कि वो सिब्बल के बयान का समर्थन नहीं कर रहे हैं। बताते चलें कि सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह आखिरी सांस तक घर की कांग्रेस से सब की कांग्रेस के लिए लड़ते रहेंगे।

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस बात की पुष्टि की थी कि सोनिया गांधी ने रविवार को हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में नेताओं को संबोधित करते हुए अपने और अपने बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के इस्तीफे की पेशकश की थी। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे सर्वसम्मति से खारिज कर दिया था।

गहलोत के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को उनके सामने रखें, जिन पर आज मीटिंग में चर्चा हुई है। मुद्दे की बात तो यह है कि क्या गांधी भाई-बहिन उस बात को सुनने के लिये तैयार भी हैं, जो उनसे कही जा रही है।

आज़ाद की डिनर मीटिंग में कपिल सिब्बल, आनन्द शर्मा, शशि थरूर, मनीष तिवारी, पृथ्वीराज चव्हाण, भूपिन्दर सिंह हूडा, परनीत कौर, मणिशंकर अय्यर, बघेला, संदीप दीक्षित सहित अन्य कई नेता शामिल थे।

आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है तथा ज्यादा संकट की अपेक्षा इस कारण है कि गांधी परिवार साफ दिखाई दे रही इबारत को पढ़ने से ही इंकार न कर दे।

राष्ट्रपति के चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये प्रांतीय विधायिकाओं के सदस्य भी वोट देते हैं।

ममता बनर्जी ने कहा है कि भाजपा के पास देश में आधे विधायक भी नहीं हैं, इसलिये अपने पसंदीदा प्रत्याशी को राष्ट्रपति बनवाना उसके लिये मुश्किल होगा।

भाजपा के पास राज्यों के आधे विधायक भी न होने की स्थिति में, भाजपा के अपने पसंदीदा उम्मीदवार को राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित करा पाना बहुत मुश्किल होगा।

उन्हें अब भी ऐसी उम्मीद है कि वे सभी विपक्षी दलों में इस प्रकार की आपसी समझ-बूझ बना लेंगी कि वे सब मिलकर अपनी पसंद का राष्ट्रपति चुन सकें।

ऐसी कोशिश वे पहले भी कर चुकी हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में प्रणब मुखर्जी के चुनाव के समय भी इसी प्रकार की गोल-मोल बात कही थी। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये उस समय भी उनके दिमाग में कुछ अन्य नाम थे।

लेकिन देश के अति चतुर राजनेताओं में से एक नेता ने उन्हें अपनी चतुराई से मात दे दी थी। मुलायम सिंह यादव की चतुराई के आगे ममता की यह योजना धरी रह गई थी कि वे राष्ट्रपति पद के लिये अपनी पसंद के प्रत्याशी को ला सकें।

मुलायम अंतिम क्षणों में एकाएक बदल गये थे और ममता बनर्जी देखती रह गई थीं।

कर्नाटक में हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने बंद की घोषणा की

सभी मुस्लिम संगठन हिज़ाब पर प्रतिबंध के खिलाफ एक सुर में लामबंद हुये

- मुस्लिम नेता सगीर अहमद ने बुधवार को घोषणा की कि, वे गुरुवार को मुस्लिम समुदाय के मौलवियों के साथ बैठक करेंगे। हमारी वरिष्ठ कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल से इस मामले में बात हुई है।
- कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम छात्राओं की ओर से दायर उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें शिक्षण अवधि के दौरान शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की गई थी।

बेंगलुरु, 16 मार्च (वार्ता)। कर्नाटक उच्च न्यायालय के हिजाब को लेकर सुनाये गये फैसले से नाराज मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने गुरुवार को 'कर्नाटक बंद' का आह्वान किया है।

गौरतलब है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम छात्राओं की ओर से दायर उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें शिक्षण अवधि के दौरान शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की गई थी। न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा हिजाब पहनना इस्लाम के तहत आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है और विद्यालय के यूनिफॉर्म का निर्धारण केवल एक उचित प्रतिबंध है, जिस पर छात्र-छात्राएं आपत्ति नहीं कर सकते। न्यायालय की पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास इस संबंध में आदेश जारी करने का अधिकार है।

अदालत के फैसले से खफा मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने कल कर्नाटक बंद का आव्हान किया है। मुस्लिम नेताओं ने स्वैच्छिक बंद का ऐलान किया है। कल के बंद में शामिल होने के लिए पूरे राज्य व्यापार मंडल को भी निर्देश दिया गया है।

मुस्लिम नेता सगीर अहमद ने बुधवार को घोषणा की कि, वह कल मुस्लिम समुदाय के मौलवियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि बंद के लिए किसी से कोई जोर जबरदस्ती नहीं करना है। अल्पसंख्यक समुदाय के राजनीतिक नेता मंगलवार को हिजाब पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए थे। बैठक अमीर ए शरीयत के आवास पर हुई। बैठक में सलीम अहमद, जमीर अहमद खान, यूटी खादर, एनए हैरिस, नजीर अहमद, रहमान खान, खानिज फातिमा और अन्य ने भाग लिया था।

अदालत के फैसले के बाद छात्रों द्वारा दिए गए बयान पर मौलवियों ने आपत्ति जताई है। उनका रवैया ठीक नहीं है, उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले से घबराने की जरूरत नहीं है। वर्दी को आदेश का पालन करने के लिए कहा गया है। हमें भी उच्चतम न्यायालय में जाने की इजाजत है। कांग्रेस नेता व वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से बात हो चुकी है। आमिर ए शरीयत ने कल सभी नेताओं को सलाह दी कि वे समाज में अनावश्यक भ्रम पैदा न करें।

आर्बिट्रेशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने आज मध्यस्थता की उन प्रक्रियाओं को फिर से शुरु करने की अनुमति दे दी, जो एमेज़ॉन ने सिंगापुर में फ्यूचर ग्रुप के विवाद में की थीं। ज्ञातव्य है कि फ्यूचर ग्रुप ने मुकेश अंबानी के रिलायंस ग्रुप के साथ 24,713 करोड़ रू. के असैट सेल डील की पेशकश की थी।

अदालत ने यह अनुमति इसलिये दी कि दोनों पक्ष, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आदेशित समझौता-वार्ता के जरिये, किसी सैटलमैंट की स्थिति तक नहीं पहुँचे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय की एक डिविजन बैंच ने जनवरी में, अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल के समक्ष, एमेज़ॉन तथा फ्यूचर ग्रुप के बीच मध्यस्थता की प्रक्रिया पर "स्टे" लगा दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने एमेज़ॉन तथा फ्यूचर ग्रुप के बीच के इस केस की सुनवाई करते हुये, दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा "सिंगापुर ऑबिट्रेशन ट्रिब्यूनल सैन्टर (एस.आई.ए.सी.) पर दिये गये "स्टे" को हटा दिया।

- एमेज़ॉन व फ्यूचर ग्रुप को आर्बिट्रेशन प्रक्रिया शुरू करने की इजाज़त दी सुप्रीम कोर्ट ने।

शीर्ष अदालत ने फ्यूचर ग्रुप तथा एमेज़ॉन से पूछा कि क्या उन्हें मध्यस्थता प्रक्रिया के पुनः शुरु करने में कोई परेशानी है। अगर कोई परेशानी या समस्या नहीं है तो यह अदालत मध्यस्थता की कार्यवाही पुनः शुरु किये जाने का आदेश दे देगा। दोनों ही पक्षों ने पक्के तौर पर कह दिया कि उन्हें ऐसा करने में कोई परेशानी नहीं हैं।

राजस्थान में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रमना की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष रखते हुये कहा कि "जल्दी सुनवाई इसलिये जरूरी है कि बहुत सी लड़कियों को कॉलेज जाना हैं।" उन्होंने यह इच्छा प्रकट की कि इस प्रकरण की सुनवाई अगले सप्ताह के पहले दिन ही कर ली जाये।

हेगड़े ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा, जो भारतीय संविधान के मूल ढाँचे का एक हिस्सा है, का उल्लंघन करते हुये, उच्च न्यायालय का यह फैसला मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम बालिकाओं/महिलाओं के बीच अनुचित भेदभाव पैदा कर रहा हैं।

वियतनाम में करोना मामलों का रिकॉर्ड बना

हनोई, 16 मार्च (वार्ता/शिन्हुआ)। वियतनाम में कोविड-19 का दैनिक प्रसार बढ़ता ही जा रहा है। देश भर में बुधवार को यहां 1,80,558 नए मामले दर्ज हुए जो मंगलवार के मुकाबले 5,078 अधिक है। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। देश भर में 62 इलाकों से 1,80,552 स्थानीय मामले तथा छह मामले विदेशों से सामने आये हैं। वियतनाम की राजधानी हनोई में बुधवार को 26,220 मामले सामने आए तथा मध्य नघे प्रांत में 10,797 मामले और उत्तरी विन्ह फुक प्रांत में 8,875 मामले दर्ज हुए। इसी अवधि में थान होआ और नघे एन के दो संघीय इलाकों में 86,982 मामलों की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार, देश में अभी तक कुल संक्रमितों की संख्या 68,20,458 हो गयी है।

'सोशल मीडिया के मार्फत सुनियोजित ढंग से देश में नफरत फैलाई जा रही है'

सोनिया गांधी ने लोकसभा में कहा कि, छद्म न्यूज़ प्रचारक फेसबुक के मार्फत विषाक्त ईकोसिस्टम खड़ा कर रहे हैं

नई दिल्ली, 16 मार्च (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा भारत में राजनीतिक विचारों एवं सामाजिक सद्भाव को प्रभावित करने के सुनियोजित प्रयासों पर आज गहरी चिंता जतायी और सरकार से आग्रह किया कि वह इस प्रकार के खतरे से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की रक्षा करे।

सोनिया गांधी ने लोकसभा में शून्यकाल में यह मामला उठाया और कहा कि हमारे लोकतंत्र को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से खतरा बढ़ रहा है। फेसबुक एवं ट्वीटर जैसी वैश्विक कंपनियों का नेताओं, पार्टियों एवं उनके छद्म कार्यकर्ताओं द्वारा खास प्रकार के राजनीतिक विचारों को स्थापित करने के लिए प्रयोग बढ़ रहा है। लोगों के संज्ञान में यह बार-बार आ रहा है कि वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियां सभी पार्टियों के लिए समान अवसर उपलब्ध नहीं करा रहीं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पिछले साल वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में कहा कि फेसबुक के खुद के घृणास्पद अभिव्यक्ति संबंधी नियम सत्ता पक्ष के राजनीतिज्ञों के पक्ष में धूमिल हो रहे हैं। हाल ही में अल ज़जीरा और रिपोर्ट्स कलेक्टिव ने दर्शाया है कि छद्म प्रचारकों द्वारा समाचार माध्यमों के नाम से फेसबुक पर एक विषाक्त ईकोसिस्टम हमारे देश में चुनावी कानूनों को दरकिनार करके और फेसबुक के नियमों के विरुद्ध जाकर सरकार के खिलाफ आवाजों का दमन किया जा रहा है। सत्ताधारियों के साथ मिल कर फेसबुक द्वारा जिस आक्रामकता से सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ा जा रहा है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा भारत में राजनीतिक विचारों एवं सामाजिक सद्भाव को प्रभावित करने के सुनियोजित प्रयासों पर गहरी चिंता जतायी और सरकार से आग्रह किया कि वह इस प्रकार के खतरे से हमारे लोकतंत्र की रक्षा करे।

उन्होंने कहा कि युवा एवं प्रौढ़ मस्तिष्क में भावनात्मक रूप से भ्रामक सूचनाओं से घृणा भरी जा रही है और फेसबुक जैसी छद्म प्रचार कंपनियां इस बात को जानतीं हैं और वे उससे मुनाफा कमा रहीं हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि बड़े कारोबारी घरानों, सत्ताधारियों एवं फेसबुक जैसी वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियों के बीच इस प्रकार की सांठ-गांठ बढ़ रही है।

श्रीमती गांधी ने कहा, मैं सरकार से आग्रह करतीं हूं कि वह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी राजनीति में फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के सुनियोजित हस्तक्षेप एवं प्रभाव को समाप्त करे।

कांग्रेस ने हार की जांच के लिए पदाधिकारी भेजे

नई दिल्ली, 16 मार्च (वार्ता)। कांग्रेस ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के कारणों की जांच के लिए पांच महासचिव नियुक्त किए हैं, जो हार के कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न नेताओं से बातचीत करेंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इन नामों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने श्रीमती रजनी पाटिल को गोवा, जयराम रमेश को मणिपुर, अजय माकन को पंजाब, अविनाश पांडे को उत्तराखंड और जितेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश भेजा है और कहा है कि वहां विधायक का चुनाव लड़ने वाली पार्टी के उम्मीदवारों के साथ ही अन्य नेताओं से बातचीत करें और हार के कारणों के साथ ही चुनाव के बाद की स्थिति का जायजा लें।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

GOLDEN MARCH OFFER

मार्च मेगा महाबचत ऑफ़र.

इस मार्च, ख़रीदें अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार और पाएँ शानदार महाबचत का मौक़ा.

बड़ी बचत

CELERIO ₹23 100* **SWIFT ₹33 100*** **S-PRESSO ₹28 100***

DZIRE ₹23 100* **WAGONR ₹39 100***

पाएँ सुनिश्चित 2 ग्राम सोने का सिक्का
अपनी मारुति सुज़ुकी एरीना कार ख़रीदने पर^.
ऑफ़र सिर्फ़ 17 मार्च 2022 तक मान्य है।

CELERIO SWIFT S-PRESSO DZIRE WAGONR

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT LTD: JAIPUR-AJMER ROAD: CALL: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: CALL: 4411111, 9785023000. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: CALL: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: CALL: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: CALL: 4074444, 9549650361. BANIPARK: CALL: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: CALL: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 0291- 2630478 / 79 / 80, 8094011151. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS**: GOVARDHAN VILLAS: CALL: 0294-2485158, 2485738, 9982666809, 9460402878. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ fleet offer (wherever applicable) on select model/ variants. ^Gold coin offer is valid on selected variants of Swift and WagonR and value of coin may vary depending on variant. Gold coin offer is not valid on Alto, S-Presso, Vitara Brezza, Dzire, Celerio, Ertiga and Eeco. Gold coin offer is valid on Invoicing till 17th March 2022. **Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st March 2022 or till stocks last, whichever is earlier.